हरिभूमि
छत्तीसगढ़, मध्यप्रदेश, हरियाणा व दिल्ली से एक साथ प्रकाशित
समाचार ही नहीं, विचार भी

कॉकरोच जनता पार्टी (सीजेपी) की अपील पर सोमवार को दिल्ली में आयोजित 'संसद मार्च' के दौरान जमकर बवाल हुआ। प्रदर्शनकारी हंगामा करते हुए संसद भवन के बेहद करीब तक पहुंच गए तो शाम होते-होते कई जगहों से हिंसा की तस्वीरें भी सामने आईं। दिल्ली का दिल कहे जाने वाले कनॉट प्लेस में भीड़ हिंसक हो गई और जमकर तोड़फोड़ करती नजर आई। पुलिस ने प्रदर्शनकारियों पर लाठियां बरसाईं, वहीं आंसू गैसे के गोले भी छोड़े।

सोने का सच्चा भाव
आनंद का सच्चा भाव
18 कैरेट रेट (75.00%) = ₹107252/-
22 कैरेट रेट (91.60%) = ₹130990/-
24 कैरेट रेट (99.99%) = ₹142988/-
सोने का भाव* प्रति 10 ग्राम | GST Extra
*Conditions apply
anand Jewels
Pandri, Raipur

संसद मार्च के दौरान हिंसक प्रदर्शन, कई जगहों पर पथराव-तोड़फोड़, धरना समाप्त करने नड्डा ने की अपील

दिल्ली में हिंसक हुए 'कॉकरोच', पुलिस ने बरसाई लाठियां, छोड़े आंसू गैस के गोले

हरिभूमि न्यूज ▶▶| नई दिल्ली

अभिजीत दीपके समेत सीजेपी के अधिकतर नेता जहां जंतर-मंतर पर ही मौजूद रहे तो उनके समर्थक संसद की ओर बढ़ने लगे। कॉकरोच जनता पार्टी के संसद मार्च में सोमवार को शामिल होने के लिए जंतर-मंतर जाने की कोशिश में कई प्रदर्शनकारियों ने शास्त्री भवन के पास सुरक्षा अवरोधकों को तोड़ने की कोशिश की, जिसके बाद सुरक्षा बलों ने प्रदर्शनकारियों को तितर बितर करने के लिए आंसू गैस के गोले छोड़े। यह कार्रवाई उच्च सुरक्षा वाले क्षेत्र में तनाव बढ़ने के बीच हुई। एहतियात के तौर पर जनपथ, पटेल चौक, राजीव चौक, केंद्रीय सचिवालय और सेवा तीर्थ मेट्रो स्टेशनों में प्रवेश पर रोक लगाए जाने और निकास गेट बंद किए जाने के कारण कई यात्री मेट्रो स्टेशनों के अंदर ही फंसे रहे। सुरक्षा में किसी भी तरह की चूक को रोकने के लिए मध्य दिल्ली में भारी संख्या में पुलिस और अर्द्धसैनिक बल तैनात हैं। पुलिस सूत्रों ने बताया कि नयी दिल्ली जिले में सुरक्षा व्यवस्था ▶▶| शेष पेज 6 पर

- प्रदर्शनकारियों के साथ झड़प में 50 से अधिक पुलिसकर्मी घायल
- संसद भवन के बाहर कड़ी सुरक्षा व्यवस्था, सुरक्षा बलों की रही फायरिंग पोजीशन

शाह से मिले प्रधान

संसद के मानसून सत्र के पहले दिन सोमवार को केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह और केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान के बीच करीब साढ़े तीन घंटे तक अहम बैठक हुई। यह बैठक संसद भवन परिसर में अमित शाह के कार्यालय में हुई।

संसद के गेट बंद किए गए

संसद भवन के कुछ गेट थोड़ी देर के लिए बंद कर दिए गए, क्योंकि प्रदर्शनकारियों की भीड़ ने परिसर की ओर मार्च करने का प्रयास किया। कॉकरोच जनता पार्टी के प्रदर्शन में शामिल लोगों को तितर-बितर करने के लिए लाठीचार्ज किए जाने और आंसू गैस का इस्तेमाल किए जाने के बीच अफरा-तफरी की स्थिति उत्पन्न हो गई।

टकराव में कई पुलिसकर्मी जख्मी

फिरोज शाह रोड पर भी प्रदर्शनकारियों ने पुलिस को निशाना बनाते हुए पथराव किया। हालांकि, पुलिस ने जल्द ही भीड़ को नियंत्रित कर लिया। यहां भी पुलिस को आंसू गैस के गोले दागने पड़े। जगह-जगह प्रदर्शनकारियों संग हुए टकराव में दिल्ली पुलिस के कई जवान जख्मी हुए हैं।

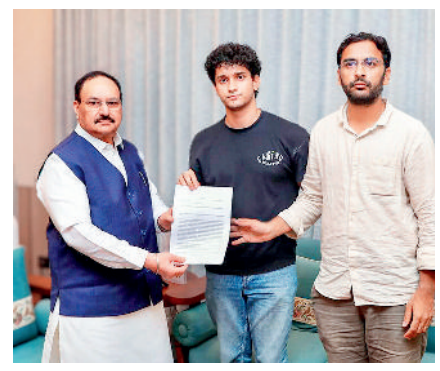

प्रतिनिधिमंडल ने नड्डा से मुलाकात की

कॉकरोच जनता पार्टी के दो सदस्यीय प्रतिनिधिमंडल ने केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री जे पी नड्डा से मुलाकात की। कॉजपा ने दावा किया कि नड्डा ने उन्हें आश्वासन दिया है कि इस मुद्दे पर सरकार के भीतर चर्चा करेंगे।

कॉजपा की तीन मांगें

- सामाजिक कार्यकर्ता सोनम वांगचुक को अस्पताल से तत्काल रिहा किया जाए
- केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान को पद से हटाया जाए
- नीट-यूजी 2026 पेपर लीक के बाद कथित तौर पर आत्महत्या करने वाले अभ्यर्थियों के परिवारों को एक-एक करोड़ का मुआवजा मिले

पुलिस ने समर्थकों को जंतर-मंतर से हटाया

'संसद मार्च' को आंसू गैस के गोले छोड़कर और लाठीचार्ज कर रोकने के कुछ घंटे बाद सोमवार को पुलिस ने 'कॉकरोच जनता पार्टी' के जंतर-मंतर स्थित धरना स्थल को हटा दिया। हालांकि, संसद मार्च के बाद प्रदर्शनकारी दोबारा जंतर-मंतर पहुंच गए। आंदोलन के एक नेता ने कहा कि वे धरना जारी रखेंगे।

अगस्त तक होंगे आरटीई में एडमिशन

हाईकोर्ट ने पूछा- गरीब बच्चे पढ़ाई कब करेंगे, कैसे पूरा होगा कोर्स

हरिभूमि न्यूज : बिलासपुर

खास खबर

छत्तीसगढ़ में शिक्षा का अधिकार अधिनियम के तहत निजी स्कूलों में प्रवेश प्रक्रिया को लेकर चल रही जनहित याचिका की सुनवाई के दौरान राज्य सरकार ने हाईकोर्ट में विस्तृत हलफनामा पेश किया है। सरकार ने बताया कि दूसरे चरण की लाटरी पूरी हो चुकी है, जिसमें ▶▶| शेष पेज 6 पर

सीटें रह गईं 30 हजार

याचिकाकर्ता के वकीलों ने सवाल उठाया कि पहले प्रदेश भर में आरटीई की 85 हजार से अधिक सीटें थीं। बाद में इसे घटाकर 55 हजार और अब 30 हजार कर दिया गया है। सीटें कम होने से गरीब बच्चे बड़े स्कूलों में प्रवेश और पढ़ाई से वंचित हो रहे हैं।

फंदे से लटका मिला शव

पुलिस हेडक्वार्टर में मृत मिले त्रिपुरा के डीजीपी

एजेंसी ▶▶| अगरतला

त्रिपुरा के पुलिस महानिदेशक अनुराग धनखड़ का शव सोमवार को पुलिस मुख्यालय स्थित उनके आधिकारिक कक्ष के शौचालय में फंदे से लटका हुआ मिला। मौत के कारणों का अभी तक पता नहीं चल पाया है। मुख्यमंत्री माणिक साहा ने यह जानकारी दी। मुख्यमंत्री ने बताया कि घटना की जानकारी मिलने के बाद वह मुख्य सचिव और गृह सचिव समेत अन्य वरिष्ठ ▶▶| शेष पेज 6 पर

अनुराग धनखड़

अनुराग धनखड़ 1994 बैच के आईपीएस अधिकारी थे और उन्होंने 2025 में त्रिपुरा के पुलिस महानिदेशक का पद संभाला था। बता दें कि अनुराग धनखड़ ने सीबीआई में नीरव मोदी मामले की जांच का नेतृत्व किया था। उन्होंने 1984 में सिख समुदाय के नरसंहार की जांच के लिए बनी एसआईटी का भी नेतृत्व किया था।

जंग की आहटः अमेरिका ने 50 और फाइटर जेट मिडिल ईस्ट भेजे

ईरान पर टूटेगा अब ट्रंप का कहर, अमेरिका का बड़े पैमाने पर हवाई अभियान शुरू

एजेंसी ▶▶| नई दिल्ली

ईरान के साथ चल रहे संघर्ष में अमेरिका ने अपनी हवाई ताकत तेजी से बढ़ा दी है। मिडिल ईस्ट में 50 से ज्यादा अतिरिक्त फाइटर जेट भेजे गए हैं। यह कदम ईरान पर हमलों को और तेज करने और क्षेत्र में तनाव बढ़ने की तैयारी का संकेत देता है। अमेरिका अब ईरान की मिसाइल और ड्रोन क्षमता को और कमजोर करने के लिए बड़े पैमाने पर हवाई अभियान चला सकता है।

मीडिया को मिली जानकारी के अनुसार जर्मनी से एफ-16 और ब्रिटेन से एफ-35 भी भेजे जा रहे हैं। साथ में एरियल रिफ्यूलिंग एयरक्राफ्ट भी भेजे गए, जो लंबी दूरी के हमलों के लिए जरूरी हैं। ये तैनातियां शुक्रवार को जॉर्डन में ईरानी हमले से पहले शुरू हुई थीं। अमेरिकी सेंट्रल कमांड (सेंटकॉम) ने इन तैनातियों पर कोई टिप्पणी नहीं की, लेकिन यह स्पष्ट है कि अमेरिका क्षेत्र में अपनी हवाई श्रेष्ठता सुनिश्चित करना चाहता है।

ईरान के लगातार हमलों से परेशान, अमेरिका मिडिल ईस्ट में 50 से ज्यादा फाइटर जेट भेज रहा है।

एफ-35, एफ-15 और एफ-16 की तैनाती हो रही है। जॉर्डन हमले के बाद ताकत बढ़ाई जा रही है।

अमेरिका बढ़ा रहा हवाई ताकत

ईरान युद्ध अब नौवीं रात तक पहुंच चुका है। अमेरिका ईरान के स्ट्रेट ऑफ होर्मुज में जहाजों पर हमलों और मिसाइल हमलों को रोकना चाहता है। ईरान ने जॉर्डन, कतर, बहरीन जैसे देशों में अमेरिकी ठिकानों पर हमले किए। इनमें अमेरिकी सैनिकों के मारे गए और घायल हुए। अमेरिका की यह तैनाती डिटरेंस की रणनीति है। एफ-35 जैसी स्टेल्थ जेट्स दुश्मन के राडार से बचकर हमला कर सकती हैं, जबकि एफ-15 और एफ-16 हमले और डिफेंस के लिए मजबूत हैं। एरियल रिफ्यूलिंग विमान इन जेट्स को लंबे समय तक उड़ान भरने में मदद करेंगे।

तेहरान में भारतीय दूतावास के निर्देश,देश छोड़ने पर करें विचार

तेहरान। ईरान में बढ़ते संघर्ष और अस्थिरता के बीच भारतीय दूतावास ने रविवार को वहां रह रहे भारतीय नागरिकों के लिए एक नई और संशोधित एडवाइजरी जारी की है। दूतावास ने भारतीय नागरिकों को फिलहाल ईरान की यात्रा टालने की सख्त सलाह दी है। इसके साथ ही, जो भारतीय पहले से ही ईरान में मौजूद हैं, देश छोड़ने पर विचार करने को कहा गया है। पश्चिम एशिया में बढ़ते सैन्य तनाव को देखते हुए यह कदम उठाया गया है। भारतीय दूतावास की ओर से जारी आधिकारिक एडवाइजरी के मुताबिक, सुरक्षा माहौल में सुधार होने तक किसी भी उद्देश्य के लिए ईरान जाने वाले भारतीय नागरिक अपनी यात्रा को स्थगित कर दें। जो भारतीय इस समय ईरान में ही हैं, उन्हें उपलब्ध उड़ान विकल्पों का उपयोग करके अस्थायी रूप से देश से बाहर निकल जाना चाहिए।

सिक्किम की निर्माणाधीन टनल पर लैंडस्लाइड, 27 मजदूर फंसे

रेस्क्यू करने गए कुछ वर्कर्स बेहोश गैस लीक की आशंका

गंगटोक। सिक्किम के नामची जिले में सोमवार दोपहर को भूस्खलन के कारण एक निर्माणाधीन सड़क सुरंग का प्रवेश द्वार बंद हो गया, जिससे उसके भीतर कम से कम 27 मजदूर फंस गए। कलेक्टर अनूप तमलिंग ने कहा कि समरडुंग सुरंग में फंसे मजदूरों की सही संख्या की अभी भी पुष्टि की जा रही है और यह संख्या मौजूदा अनुमान से कम या ज्यादा हो सकती है। पुलिस ने बताया कि भूस्खलन के कारण समरदुंग सुरंग के अंदर संदिग्ध गैस रिसाव भी हुआ है। इसने बताया कि ऐसा माना जा रहा है कि भूस्खलन के कारण भूमिगत परतों या चट्टानों की संरचना में हलचल होने से यह गैस प्राकृतिक रूप से निकल रही है। पुलिस के एक अधिकारी ने बताया कि राष्ट्रीय आपदा मोचन बल (एनडीआरएफ), एसडीआरएफ, पुलिस और अग्निशमन तथा आपातकालीन सेवाओं की टीम बचाव अभियान संचालित कर रही हैं।

सुरंग के भीतर गैस से बचाव में बाधा

अधिकारी ने कहा, बचाव अभियान जारी है, लेकिन सुरंग के भीतर गैस की मौजूदगी के कारण यह काम जटिल हो गया है। फंसे हुए मजदूरों तक पहुंचने की कोशिश के दौरान कई बचाव कर्मियों को चक्कर आ गए और वे बेहोश हो गए। एंबुलेंस को तैयार रखा गया है, जबकि गैस मास्क से लैस बचावकर्मी सुरंग के अंदर फंसे मजदूरों तक पहुंचने की कोशिश कर रहे हैं। इस सुरंग का निर्माण एक राजमार्ग परियोजना के हिस्से के रूप में किया जा रहा है।

इधर, हिमालयी में भारी बारिश, कश्मीर में दो दिन में 23 की मौत- जम्मू कश्मीर में बारिश से जुड़ी घटनाओं में मरने वालों की संख्या सोमवार को बढ़कर 23 हो गई, क्योंकि भारी बारिश के कारण केंद्र शासित प्रदेश में भूस्खलन और अचानक बाढ़ की स्थिति पैदा हो गई, जबकि उत्तराखंड और हिमाचल प्रदेश में भी भारी बारिश से बड़े पैमाने पर जनजीवन प्रभावित हुआ। इस बीच, भारत मौसम विज्ञान विभाग ने 20 और 21 जुलाई को जम्मू कश्मीर, हिमाचल प्रदेश और उत्तर प्रदेश के कुछ स्थानों पर अत्यधिक भारी वर्षा तथा 20 जुलाई को उत्तराखंड, बिहार तथा असम एवं मेघालय में भारी वर्षा का पूर्वानुमान जारी किया है। जम्मू कश्मीर सबसे अधिक प्रभावित रहा, जहां जम्मू संभाग में वर्षा संबंधी घटनाओं में एक महिला और उसके दो बच्चों समेत कम से कम 11 लोगों की मौत हो गई। इसके साथ ही पिछले दो दिनों में मृतकों की संख्या बढ़कर 23 हो गई। अधिकारियों ने बताया कि दिन की शुरुआत में पुंछ और राजौरी के बाढ़ प्रभावित जिलों में लगातार हो रही भारी बारिश की वजह से बचाव और राहत कार्यों में रुकावट आई और सात लोग लापता हैं।

कुएं में विषाक्त गैस से चार की गई जान

चंडीगढ़। हरियाणा के झज्जर जिले में एक बछड़े को बचाने के लिए बंद पड़े कुएं में उतरे चार लोगों की मौत हो गई। पुलिस को संदेह है कि विषाक्त गैस की वजह से उनकी मौत हुई। मरने वालों की पहचान स्थानीय निवासी मोनू, दलबीर एवं नरेंद्र और एक प्रवासी मजदूर रामू के तौर पर हुई है। घटना रविवार शाम मुनीमपुर गांव में हुई। एक बछड़ा करीब 40 से 50 साल पुराने, बंद पड़े कुएं में गिर गया था। पशु को बचाने के लिए दो लोग कुएं में उतरे। जब वे बाहर नहीं आए, तो दो और लोग कुएं में उतरे, लेकिन वे भी बाहर नहीं निकल पाए। इसके बाद बचाव अभियान चलाया गया और उन्हें अस्पताल ले जाया गया, जहां उन्हें मृत घोषित कर दिया गया। उन्होंने बताया कि इस घटना में बछड़ा भी मृत पाया गया।

राजमार्ग यात्रा मोबाइल ऐप से पास, महीने भर असीमित यात्रा

टोल प्लाजा के 20 किमी के दायरे में रहने वालों की मौज!

नई दिल्ली। टोल प्लाजा के 20 किलोमीटर के दायरे में रहने वाले स्थानीय निवासी अब 'राजमार्गयात्रा' मोबाइल ऐप के माध्यम से डिजिटल रूप से 'लोकल पास' खरीद सकते हैं। इस पास की मदद से वे संबंधित टोल प्लाजा से महीने भर असीमित यात्रा कर सकेंगे। भारतीय राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण (एनएचएआई) ने सोमवार को यह जानकारी दी। एनएचएआई ने बयान में कहा कि पहले यात्रियों को पात्रता साबित करने के लिए टोल प्लाजा पर जाकर दस्तावेज जमा कराने पड़ते थे, लेकिन नई डिजिटल व्यवस्था के तहत यह पूरी प्रक्रिया कुछ ही मिनट में ऑनलाइन पूरी की जा सकती है। प्राधिकरण ने बताया कि नए शुरू किए गए 'लोकल पास'

फीचर के तहत पात्र यात्री टोल प्लाजा पर जाए बिना 'राजमार्गयात्रा' मोबाइल ऐप के माध्यम से डिजिटल टोल पास खरीद सकते हैं। बयान के अनुसार, डिजिटल स्थानीय टोल पास की पहली सुविधा दिल्ली के अर्बन एक्सटेंशन रोड-2 (यूईआर-2) स्थित मुंडका-बक्करवाला टोल प्लाजा पर शुरू की गई है। आने वाले महीनों में इसे देशभर के अन्य टोल प्लाजा पर भी लागू किया जाएगा।

'मार्ग मित्र' सहायता केंद्र

राष्ट्रीय राजमार्ग उपयोगकर्ताओं के लिए सेवाओं को और बेहतर बनाने के उद्देश्य से एनएचएआई ने 'मार्ग मित्र' सहायता केंद्र भी शुरू किया है। इस मंच को 'राजमार्गयात्रा' मोबाइल ऐप में ही एकीकृत किया गया है। एनएचएआई के अनुसार, राष्ट्रीय राजमार्ग उपयोगकर्ताओं के लिए एकल खिड़की मंच के रूप में विकसित 'मार्ग मित्र' यात्रियों को जानकारी प्राप्त करने, सहायता मांगने और शिकायत दर्ज कराने की सुविधा देगा।

22 भारतीय भाषाओं में शिकायत

बयान में कहा उपयोगकर्ता 22 भारतीय भाषाओं में अपनी शिकायत, सुझाव या सवाल लिख या बोलकर दर्ज करा सकते हैं। मंच उन्हें संबंधित जानकारी उपलब्ध कराएगा या उपयुक्त सेवा तक पहुंचने में सहायता करेगा। सहायता केंद्र फास्टैग रिचार्ज, केवाईसी आवश्यकताओं, रिफंड की स्थिति, वार्षिक और स्थानीय पास सेवाओं सहित अन्य सामान्य सवालों पर तत्काल सहायता उपलब्ध कराएगा।

हाईवे सफर होगा और आसान

राजमार्गयात्रा' एप के जरिए यात्री फास्टैग ब्लैकलिस्ट स्टेटस भी देख सकेंगे, लंबित ई-नोटिस की जानकारी ले सकेंगे और सड़क पर खराब वाहन, अतिक्रमण या अन्य सुरक्षा संबंधी समस्याओं की रिपोर्ट भी कर सकेंगे। एनएचएआई का मानना है कि इन नई डिजिटल सुविधाओं से राष्ट्रीय राजमार्गों पर सफर पहले से अधिक आसान, सुरक्षित और सुविधाजनक होगा।

ANJANEYA UNIVERSITY

SHAPING TOMORROW'S LEADERS

Admissions Open 26-27

ACCREDITATION & RECOGNITION

- THE UNIVERSITY GRANTS COMMISSION (UGC)
- ALL INDIA COUNCIL FOR TECHNICAL EDUCATION
- BAR COUNCIL OF INDIA
- MINISTRY OF EDUCATION GOVERNMENT OF INDIA
- CONFEDERATION OF INDIAN INDUSTRY
- STATE COUNCIL OF EDUCATIONAL RESEARCH & TRAINING
- PRADHAN MANTRI KAUSHAL VIKAS YOJANA
- PHARMACY COUNCIL OF INDIA
- DEEN DAYAL UPADHYAYA GRAMEEN KAUSHALYA YOJANA
- SKILL INDIA
- NATIONAL COUNCIL FOR TEACHER EDUCATION
- NATIONAL SKILL DEVELOPMENT CORPORATION

OUR DIVERSE PROGRAMS

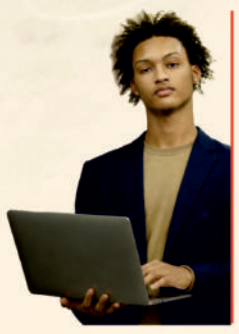

COMPUTER SCIENCE
(BCA, MCA, DCA, PGDCA)
Specialization in
. Digital Marketing & E-commerce
. Code Side Development
. (B.Sc.) Information Technology
. (B.Sc.) Computer Science
. (B.Sc.) Digital Marketing
. Master in Data Science

SCIENCE
(B.Sc., M.Sc.)
. Microbiology | Biochemistry
. Physics | Forensic Sc
. Bioinformatics | Biotechnology
. Chemistry | Botany
. Mathematics | Biology
. Zoology

FORENSIC SCIENCE
(B.Sc., M.Sc)
PG Diploma -
. General Forensic / Foriensic
. Psychology
. Cyber Forensic

ENGINEERING
(B.Tech, M.Tech, Diploma)
(CSE, EEE, ET&T, CIVIL, MECHANICAL)
ALSO Specialization in
. VLSI Design | Infrastructure Management
. Data Science | Cyber Security
. Artificial Intelligence | Machine Learning
. Big Data & Business Analysis | Tool Design
. Mecatronics | Digital Marketting & Ecommerce
. Hydraulic & Water Resource

COMMERCE & MANAGEMENT
(BBA, MBA, B.Com., M.Com.)
. BBA in (Fintech /HR / Marketing / Finance)
. MBA in (HR / Marketing / Finance / Operations
. Dual Specialisation/ Logistic & Supply Chain
.Family Business & Entrepreneurship / Real Estate
. Cyber Security / Data Analytics

FASHION & INTERIOR
(B.Sc., M.Sc, B.Des., M.Des.)
Diploma
. Photography,
. Interior & Fashion Designing
. Jewellery Design

ARTS & HUMANITIES
(BA, MA, BSW, MSW)
Diploma in Dance and Music
Bachelor of Arts & Master of Arts
. Economics | English Lit.
. Geography |Hindi Lit.
. Political Science | Sociology
.Psychology

FILM MAKING
(BA & MA in Film Making)
Diploma
. Film Making | Cinematography
. Film Direcrtion | Screen Writing
. Animation | Visual Effects(VFX)
. Post Production | Film Production

PHARMACY
. Diploma in Pharmacy (D.Pharm.)
. Bachelor in Pharmacy (B.Pharm.)

LAW
.LLM
. LLB
. BA LLB

HOTEL MANAGEMENT
Diploma - Hotel Management /Catering Services/ House Keeping Operations/ Front Office Operations/ Cutlery Management/ Pastry and Culinary Arts/ Food and Beverages/ Bakery and Confectionery

BBA - Hotel Management/ Hotel Administration and Accounting

JOURNALISM & MASS COM.
(BAJMC, MAJMC, PGDJ)
Diploma
. News Reading | Media Studies
. Journalism | Anchoring & Reporting

EDUCATION
(B.Ed., D.EL.D)
MA in Education
BA & MA in Yoga

Industry Exposure & Hands-on Experience
Through collaborations, internships & placement opportunities.

Leadership Development
Training through academicians and industry experts.

Fostering Innovation & Creativity
Encouraging students to think beyond boundaries & explore new ideas

Expert Mentorship & Guidance
Training through academicians and industry experts

Enriching Campus Life
A vibrant campus environment fostering learning, friendships and experiences.

HIGHEST CTC **20 LPA**

AVERAGE CTC **7.4 LPA**

EXCELLENT PLACEMENTS • BRIGHT FUTURES

TOP RECRUITERS

Paytm, PhonePe, wipro, Tech Mahindra, AXIS BANK, BARBEQUE NATION, airtel, IBC24, BYJU'S, ICICI Bank, genpact, SHRIRAM, IndiGo, Babylon Group, GRAND IMPERIA, ITC INFOTECH, JET AIRWAYS, HYATT, MAYFAIR, THE EAST PARK, Le MERIDIEN, JINDAL STEEL & POWER, TAJ, Domino's, MARRIOTT, sodexo

RECENT PLACEMENTS

Name	Course
Keshav Agrawal	MBA
Sauraj Sao	MBA
Devesh Nande	MBA
Yogendra Verma	MBA
Vivek Sahu	CIVIL
Sanju Kumar Sharma	EEE
Ujjwal Verma	EEE
Aditya Bhalerao	EEE
Shiva Sahu	CIVIL
Mahendra Rathod	EEE
Sheetal Paswan	MBA
Mahendra Manikpuri	MBA
Gayatri Dhiwar	M.COM

SHRIRAM Finance · Subros · IDFC FIRST Bank

ADMISSION ENQUIRY **88967 96788**
88897 22225

MAIN CAMPUS : KNOWLEDGE VILLAGE NARDAHA, NEAR OLD VIDHAN SABHA, RAIPUR

SUNDAY OPEN

ADMISSION OPEN 2026-27

SCAN & APPLY NOW

#Rajesh

बिलासपुर
मंगलवार 21 जुलाई 2026
आषाढ़, शुक्ल पक्ष अष्टमी
वर्ष : 26, अंक : 120
पृष्ठ : 10+6+8 = 24 मूल्य : 5.00***

मौसम
अधि. 36.8
न्यून. 21.3

हरिभूमि
छत्तीसगढ़, मध्यप्रदेश, हरियाणा व दिल्ली से एक साथ प्रकाशित
समाचार ही नहीं, विचार भी
haribhoomi.com

मनियारी नदी उफान पर, वनांचल के 19 गांवों का सम्पर्क टूटा

कारीडोंगरी पुलिया पर बह रहा 2 फीट पानी लोरमी। वनांचल में अनवरत बारिस से मनियारी नदी उफान पर है। नदी पर निर्मित राजीव गांधी खुड़िया बांध अपनी क्षमता से अधिक भर चुका है जिससे लगभग साढ़े तीन फीट 3600 क्यूसेक पानी प्रति सेकेंड वेस्टवेयर से नदी में बह रहा है। नदी में बाढ़ के कारण कारीडोंगरी पुलिया के ऊपर करीब 2 फीट पानी बह रहा है जिससे वनांचल के 19 गांवों का सड़क संपर्क पूरी तरह कट गया है। मनियारी जलाशय में 75 फीट से अधिक पानी भर चुका है। जलाशय के ऊपरी हिस्से से पानी का तेज बहाव जलाशय में आ रहा है। जिसके चलते जलाशय लबालब हो गया है। एसडीएम अजीत पुजारी ने ग्राम कारीडोंगरी पुल के पास दोनों तरफ से बेरिकेड्स लगवाकर मार्ग को देर रात 12 से बंद करवाया एवं वनविभाग के कर्मचारियों की ड्यूटी लगाई है।

बांधों ने बांधी आस, अभी से लबालब, मनियारी 100, खारंग में 87 फीसदी पानी, पिछले साल से ज्यादा हो गया जलभराव

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रायपुर

हरिभूमि खास

छत्तीसगढ़ में हालांकि इस साल मानसून की सक्रियता देर से आई है, बारिश का पैर्टन भी जिलों में अलग-अलग तरह का रहा है, कहीं भयंकर बारिश कही जरूरत से भी कम, लेकिन इस बीच जुलाई के दूसरे तीसरे हफ्ते में अच्छी बारिश होने तथा बड़े बांधों, जलाशयों के कैचमेंट एरिया में अनुकूल बारिश होने से राज्य के बांधों, जलाशयों में जल भराव की स्थिति संतोषजनक हो गई है। जल संसाधन विभाग के रिजर्वायर डाटा विश्लेषण के मुताबिक पिछले साल की स्थिति में इस साल बांधों में अधिक पानी है। मुंगेली का मनियारी बांध 100 फीसदी लबालब हो गया है। बिलासपुर के खारंग में 87 फीसदी से अधिक जमा है।

छत्तीसगढ़ में मानसून की ▶▶| शेष पेज 6 पर

कुछ प्रमुख जलाशय अब भी पीछे

सभी जलाशयों की स्थिति समान नहीं है। तांदुला जलाशय में इस समय केवल 43.93 प्रतिशत क्षमता तक पानी है, जबकि पिछले वर्ष इसी अवधि में यह लगभग 30 प्रतिशत के आसपास था। सुधार तो हुआ है, लेकिन यह अभी भी पूर्ण क्षमता से काफी दूर है। इसी तरह कुछ अन्य बड़े जलाशयों में भी जलस्तर बढ़ा है, लेकिन सिंचाई सीजन की आवश्यकताओं को देखते हुए उन्हें और वर्षा की जरूरत होगी।

■ मध्यम और लघु जलाशयों में भी सुधार, कुछ प्रमुख बांध अब भी सामान्य से पीछे

अच्छी बारिश का असर

जल संसाधन विभाग की रिपोर्ट के अनुसार अधिकांश जलाशयों के कैचमेंट क्षेत्रों में अच्छी वर्षा दर्ज की गई है। कई बांधों के जलग्रहण क्षेत्रों में एक जून से अब तक सैकड़ों मिलीमीटर बारिश रिकॉर्ड की गई है, जिससे जलाशयों में लगातार आवक बनी हुई है। कुछ बांधों से नियंत्रित मात्रा में सिंचाई और अन्य जरूरतों के लिए पानी भी छोड़ा जा रहा है।

inh 24x7
छत्तीसगढ़ एवं मध्यप्रदेश का सर्वाधिक लोकप्रिय चैनल देखें
TATA PLAY चैनल नं. 1155 | airtel चैनल नं. 366

खबर संक्षेप

पुरी जगन्नाथ मंदिर के रत्न भंडार का विशेष सर्वेक्षण

पुरी। पुरी के श्री जगन्नाथ मंदिर के प्राधिकारियों ने भगवान जगन्नाथ, उनके बड़े भाई बलभद्र और बहन देवी सुभद्रा की वार्षिक रथयात्रा के बीच रत्न भंडार का विशेष सर्वेक्षण किया। ओडिशा सरकार द्वारा अनुमोदित मानक संचालन प्रक्रिया के तहत यह प्रक्रिया रविवार को संपन्न कराई गई।

कार और ट्रक की टक्कर में पांच लोगों की मौत

वर्धा। महाराष्ट्र के वर्धा जिले में समृद्धि एक्सप्रेसवे पर सोमवार तड़के एक कार और ट्रक की टक्कर में पांच लोगों की मौत हो गई। यह दुर्घटना तड़के करीब तीन बजे विरुल गांव के पास हुई। एथनॉल ले जा रहा एक कंटेनर ट्रक एक्सप्रेसवे पर पलट गया, जिससे मुंबई से नागपुर जाने वाले मार्ग पर यातायात पूरी तरह से ठप हो गया। इसके बाद, उसी स्थान पर एक ट्रक ने एक कार को पीछे से टक्कर मार दी। इस घटना में पांच लोगों की मौत हो गई।

विद्यादान ट्रस्ट को एक करोड़ का दान

तिरुपति। विजयवाड़ा के श्रद्धालु तिरुमला कुमार कनकमेदला ने सोमवार को तिरुमला तिरुपति देवस्थानम (टीटीडी) के श्री वेंकटेश्वर विद्यादान ट्रस्ट को एक करोड़ रुपए का दान दिया। श्री वेंकटेश्वर विद्यादान ट्रस्ट आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग के मेधावी विद्यार्थियों को छात्रवृत्ति प्रदान करता है। कनकमेदला ने टीटीडी के श्री वेंकटेश्वर विद्यादान ट्रस्ट को एक करोड़ रुपये का दान दिया। कनकमेदला ने श्री वेंकटेश्वर मंदिर परिसर स्थित रंगनायकुला मंडपम में मंदिर निकाय के उप कार्यकारी अधिकारी लोकनाथम को दान राशि का डिमांड ड्राफ्ट सौंपा। तिरुमला तिरुपति देवस्थानम विश्व प्रसिद्ध श्री वेंकटेश्वर स्वामी मंदिर का आधिकारिक तौर पर प्रबंधन करता है।

अमेरिका के उपराष्ट्रपति वेंस चौथी बार बने पिता

वाशिंगटन। अमेरिका के उपराष्ट्रपति जेडी वेंस और उनकी पत्नी उषा वेंस चौथी बार माता-पिता बने हैं। खास बात यह है कि 150 से अधिक वर्षों में पहली बार किसी पदस्थ अमेरिकी उपराष्ट्रपति के घर बच्चे का जन्म हुआ है। रविवार को जन्मे एलेक नील वेंस के बड़े भाई-बहनों में नौ वर्षीय इवान, छह वर्षीय विवेक और चार वर्षीय मिराबेल शामिल हैं। जेडी वेंस ने सोशल मीडिया पर पत्नी उषा वेंस के साथ संयुक्त बयान जारी कर बेटे के जन्म की जानकारी साझा की। हमें यह बताते हुए बेहद खुशी हो रही है कि हमारे घर एक बेटे का जन्म हुआ है। जिसका नाम एलेक नील वेंस रखा गया है। उषा और नवजात दोनों पूरी तरह स्वस्थ हैं और हमारे तीनों बच्चे अपने छोटे भाई के स्वागत को लेकर बेहद उत्साहित हैं।

मानसून सत्र की हंगामेदार शुरुआत, विपक्षी दलों ने बैनर-पोस्टर के साथ की नारेबाजी

पेपरलीक, चढ़ावा चोरी ने किया संसद ठप, न प्रश्नकाल हुआ और न शून्यकाल

हरिभूमि न्यूज ▶▶| नई दिल्ली

नीट पेपर लीक को लेकर केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान के इस्तीफे की मांग के साथ किए जा रहे कॉकरोच जनता पार्टी (सीजेपी) के विरोध-प्रदर्शन की गूंज सोमवार को मानसून सत्र के पहले दिन संसद में भी जोरदार अंदाज में सुनाई दी। लोकसभा और में इस मामले और राम मंदिर चंदा चोरी सहित कुछ अन्य मुद्दों को लेकर कांग्रेस की अगुवाई में विपक्षी दलों ने बैनर-पोस्टर के साथ अध्यक्ष के आसन के समीप आकर जमकर हंगामा और नारेबाजी की। जिसकी वजह से सदन में प्रश्नकाल और शून्यकाल दोनों बाधित हुए।

सुबह 11 बजे से लेकर दोपहर 3 बजे तक कुल 6 बार लोकसभा की कार्रवाई स्थगित हुई। जिसके बाद दिनभर के लिए यानी मंगलवार सुबह 11 बजे तक के लिए कार्रवाई को स्थगित कर दिया गया।लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला ने सदन की कार्रवाई का आगाज कतर के पूर्व अमीर शेख हमद बिन खलीफा अल थानी और कुछ अन्य लोगों के निधन को लेकर उन्हें श्रद्धांजलि देने के साथ किया। दिवंगत आत्माओं के सम्मान में दो मिनट के मौन के साथ पूरा सदन खड़ा हुआ। इस दौरान प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी भी लोकसभा में उपस्थित रहे। श्रद्धांजलि के तुरंत बाद उक्त मुद्दों पर विपक्षी दलों का हंगामा और नारेबाजी एक बार फिर से शुरू हो गई। जिसे देखते हुए कार्रवाई को दोपहर 12 बजे तक के लिए स्थगित कर दिया गया।

विपक्षी दलों का हंगामा, नहीं चली दोनों सदनों की कार्रवाई

हंगामे में पेश हुआ यह विधेयक

एक बार के स्थगन के बाद 12 बजे कार्रवाई की शुरुआत शोरशराबे के साथ हुई। विपक्षी सांसदों के रुख में कोई परिवर्तन नहीं आया और वह अध्यक्ष के आसन के समीप आकर नारेबाजी करने लगे। इस बीच पीठासीन सभापति दिलीप सैकिया ने जरूरी कागजात सदन के पटल पर रखवाना शुरू किया।

सभी मुद्दों पर चर्चा को तैयार सरकार

पीठासीन सभापति दिलीप सैकिया ने विपक्षी सांसदों को चेतावनी देते हुए कहा कि बार-बार समझाने के बाद भी उनका इस तरह से लोकसभा में हंगामा करने का व्यवहार ठीक नहीं है। मानसून सत्र के पहले दिन आज प्रश्नकाल नहीं हुआ और अब विपक्ष की यह कोशिश है कि शून्यकाल भी न हो।

लोकसभा में बाढ़ के मुद्दे पर करें चर्चा

सैकिया ने कहा, विपक्ष जिस मौके पर सदन में शोरशराबा कर रहा है। ठीक उसी दौरान देश के कई भागों में आई भीषण बाढ़ से हालत बेहद तनावपूर्ण बने हुए हैं। पूर्वोत्तर भारत के कई इलाके भी बुरी तरह से इसकी चपेट में है। खासकर नागालैंड, असम में भी बाढ़ ने कहर बरपाया हुआ है।

पीएम मोदी बोले-तर्क और तथ्यों के आधार पर चर्चा की उम्मीद

संसद के मानसून सत्र की शुरुआत से पहले संवाददाताओं को संबोधित करते हुए प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने कहा कि यदि सदन में चर्चा तर्क और तथ्यों के आधार पर होगी तो न तो हंगामे की जरूरत पड़ेगी और न ही ऊंची आवाज में बोलने की आवश्यकता होगी। प्रधानमंत्री ने पश्चिम एशिया में जारी संघर्ष के भारत पर पड़े प्रभाव और देश के तेजी से विकसित हो रहे अंतरिक्ष क्षेत्र का भी उल्लेख किया।

संसद में कांग्रेस का तीखा हमला

कांग्रेस अध्यक्ष और राज्यसभा में नेता प्रतिपक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने सरकार पर छात्रों की आवाज दबाने का आरोप लगाते हुए कहा कि यह केवल राजनीतिक मुद्दा नहीं, बल्कि देश के लाखों छात्रों के भविष्य से जुड़ा गंभीर मामला है। वहीं कांग्रेस महासचिव और वायनाड सांसद प्रियंका गांधी वाड्रा ने देश की शिक्षा व्यवस्था, बार-बार होने वाले पेपर लीक और नीट परीक्षा में कथित गड़बड़ियों पर संसद में विस्तृत चर्चा कराने की मांग की।

चार पंडरिया सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में भर्ती

कस्तूरबा छात्रावास में 13 छात्राओं को फूड पॉइजनिंग

हरिभूमि न्यूज ▶▶| कवर्धा

जिले के पंडरिया विकासखंड अंतर्गत ग्राम दुल्लापुर बाजार स्थित कस्तूरबा गांधी कन्या छात्रावास में सोमवार को 13 छात्राएं फूड पॉइजनिंग का शिकार हो गई। छात्राओं ने पेट दर्द, उल्टी और दस्त की शिकायत की। छात्रावास प्रबंधन ने तत्काल स्वास्थ्य विभाग को सूचना देकर उपचार की व्यवस्था कराई। छात्राओं की तबीयत बिगड़ने की सूचना मिलते ही प्रभारी अधीक्षक ने सभी प्रभावित छात्राओं को तत्काल नजदीकी प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र पहुंचाया। चिकित्सकीय जांच के बाद चार छात्रा कक्षा 9 वीं की प्राची कुई, कक्षा 9 वीं कोयल पात्रे करपी कला, कक्षा 8 वीं की अंजू मेरावी कमराखोल, कक्षा 9 वीं की रामेश्वरी महीडबरा निवासी की स्थिति को देखते हुए उन्हें बेहतर उपचार के लिए सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र पंडरिया रेफर कर भर्ती कराया गया।अन्य छात्राओं का प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र में उपचार किया जा रहा है। प्रारंभिक जांच में मामला ▶▶| शेष पेज 5 पर

■ स्वास्थ्य विभाग ने शुरू की जांच

सभी बच्चों की हालात सामान्य

कुल 13 बच्चे प्रभावित हुए थे। जिसमें से चार को सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र पंडरिया भेजा गया है। 9 बच्चे दुल्लापुर उप स्वास्थ्य केन्द्र में भर्ती हैं। प्रभावित बच्चों की निगरानी रखी जा रही है। सभी बच्चों की हालात सामान्य है।
-राकेश कुमार प्रेमी, बीएमओ पंडरिया

आने वाला समय एआई का, प्रदेश के नौ हजार स्कूलों में बनेंगे स्मार्ट क्लास

सीएम साय राज्य स्तरीय शाला प्रवेशोत्सव में हुए शामिल

दुर्ग। दुर्ग के जामगांव एम स्वामी आत्मानंद शासकीय उत्कृष्ट अंग्रेजी माध्यम विद्यालय में आयोजित राज्य स्तरीय शाला प्रवेशोत्सव में मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय मुख्य रूप से शामिल हुए। इस दौरान उन्होंने कहा कि आने वाला समय आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस है। इसे ध्यान रखते हुए प्रदेश के करीब 9 हजार स्कूलों में स्मार्ट क्लास तैयार किया जाएगा। ▶▶| शेष पेज 5 पर

सुप्रीम कोर्ट का आदेश

राम मंदिर चढ़ावा मामले में बनेगी एक और एसआईटी

नई दिल्ली। श्रीराम जन्मभूमि मंदिर चढ़ावा चोरी मामले में सोमवार को सुप्रीम कोर्ट में सुनवाई हुई। सुनवाई के दौरान अदालत ने मामले की निष्पक्ष जांच सुनिश्चित करने के लिए वरिष्ठ अधिकारियों की एक नई विशेष जांच टीम गठित करने के संकेत दिए। कोर्ट ने कहा कि नई एसआईटी में पहले से जांच कर रहे अधिकारियों को भी शामिल किया जा सकता है। सुनवाई के दौरान उत्तर प्रदेश सरकार की ओर से पेश सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता ने बताया कि वरिष्ठ आईएएस अधिकारी के नेतृत्व में जांच कराई गई है और उसकी स्टेटस रिपोर्ट अदालत में दाखिल कर दी गई है। एसआईटी की जांच के आधार पर पुलिस ने एफआईआर दर्ज की है और अब तक आठ आरोपियों को गिरफ्तार किया जा चुका है। हालांकि उन्होंने कहा कि मामले की संवेदनशीलता को देखते हुए खुली अदालत में विस्तृत जानकारी साझा करना उचित नहीं होगा।

तीन-चार दिन बाद दोबारा सुनवाई- सीजेआई ने कहा कि अदालत तीन-चार दिन बाद मामले पर दोबारा सुनवाई करेगी। उन्होंने सुझाव दिया कि वरिष्ठ अधिकारियों की नई एसआईटी बनाई जाए, जिसमें पहले से जांच कर रहे अधिकारी भी शामिल हों। इस पर सॉलिसिटर जनरल ने उत्तर प्रदेश सरकार की ओर से अदालत को भरोसा दिलाया कि सरकार ऐसा करने के लिए तैयार है।

जलवायु संकट और युद्ध की मार से विश्व धरोहरें संकट में, यूनेस्को ने जताई गहरी चिंता

मार्गदर्शिका का उद्देश्य धरोहरों पर मंडराते खतरे से बचाव करना | नकारात्मकता से दूर रहकर सकारात्मक संरक्षण प्रयासों पर ध्यान केंद्रित करना

एजेंसी ▶▶| बुसान

यूनेस्को ने जलवायु परिवर्तन और बढ़ते संघर्ष के बीच वैश्विक धरोहरों पर मंडराते खतरे का उल्लेख किया।

■ विश्व धरोहर समिति के 48वें सत्र के दौरान वैश्विक जागरूकता दिया जोर

शीर्ष अधिकारियों ने सोमवार को जलवायु परिवर्तन और सशस्त्र संघर्षों से विश्व की सांस्कृतिक एवं प्राकृतिक धरोहरों को लेकर 'वैश्विक जागरूकता' और सामूहिक स्तर पर निवारक उपायों की तत्काल आवश्यकता पर जोर दिया। दक्षिण कोरिया के दक्षिण-पूर्वी शहर बुसान में आयोजित वर्ल्ड हेरिटेज कमेटी (विश्व धरोहर समिति) के 48वें सत्र के दौरान आयोजित प्रेस वार्ता में यूनेस्को के संस्कृति मामलों के सहायक महानिदेशक नायेफ अल-फायेज ने कहा कि विश्व धरोहर स्थलों का लगातार हो रहा विनाश पूरी वैश्विक समुदाय पर मिलकर समाधान खोजने की बड़ी जिम्मेदारी डालता है।

धरोहरों का सही तरीके से संरक्षण और रखरखाव हो: अल-फायेज

नायेफ अल-फायेज ने कहा कि प्राकृतिक आपदाओं या संघर्षों के बाद मरम्मत करने के बजाय पहले से रोकथाम के उपायों को प्राथमिकता दी जानी चाहिए। उनके अनुसार, भौतिक क्षति की भरपाई कई बार संभव होती है, लेकिन प्रभावित समाजों को होने वाली मानसिक और सांस्कृतिक क्षति की भरपाई करना बेहद कठिन होता है। इस जिम्मेदारी को निभाना केवल सरकारों का काम नहीं है। हम सभी को मिलकर यह सुनिश्चित करना होगा कि इन अमूल्य धरोहरों का सही तरीके से संरक्षण और रखरखाव हो। यूनेस्को विश्व धरोहर केंद्र के निदेशक लाजारे एलाउंडू असोमो ने भी इस चिंता को दोहराते हुए कहा कि वैश्विक धरोहरें इस समय अभूतपूर्व दबाव का सामना कर रही हैं। उन्होंने बताया कि इन धरोहरों के सामने कई परस्पर जुड़े खतरे हैं।

विश्व धरोहर पर बुसान घोषणा को अपनाया

सोमवार को समिति ने सर्वसम्मति से बुसान डेक्लरेशन ऑन वर्ल्ड हेरिटेज' (विश्व धरोहर पर बुसान घोषणा) को अपनाया, जिसमें दुनिया भर की सांस्कृतिक और प्राकृतिक धरोहरों पर बढ़ते खतरों से निपटने के लिए अंतरराष्ट्रीय सहयोग को और मजबूत करने का आह्वान किया गया। असोमो ने इस घोषणा को समिति का एक स्पष्ट और सशक्त संदेश बताते हुए कहा कि हमें धरोहरों की रक्षा के प्रयासों को रोकना नहीं चाहिए, बल्कि उन्हें और अधिक मजबूत करना चाहिए। विश्व धरोहर समिति का इस वर्ष का सत्र सोमवार को औपचारिक रूप से शुरू हुआ। उद्घाटन समारोह रविवार को आयोजित किया गया था।

डेंगू के चारों स्ट्रेन पर भारी पड़ेगी 'क्यूडेंगा'

भारत को मिली अपनी पहली डेंगू वैक्सीन

हरिभूमि न्यूज ▶▶| नई दिल्ली

बारिश का मौसम आते ही हम भारतीयों को सबसे ज्यादा डर मच्छरों और उनसे होने वाले डेंगू का सताता है, लेकिन अब इस खौफ को अलविदा कहने का वक्त आ गया है। भारतीय दवा नियामक ने देश की पहली डेंगू वैक्सीन 'क्यूडेंगा' के इस्तेमाल को आधिकारिक तौर पर हरी झंडी दिखा दी है। यह स्वास्थ्य के क्षेत्र में भारत के लिए एक बहुत बड़ी कामयाबी मानी जा रही है। आइए, डिटेल में इस वैक्सीन से जुड़ी हर जरूरी बात को समझते हैं।

'क्यूडेंगा' (टीएके-003) असल में जापानी कंपनी 'टाकेडा' की खोज है। हमारे लिए सबसे बड़ी राहत की बात यह है कि 'मेक इन इंडिया' के तहत इसका बड़े पैमाने पर उत्पादन देश में ही होगा।

इसके लिए टाकेडा ने हैदराबाद की जानी-मानी फार्मा कंपनी 'बायोलॉजिकल ई' के साथ करार किया है। भारत में ही बनने की वजह से इसकी सप्लाई तेज और बिना किसी रुकावट के होगी। अभी इसकी पक्की कीमत का ऐलान होना बाकी है, लेकिन क्योंकि यह हमारे अपने देश में ही बनेगी, इसलिए उम्मीद जताई जा रही है कि यह आम लोगों की जेब पर ज्यादा भारी नहीं पड़ेगी। बाजार में लॉन्च होने के बाद, एहतियात के तौर पर शुरुआती 6 महीनों तक लोगों पर इसके असर की पूरी निगरानी भी की जाएगी।

आखिर यह इतनी खास क्यों

डेंगू के चार अलग-अलग स्ट्रेन होते हैं। यह एक 'टेट्रावेलेंट' वैक्सीन है, जिसका सीधा-सा मतलब है कि यह डेंगू के इन चारों रूपों से डटकर मुकाबला कर सकती है। पहले कुछ वैक्सीन्स के साथ यह शर्त होती थी कि वे केवल उन्हीं को लगाई जा सकती हैं, जिन्हें जिंदगी में कम से कम एक बार डेंगू हो चुका हो, लेकिन क्यूडेंगा के साथ ऐसा बिल्कुल नहीं है। अगर आपको पहले कभी डेंगू नहीं हुआ है, तब भी यह वैक्सीन पूरी तरह सुरक्षित और असरदार है।

किसे लगेगी और कैसे दी जाएगी

गाइडलाइंस के मुताबिक, 4 साल के छोटे बच्चों से लेकर 60 साल तक के वयस्कों को यह वैक्सीन लगाई जा सकती है। इसके कुल दो डोज लगाए जाते हैं। पहला इंजेक्शन लगने के ठीक 3 महीने बाद इसका दूसरा डोज दिया जाएगा। इसे सबकटेनियस इंजेक्शन के रूप में बांह में लगाया जाता है।

साइड इफेक्ट्स

दुनिया के 40 से ज्यादा देशों में इस्तेमाल हो रही इस वैक्सीन को विश्व स्वास्थ्य संगठन से भी मान्यता मिल चुकी है। किसी भी अन्य आम टीके की तरह, इससे घबराने की कोई बात नहीं है। इसके साइड इफेक्ट्स बहुत ही मामूली हैं। इंजेक्शन लगने के बाद आपको हल्का बुखार आ सकता है, सिरदर्द हो सकता है या फिर सुई वाली जगह पर थोड़ा दर्द और सूजन महसूस हो सकती है। गंभीर मामले बेहद दुर्लभ हैं।

चिंतन

वार्ता से ही निकलेगा सुलह का रास्ता

परीक्षाओं में कथित धांधली के विरोध में कॉकरोच जनता पार्टी (सीजेपी) और छात्रों के 'चलो संसद' मार्च के दौरान पैदा हुए तनाव के बाद जिस प्रकार केंद्र सरकार ने बातचीत की पहल की और केंद्रीय मंत्री जे.पी. नड्डा के साथ प्रतिनिधिमंडल की वार्ता हुई, उसके बाद अभिजीत दीपके द्वारा अनशन समाप्त करने का निर्णय एक सकारात्मक संकेत माना जा सकता है।नड्डा ने प्रदर्शनकारी प्रतिनिधियों से उनकी मांगों पर चर्चा की। बातचीत में सोनम वांगचुक की रिहाई, केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान के इस्तीफे की मांग सहित परीक्षा प्रणाली में सुधार जैसे मुद्दे उठाए गए। यह पहल संकेत देती है कि लंबे गतिरोध का समाधान टकराव के बजाय संवाद और सहमति के माध्यम से तलाशने की कोशिश की जा रही है। हालांकि यह भी सच है कि हा मुद्दे का समाधान वार्ता से ही निकलता है। लोकतंत्र की सबसे बड़ी विशेषता यही है कि यहां नागरिकों को अपनी बात रखने, सरकार से सवाल पूछने और अपनी मांगों को शांतिपूर्ण ढंग से उठाने का संवैधानिक अधिकार है। यही अधिकार लोकतांत्रिक व्यवस्था को जीवंत बनाते हैं। दूसरी ओर, सरकार और प्रशासन की जिम्मेदारी कानून-व्यवस्था बनाए रखने तथा सार्वजनिक सुरक्षा सुनिश्चित करने की होती है। इसलिए जब भी किसी आंदोलन और प्रशासन के बीच टकराव की स्थिति बनती है, तब दोनों पक्षों से संयम और जिम्मेदारी की अपेक्षा की जाती है। सरकार द्वारा प्रतिनिधिमंडल को वार्ता के लिए आमंत्रित करना और आंदोलनकारियों द्वारा बातचीत का रास्ता स्वीकार करना इस दिशा में एक सकारात्मक शुरुआत है। इससे यह संदेश जाता है कि लोकतंत्र में असहमति के बावजूद संवाद के द्वार कभी बंद नहीं होने चाहिए। यदि दोनों पक्ष पूर्वाग्रह छोड़कर समाधान की भावना से आगे बढ़ें तो कई ऐसे विवाद भी सुलझ सकते हैं जो सड़क पर लंबे गतिरोध का कारण बन जाते हैं। अब आवश्यकता केवल आश्वासन तक सीमित रहने की नहीं है। सरकार को परीक्षा प्रणाली को अधिक सुरक्षित, पारदर्शी और जवाबदेह बनाने के लिए ठोस सुधार लागू करने होंगे। वहीं आंदोलन का नेतृत्व कर रहे युवाओं और आयोजकों को भी यह सुनिश्चित करना होगा कि उनकी आवाज रचनात्मक सुझावों के साथ आगे बढ़े और आंदोलन का स्वरूप शांतिपूर्ण एवं लोकतांत्रिक बना रहे। इससे उनकी मांगों को अधिक व्यापक समर्थन भी मिलेगा और समाधान की संभावनाएं भी मजबूत होंगी। किसी भी लोकतांत्रिक व्यवस्था में शांतिपूर्ण प्रदर्शन नागरिकों का संवैधानिक अधिकार है। वहीं, कानून-व्यवस्था बनाए रखना प्रशासन की जिम्मेदारी है। लोकतंत्र में हिंसा का कोई स्थान नहीं होना चाहिए। सभी मसलों को मिल बैठकर सुलझाना ही प्राथमिकता होना चाहिए। वहीं, विपक्ष का दायित्व केवल सरकार की आलोचना करना नहीं, बल्कि जनहित के मुद्दों पर रचनात्मक सुझाव देना और समाधान की दिशा में सहयोग करना भी है। शिक्षा जैसे संवेदनशील विषय को राजनीतिक प्रतिस्पर्धा से ऊपर रखकर देखा जाना चाहिए, क्योंकि इसका सीधा संबंध देश के युवाओं और भविष्य से है। अंततः यह घटनाक्रम एक महत्वपूर्ण सीख देता है कि लोकतांत्रिक व्यवस्था में सड़क पर उतरना नागरिकों का अधिकार है, लेकिन स्थायी समाधान हमेशा संवाद की मेज पर ही निकलता है। टकराव क्षणिक सुर्खियां दे सकता है, पर विश्वास और सहमति केवल बातचीत से ही बनती है।

मुद्दा
कांतिलाल मांडोत

आंदोलन की आड़ में राजनीति अनुचित

परीक्षा में कथित अनियमितताओं को लेकर दिल्ली में आयोजित 'चलो संसद' मार्च ने शिक्षा सुधार के मुद्दे के साथ-साथ आंदोलनों की प्रकृति और उनकी राजनीतिक भूमिका पर भी नई बहस छेड़ दी है। जंतर-मंतर से संसद की ओर बढ़ते प्रदर्शन, पुलिस के साथ टकराव और विपक्षी दलों की सक्रिय मौजूदगी ने यह सवाल खड़ा किया कि क्या यह केवल छात्रों की आवाज थी या फिर राजनीतिक दलों के लिए सरकार को घेरने का अवसर भी। लोकतंत्र में विरोध का अधिकार सर्वोपरि है, लेकिन उसकी विश्वसनीयता तभी बनी रहती है जब वह जनहित, संयम, संवाद और संवैधानिक मर्यादाओं के दायरे में आगे बढ़े।

दिल्ली के जंतर-मंतर से संसद तक निकाले गए तथाकथित चलो संसद मार्च ने एक बार फिर यह सवाल खड़ा कर दिया है कि क्या देश में हर आंदोलन वास्तव में जनहित के लिए होता है या फिर कुछ आंदोलन केवल राजनीतिक उद्देश्य साधने के लिए खड़े किए जाते हैं। सोनम वांगचुक के अनशन और कॉकरोच जनता पार्टी (सीजेपी) के नेतृत्व में आयोजित इस प्रदर्शन को जिस तरह से आम आदमी पार्टी और कांग्रेस के नेताओं ने खुलकर समर्थन दिया, उससे यह आंदोलन एक स्वतंत्र जनआंदोलन कम और विपक्षी दलों के राजनीतिक मंचन का प्रयास अधिक दिखाई दिया। जंतर-मंतर से संसद तक मार्च निकालने की कोशिश के दौरान पुलिस और प्रदर्शनकारियों के बीच टकराव की स्थिति बनी। प्रदर्शनकारियों ने बैरिकेडिंग तोड़ने का प्रयास किया, कई लोग संसद मार्ग की ओर बढ़े और कुछ प्रदर्शनकारी मेट्रो स्टेशनों तक पहुंच गए, जहां नारेबाजी भी हुई। ऐसे समय में जब संसद का सत्र चल रहा हो और राजधानी में सुरक्षा सर्वोच्च प्राथमिकता हो, तब बिना अनुमति संसद की ओर मार्च निकालना स्वाभाविक रूप से कानून-व्यवस्था के लिए चुनौती बन जाता है। शांतिपूर्ण विरोध का अधिकार संविधान देता है, लेकिन उसके साथ कानून का पालन करना भी उतना ही आवश्यक है। लोकतंत्र अधिकार और जिम्मेदारी दोनों के संतुलन पर ही चलता है।

किसी भी लोकतांत्रिक व्यवस्था में सरकार की नीतियों के खिलाफ आवाज उठाना नागरिकों का अधिकार है। लेकिन जब विरोध प्रदर्शन संसद, राष्ट्रपति भवन या अन्य संवेदनशील क्षेत्रों की ओर बढ़ने लगते हैं, तब प्रशासन के सामने सुरक्षा सुनिश्चित करने की चुनौती भी उतनी ही महत्वपूर्ण हो जाती है। इसलिए यह अपेक्षा स्वाभाविक है कि प्रदर्शनकारी और प्रशासन दोनों संयम बरतें। यदि कहीं अनावश्यक बल प्रयोग हुआ है तो उसकी निष्पक्ष जांच होनी चाहिए, वहीं यदि कानून तोड़ने का प्रयास हुआ है तो उसके लिए भी जिम्मेदारी तय होनी चाहिए। इस पूरे घटनाक्रम में सबसे अधिक ध्यान खींचने वाली बात यह रही कि मंच पर और प्रदर्शन में कांग्रेस तथा आम आदमी पार्टी के कई प्रमुख नेता मौजूद रहे। मनीष सिसोदिया, आतिशी, संजय सिंह और अन्य विपक्षी नेताओं की मौजूदगी ने यह संदेश दिया कि आंदोलन अब शिक्षा सुधार की मांग से आगे बढ़कर राजनीतिक रंग ले चुका है। ऐसे में यह सवाल उठना स्वाभाविक है कि यदि यह वास्तव में छात्रों का आंदोलन था तो फिर विपक्षी दलों की इतनी सक्रिय भूमिका क्यों दिखाई दी। लोकतंत्र में राजनीतिक समर्थन असामान्य नहीं है, लेकिन जब किसी आंदोलन की पहचान उसके मूल मुद्दे से अधिक राजनीतिक दलों की उपस्थिति से होने लगे, तो उसके स्वरूप पर चर्चा होना भी स्वाभाविक है। पेपर लीक का मुद्दा निश्चित रूप से गंभीर है और किसी भी परीक्षा में अनियमितता होने पर दोषियों के खिलाफ कठोर कार्रवाई होनी चाहिए। परीक्षा प्रणाली की विश्वसनीयता बनाए रखना सरकार और संबंधित संस्थाओं की जिम्मेदारी है। प्रश्नपत्र लीक होने की घटनाएं लाखों मेहनती छात्रों के भविष्य से जुड़ी होती हैं और ऐसे मामलों में किसी भी प्रकार की लापरवाही स्वीकार नहीं की जा सकती। इसलिए दोषियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई, परीक्षा प्रक्रिया में तकनीकी सुधार और

पारदर्शिता सुनिश्चित करना समय की आवश्यकता है। लेकिन पूरे देश की शिक्षा व्यवस्था को विफल घोषित कर देना या हर परीक्षा को संदेह के घेरे में खड़ा कर देना भी उचित नहीं कहा जा सकता। लाखों विद्यार्थियों ने कठिन परिश्रम के बाद परीक्षाएं दीं और बड़ी संख्या में छात्रों ने उत्कृष्ट अंक प्राप्त कर अपनी मेहनत का प्रमाण दिया।

ऐसे में यह कहना कि पूरी व्यवस्था ध्वस्त हो चुकी है, उन लाखों ईमानदार विद्यार्थियों की मेहनत का भी अपमान माना जा सकता है। सुधार की आवश्यकता स्वीकार करना और पूरे तंत्र को असफल घोषित कर देना दोनों अलग-अलग बातें हैं। कांग्रेस और आम आदमी पार्टी लगातार शिक्षा व्यवस्था पर सवाल उठा रही हैं। विपक्ष का यह अधिकार भी है और लोकतंत्र में उसकी जिम्मेदारी भी। लेकिन यह भी एक तथ्य है कि देश की शिक्षा व्यवस्था का बड़ा हिस्सा दशकों तक उन्हीं सरकारों के अधीन विकसित हुआ, जिनका नेतृत्व कांग्रेस ने किया। यदि आज विपक्ष शिक्षा सुधार की बात करता है तो उसे यह भी बताना चाहिए कि लंबे समय तक सत्ता में रहते हुए उसने कौन-सी ऐसी व्यवस्थाएं विकसित की थीं जो भविष्य की चुनौतियों का समाधान कर सकें। लोकतांत्रिक बहस तब अधिक प्रभावी होती है जब उसमें आत्ममंथन भी शामिल हो। यह भी देखने योग्य है कि इस पूरे आंदोलन में अभिजीत दीपके को प्रमुख चेहरा बनाया गया, जबकि राजनीतिक समर्थन विपक्षी दलों की ओर से प्रमुखता से दिखाई दिया। इससे ऐसी धारणा बनी कि आंदोलन का सामाजिक पक्ष धीरे-धीरे राजनीतिक रणनीति के साथ जुड़ गया। किसी भी जनआंदोलन की सबसे बड़ी ताकत उसकी स्वतंत्रता और विश्वसनीयता होती है। यदि जनता को यह महसूस होने लगे कि आंदोलन किसी राजनीतिक एजेंडे का हिस्सा बन गया है, तो उसके मूल उद्देश्य पर स्वाभाविक रूप से प्रश्न उठने लगते हैं। देश इस समय आधारभूत संरचना, डिजिटल प्रौद्योगिकी, रक्षा, अंतरिक्ष, परिवहन, विनिर्माण और वैश्विक कूटनीति जैसे अनेक क्षेत्रों में तेजी से आगे बढ़ने का दावा कर रहा है। भारत की बढ़ती वैश्विक भूमिका और आर्थिक संभावनाओं पर दुनिया की नजर है। ऐसे समय में सरकार की उपलब्धियों के साथ-साथ उसकी कमियों पर भी चर्चा होनी चाहिए। लेकिन आलोचना तथ्यों, प्रमाणों और रचनात्मक सुझावों पर आधारित होनी चाहिए। केवल राजनीतिक आरोप-प्रत्यारोप से न तो शिक्षा व्यवस्था सुधरेगी और न ही विद्यार्थियों की समस्याओं का समाधान होगा। यह भी आवश्यक है कि सरकार ऐसे आंदोलनों को केवल राजनीतिक चुनौती मानकर खारिज न करे।

यदि छात्रों और युवाओं के बीच किसी विषय को लेकर असंतोष है तो उसके कारणों को समझना और समाधान निकालना भी सरकार की जिम्मेदारी है। संवाद किसी भी लोकतंत्र की सबसे बड़ी शक्ति होता है। जहां संवाद समाप्त होता है, वहीं टकराव शुरू होता है। इसलिए सरकार और प्रदर्शनकारियों—दोनों को संवाद का रास्ता खुला रखना चाहिए। आज जरूरत केवल विरोध या समर्थन की राजनीति करने की नहीं, बल्कि शिक्षा व्यवस्था को अधिक पारदर्शी, सुरक्षित और विश्वसनीय बनाने की है। परीक्षा एजेंसियों की जवाबदेही तय हो, डिजिटल सुरक्षा मजबूत की जाए, पेपर लीक मामलों की समयबद्ध जांच हो और दोषियों को शीघ्र सजा मिले। इससे विद्यार्थियों का भरोसा मजबूत होगा और आंदोलन की आवश्यकता भी कम पड़ेगी। लोकतंत्र में जनता ही अंतिम निर्णायक होती है। वह समय के साथ यह तय करती है कि कौन-सा आंदोलन वास्तविक जनहित से प्रेरित है और कौन-सा राजनीतिक लाभ की संभावना से। शिक्षा सुधार पर गंभीर चर्चा अवश्य होनी चाहिए, लेकिन उसके लिए रचनात्मक संवाद, संस्थागत सुधार और ठोस नीति आवश्यक है, न कि केवल सड़क पर शक्ति प्रदर्शन।

(लेखक स्वतंत्र पत्रकार हैं, ये उनके अपने विचार हैं।)

लेख पर अपनी प्रतिक्रिया **haribhoomi@gmail.com** पर दे सकते हैं।

निर्णायक कदम

महेन्द्र तिवारी

शून्य उत्सर्जन की दिशा में भारतीय रेलवे का सफर

भारतीय रेल नेटवर्क दुनिया के सबसे बड़े और व्यस्ततम रेल नेटवर्कों में से एक है। अपनी स्थापना के समय से लेकर आज तक भारतीय रेलवे ने समय के साथ अपनी तकनीक और कार्यप्रणाली में कई बड़े और परिवर्तनकारी बदलाव किए हैं। कोयले से चलने वाले भाप इंजनों से लेकर डीजल और फिर व्यापक विद्युतीकरण तक का सफर रेलवे की निरंतर तकनीकी प्रगति को दर्शाता है। इसी विकास यात्रा में अब एक और ऐतिहासिक अध्याय जुड़ गया है। भारत ने अपनी पहली हाइड्रोजन ईंधन सेल आधारित ट्रेन का सफलतापूर्वक संचालन शुरू कर दिया है। नमो ग्रीन रेल के नाम से जानी जाने वाली यह अत्याधुनिक ट्रेन हरियाणा के जींद से सोनीपत के बीच पटरियों पर उतरी है। यह केवल एक नई ट्रेन का उद्घाटन मात्र नहीं है बल्कि यह ऊर्जा के स्वच्छ विकल्पों की ओर भारत के एक बड़े और निर्णायक कदम का प्रतीक है। इस ट्रेन का निर्माण रेलवे की चेन्नई स्थित इंटीग्रल कोच फैक्ट्री में किया गया है जो भारत की आत्मनिर्भरता और इंजीनियरिंग क्षमता का उत्कृष्ट उदाहरण पेश करता है। इस ट्रेन के स्वरूप और क्षमता की बात करें तो इसमें दो विशेष रूप से डिजाइन की गई हाइड्रोजन ड्राइविंग पावर कार और आठ वातानुकूलित यात्री कोच शामिल किए गए हैं। अपनी पूरी क्षमता के साथ यह ट्रेन एक बार में लगभग छब्बीस सौ यात्रियों को उनके गंतव्य तक सुरक्षित और सुगमता से पहुंचाने में सक्षम है। गति के मोर्चे पर भी यह ट्रेन काफी उन्नत है। हालांकि इसकी अधिकतम डिजाइन गति एक सौ दस किलोमीटर प्रति घंटा निर्धारित की गई है, लेकिन वर्तमान प्रायोगिक चरण में इसे पचहत्तर किलोमीटर प्रति घंटे की सुरक्षित रफ्तार से संचालित किया जा रहा है। यह हाइड्रोजन ट्रेन अपनी बिजली खुद बनाती है। ट्रेन की छतों या विशेष डिब्बों में उच्च दबाव वाले मजबूत टैंक लगे होते हैं जिनमें हाइड्रोजन गैस सुरक्षित रूप से भरी होती है। यह गैस ट्रेन में लगे अत्याधुनिक फ्यूल सेल के भीतर जाती है। वहां यह गैस वायुमंडल से खींची गई ऑक्सीजन के साथ एक इलेक्ट्रो रासायनिक प्रतिक्रिया करती है। इस पूरी रासायनिक प्रक्रिया के परिणामस्वरूप भारी मात्रा में बिजली पैदा होती है और यही वह बिजली है जो ट्रेन की भारी भरकम मोटरों को चलाकर उसे पटरियों पर आगे बढ़ाती है। इस पूरी प्रक्रिया का सबसे खूबसूरत और पर्यावरण के अनुकूल पहलू यह है कि इसमें कोई हानिकारक धुआं या कार्बन गैस वातावरण में नहीं घुलती है। जींद रेलवे स्टेशन पर इस ट्रेन में गैस भरने के लिए एक विशेष रिफ्यूलिंग स्टेशन बनाया गया है जो इंजीनियरिंग का एक जटिल नमूना है। भविष्य में अगर इन ट्रेनों को पूरे देश में चलाना है तो ऐसे सैकड़ों स्टेशन बनाने होंगे। इसके लिए हरित हाइड्रोजन का उत्पादन बड़े पैमाने पर बढ़ाना होगा और उसे सुरक्षित रूप से देश के कोने कोने तक ले जाने के लिए विशेष टैंकरों की व्यवस्था करनी होगी। भंडारण की पुख्ता व्यवस्था सुनिश्चित किए बिना इस तकनीक का विस्तार संभव नहीं है। जब तक हाइड्रोजन के उत्पादन से लेकर उसके अंतिम वितरण तक का एक सस्ता और सुलभ तंत्र पूरी तरह से विकसित नहीं हो जाता तब तक इस तकनीक का व्यावसायिक रूप से पूरे भारत में विस्तार करना एक बड़ी आर्थिक और व्यावहारिक चुनौती बनी रहेगी। रखरखाव और सुरक्षा के मामले में भी यह नई तकनीक रेलवे के कर्मचारियों के लिए एक बिल्कुल नया अनुभव और चुनौती लेकर आई है। डीजल इंजनों के भारी भरकम यांत्रिक पुर्जों और तेल से अलग इस ट्रेन का रखरखाव मुख्य रूप से इलेक्ट्रॉनिक और रासायनिक प्रणालियों की सटीकता पर निर्भर करता है। हाइड्रोजन गैस बहुत ही अधिक ज्वलनशील होती है इसलिए इसके जरा से भी रिसाव का पता लगाने के लिए ट्रेन के चप्पे चप्पे पर अति संवेदनशील सेंसर लगाए गए हैं। किसी भी आपात स्थिति से निपटने के लिए स्वचालित प्रणालियां स्थापित की गई हैं। इन सब अत्याधुनिक उपकरणों की नियमित जांच और मरम्मत के लिए भारतीय रेलवे को अपने तकनीकी कर्मचारियों और इंजीनियरों को सिरे से नया प्रशिक्षण देना होगा ताकि सुरक्षा मानकों के साथ किसी भी स्तर पर कोई समझौता न हो सके। संक्षेप में कहा जाए तो भारत की पहली हाइड्रोजन ट्रेन केवल धातु और तारों से बनी कोई सामान्य मशीन नहीं है बल्कि यह भविष्य के आत्मनिर्भर भारत की एक स्पष्ट झलक है। जींद और सोनीपत के बीच चल रही यह प्रायोगिक ट्रेन अगर लागत समय की पाबंदी और सुरक्षा के कड़े पैमानों पर पूरी तरह से खरी उतरती है तो आने वाले कुछ ही वर्षों में हम हर कोने में ऐसी ट्रेनें दौड़ते हुए देख सकेंगे। यह न केवल भारतीय रेलवे का चेहरा हमेशा के लिए बदल देगी बल्कि पूरी दुनिया को भी एक स्वच्छ सुरक्षित और टिकाऊ परिवहन का रास्ता दिखाएगी।

(लेखक स्वतंत्र पत्रकार हैं, ये उनके अपने विचार हैं।)

शांति से दुखों को किया जा सकता है खत्म

संकलित
दर्शन

हम स्वयं शांति के सर्वश्रेष्ठ प्रहरी हैं। हमें कोई दूसरा व्यक्ति या वस्तु या स्थान शांति दे सकता है, यह एक काल्पनिक विचार है। हम स्वयं शांति से रह सकते हैं और दूसरों को भी शांतिपूर्वक रख सकते हैं। शांति एक मानवीय गुण तो है ही, लेकिन यह आत्मिक शक्ति है। शांति सभी सुखों की मूल है। इससे सभी वैभव एवं ऐश्वर्य की पूर्ति संभव है। शांति द्वारा सभी दुखों का शमन किया जा सकता है। इससे हर रोग का निदान होता है। शांति का माध्यम सभी समस्याओं का समाधान तैयार करता है। शांति ही देश का निर्माण करती है, वहीं अशांति से देश का पतन आरंभ होता है। शांति और अशांति के बीच समाज, समुदाय, वर्ग, कौम, जाति और संस्थाएं गतिहीन हो जाती हैं। देश की उन्नति, विकास और पुनर्निर्माण के लिए शांति का वातावरण अनिवार्य है। शांति एक शब्द मात्र नहीं है। शांति को मन मंदिर में बसाने वाले लोग देव तुल्य होते हैं। इसलिए स्वयं भी शांति के प्रहरी बनिए और दूसरों को भी शांति दूत बनाइए। यही संसार के मंगल का भेद है। शांति से बड़ी कोई दौलत नहीं है। परिवार में शांति एक वट वृक्ष की तरह है, जिसकी छाया में आनंद की अनुभूति पाई जा सकती है। अशांति कालांतर में अग्नि के समान जीवन के हर अंग को भस्म कर देती है। मानवता का मूल इसी शांति के गर्भ में स्थिर है। यदि जीवन को सुख और वैभव से संपन्न करना हो तो निश्चित ही शांति की पूजा करनी होगी। देश में जन सामान्य को शांति के सूत्र अपनाने चाहिए। सावधानी के साथ प्रेम का व्यवहार शांति के मार्ग को निष्कंटक करेगा।

बल प्रयोग अंतिम विकल्प

संकलित
प्रेरणा

एक चिड़िया का एक दाना पेड़ के कंदरे में कहीं फंस गया था। चिड़िया ने पेड़ से बहुत अनुरोध किया उस दाने को दे देने के लिए लेकिन पेड़ उस छोटी सी चिड़िया की बात भला कहां सुनने वाला था। हार कर चिड़िया बढ़ई के पास गई और उसने उससे अनुरोध किया कि तुम उस पेड़ को काट दो, क्योंकि वो उसका दाना नहीं दे रहा। भला एक दाने के लिए बढ़ई पेड़ कहां काटने वाला था। फिर चिड़िया राजा के पास गई और उसने राजा से कहा कि तुम बढ़ई को सजा दो क्योंकि बढ़ई पेड़ नहीं काट रहा और पेड़ दाना नहीं दे रहा। राजा ने उस नन्हीं चिड़िया को डांट कर भगा दिया कि कहां एक दाने के लिए वो उस तक पहुंच गई है। चिड़िया हार नहीं मानने वाली थी। वो महावत के पास गई कि अगली बार राजा जब हाथी की पीठ पर बैठेगा तो तुम उसे गिरा देना। चिड़िया आखिर में चींटी के पास गई और वही अनुरोध दोहराकर कहा कि तुम हाथी की सूंढ़ में घुस जाओ। चींटी ने चिड़िया से कहा, चल भाग यहां से...बड़ी आई हाथी की सूंढ़ में घुसने को बोलने वाली। अब तक अनुरोध की मुद्रा में रही चिड़िया ने रौद्र रूप धारण कर लिया। उसने चींटी से कहा तुझे तो अपनी चोंच में डाल कर खा ही सकती हूँ। चींटी डर गई...भाग कर राजा के पास पहुंची। राजा ने फौरन बढ़ई को बुलाया उससे कहा कि पेड़ काट दो नहीं तो सजा दूंगा। बढ़ई को देखते ही पेड़ बिलबिला उठा कि मुझे मत काटो। मैं चिड़िया को दाना लौटा दूंगा...! अंत में चिड़िया ने अपना दाना पेड़ से प्राप्त कर लिया और वो खुशी खुशी अपने घोंसले में चली गई।

अंतर्मन

आज की पाती

घुसपैठ पर निर्णायक प्रहार का समय

भारत की सीमाओं की सुरक्षा केवल सैनिकों की जिम्मेदारी नहीं, बल्कि राष्ट्र की संप्रभुता और आंतरिक स्थिरता से जुड़ा सबसे महत्वपूर्ण विषय है। लंबे समय से बांग्लादेश और म्यांमार की सीमाओं से होने वाली अवैध घुसपैठ देश के लिए चिंता का कारण बनी हुई है। यह समस्या केवल अवैध रूप से देश में प्रवेश करने तक सीमित नहीं है, बल्कि इसके साथ फर्जी दस्तावेज, मानव तस्करी, हवाला, नशीले पदार्थों की तस्करी, संगठित अपराध और राष्ट्रविरोधी गतिविधियों का जाल भी जुड़ जाता है। इसलिए इस चुनौती से निपटने के लिए अब आधे-अधूरे नहीं, बल्कि निर्णायक कदम उठाने का समय आ गया है। केंद्र सरकार द्वारा सीमावर्ती क्षेत्रों में जनसांख्यिकीय बदलावों का अध्ययन कराना, सीमा पर बाड़ लगाने की गति तेज करना और घुसपैठ रोकने के उपायों की समीक्षा बढ़िया कदम हैं। - *प्रतीक साहू, दुर्ग*

ट्रेंड

युवा इतिहास रच रहे

युवा आज इतिहास रच रहे हैं। नए स्टार्टअप अंतरिक्ष तक पहुंचे हैं। मुझे बताया गया कि स्काईरूट कंपनी की जिस टीम ने यह कारनामा कर दिखाया है। उनकी औसत उम्र 28 साल है। हालांकि मैं किसी 56 साल के युवा की बात नहीं कर रहा। -**नरेंद्र मोदी,** पीएम

बटुकेश्वर दत्त को नमन

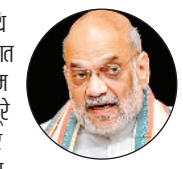

महान स्वाधीनता सेनानी एवं अमर क्रांतिकारी बटुकेश्वर दत्त जी की पुण्यतिथि पर उन्हें कोटि-कोटि नमन। उन्होंने भगत सिंह जी के साथ केंद्रीय विधानसभा में बम फेंककर अंग्रेजों के अन्याय के विरुद्ध पूरे देश में आजादी की अलख जलाई। कठोर यातनाएँ सहकर भी स्वाधीनता के संकल्प को अडिग रखा। -**अमित शाह,** गृहमंत्री

पीएम मोदी युवा विरोधी

प्रधानमंत्री मोदी भारत के इतिहास के सबसे युवा-विरोधी प्रधानमंत्री हैं। वह इतने युवा-विरोधी हैं कि एक नाकाम शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान का इस्तीफा भी नहीं ले सकते। 152 पेपर लीक की घटनाओं से 7.5 करोड़ छात्र प्रभावित हुए, लेकिन किसी दोषी को सजा नहीं मिली। -**राहुल गांधी,** नेता विपक्ष

हमारी मांग स्पष्ट

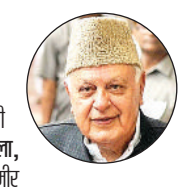

हमारी मांग स्पष्ट है, जम्मू-कश्मीर का राज्य का दर्जा बहाल किया जाए। यह हमारी जायज मांग है और हमारा वैध अधिकार है। हम इस मुद्दे को लेकर पूरी तरह से गंभीर हैं। केंद्र सरकार को हमारी मांग पूरी करनी होगी। -**फारूक अब्दुल्ला,** पूर्व सीएम, जम्मू-कश्मीर

करंट अफेयर

कांगो में इबोला के प्रकोप से अब तक 930 लोगों की मौत

कांगो में इबोला के प्रकोप से कम से कम 930 लोगों की मौत हो चुकी है, जिनमें से 37 लोगों की मौत शुक्रवार से शनिवार के बीच 24 घंटे के दौरान हुई। देश के स्वास्थ्य मंत्रालय ने सोमवार को यह जानकारी दी। स्वास्थ्य मंत्रालय ने बताया कि शनिवार तक इबोला के 2,344 मामलों की पुष्टि हुई है, जिनमें से 930 मरीजों की मौत हो चुकी है। पूर्वी कांगो में इबोला के प्रकोप की घोषणा 15 मई को की गई थी। यह रिकॉर्ड में, सबसे तेजी से फैलने वाला इबोला प्रकोप बन गया है। इस प्रकोप के लिए जिम्मेदार बंडिबुग्यो वायरस, इबोला बीमारी फैलाने वाले अन्य वायरस की तुलना में कम पाया जाता है और इसके लिए फिलहाल कोई मंजूरी प्राप्त टीका या उपचार उपलब्ध नहीं है। इबोला अत्यधिक संक्रामक बीमारी है और यह जंगली जानवरों से मनुष्यों में फैल सकती है। यह बीमारी कई मामलों में जानलेवा साबित होती है। मौत के आंकड़ों में यह बढ़ोतरी ऐसे समय में हुई है जब सुरक्षा संबंधी चिंताओं के कारण सबसे अधिक प्रभावित प्रांत 'इतुरी' में राहत और बचाव अभियान पर असर पड़ा है। कुल पांच प्रांत प्रभावित हुए हैं और ये सभी पूर्वी इलाके में हैं, जहां विद्रोहियों का बोलबाला है।

ऑफ बीट

ग्रीक फायर: रोमन साम्राज्य का सबसे विनाशकारी हथियार

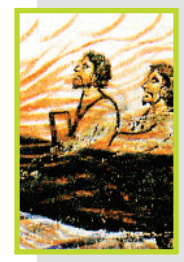

आधुनिक काल के सामूहिक विनाश के हथियारों से बहुत पहले एक ऐसा हथियार था, जिसे 'ग्रीक फायर' (इग्निस ग्रेकस) के नाम से जाना जाता है। ग्रीक फायर का सूत्र इतना गोपनीय रखा गया था कि 1453 में बीजान्टिन साम्राज्य के ओटोमन साम्राज्य के हाथों पतन के साथ ही इसका रहस्य भी हमेशा के लिए खो गया। तब से लेकर आज तक अनेक रसायनविद, इतिहासकार, वैज्ञानिक और प्रायोगिक पुरातत्वविद इस रहस्यमयी हथियार का वास्तविक सूत्र जानने की कोशिश करते रहे हैं। ग्रीक फायर एक ज्वलनशील तरल पदार्थ था, जिसे बीजान्टिन युद्धपोतों के अगले हिस्से पर लगी पीतल या कांसे की नली (साइफन) के माध्यम से दुश्मन के जहाजों पर फेंका जाता था। यह तरल जिस सतह पर गिरता, उससे चिपक जाता था। यहां तक कि पानी पर भी यह जलता रहता था और उसे बुझाना लगभग असंभव था। नेपाम (नैप्थालीन और नारियल के तेल से बना पदार्थ) की तरह काम करने वाला यह हथियार बीजान्टिन नौसेना को अपने दुश्मनों पर बड़ा सामरिक लाभ देता था। सातवीं शताब्दी में उभरती हुई अरब शक्ति की समुद्री ताकत ने बीजान्टिन साम्राज्य के सामने नयी चुनौतियां खड़ी कर दी थीं।

हमारा पता
हरिभूमि कार्यालय
रिंग रोड नं. 2, गौरवपथ, बिलासपुर
फोन: 401050,271016,फैक्स-271018
ई-मेल: haribhoomibsp@gmail.com
वेब-साइट: www.haribhoomi.com

फीफा फाइनल के बाद सेलिब्रेशन के दौरान अमेरिकी राष्ट्रपति की हुई किरकिरी!

स्पेन के जश्न में रुकावट बने ट्रंप को हाथ पकड़कर किया किनारे

मैदान में बैठे खेलप्रेमियों की गुस्से भरी हूटिंग का सामना भी करना पड़ा

एजेंसी ▶▶| न्यू जर्सी

फीफा वर्ल्ड कप 2026 के महामुकाबले में अर्जेंटीना को 1-0 से धूल चटाकर स्पेन ने इतिहास तो रच दिया, लेकिन इस ऐतिहासिक पल के जश्न का मजा उस वक्त पूरी तरह किरकिरा हो गया जब अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप स्टेज पर एक अनचाहे मेहमान की तरह अड़ गए। सोशल मीडिया पर ट्रंप की इस हरकत को लेकर उनकी भारी फजीहत हो रही है और फैंस का आरोप है कि कैमरे की लाइमलाइट बटोरने के चक्कर में उन्होंने स्पेनिश टीम का पूरा सेलिब्रेशन ही खराब कर दिया। किसी को उम्मीद नहीं थी कि फीफा मेन्स फुटबॉल वर्ल्ड कप का फाइनल मैच इस तरह एक बड़े ड्रामे के साथ खत्म होगा। न्यू यॉर्क न्यू जर्सी स्टेडियम में वर्ल्ड कप ट्रॉफी सेरेमनी के दौरान अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप को लोगों की गुस्से भरी हूटिंग का सामना करना पड़ा। लोगों ने हताशा भरी आवाजों के साथ उनका वेलकम किया।

दर्शकों ने जमकर की हूटिंग

फीफा वर्ल्ड कप में इस बार स्पेन ने अर्जेंटीना को हराकर जीत का ताज अपने नाम किया। इस दौरान जैसे ही ट्रंप और फीफा प्रमुख जियानी इन्फेंटिनो खिलाड़ियों को सम्मानित करने के लिए मैदान पर उतरे, दर्शकों ने गुस्से में हूटिंग शुरू कर दी। हालांकि, ये हूटिंग ज्यादा देर नहीं चली।

रोड्री के ट्रॉफी उठाने से पहले मंच पर रहे ट्रंप

अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप इस ऐतिहासिक फाइनल मैच को देखने के लिए हेलीकॉप्टर से स्टेडियम पहुंचे थे। मैच के बाद वो पोडियम पर स्पेन के खिलाड़ियों के साथ ही खड़े रहे. इसके बाद, जब स्पेन के कप्तान रोड्री सैकड़ों फोटोग्राफरों और कैमरों के सामने वर्ल्ड कप की ट्रॉफी उठाने वाले थे, तब ट्रंप को फीफा चीफ ने मंच से एक किनारे किया।

हटने का नाम नहीं ले रहे थे ट्रंप

दरअसल, मेक्सिको की राष्ट्रपति और कनाडा के प्रधानमंत्री जैसे वीआईपी मेहमान ट्रॉफी देने के तुरंत बाद मंच से उतर गए, लेकिन ट्रंप मेडल और ट्रॉफी सौंपने के बाद भी जानबूझकर फुटेज और कैमरे के लिए स्टेज पर ही अड़े रहे। मानों उन्हें इस पूरे पल का फुटेज अकेले चाहिए। स्पेन के कप्तान रोड्रि को ट्रॉफी सौंपने के बाद जब टीम जश्न शुरू करने का इंतजार कर रही थी, तब ट्रंप खिलाड़ियों के बीच दाईं ओर बढ़ गए, स्थिति इतनी असहज हो गई कि फीफा अध्यक्ष गियानी इन्फेंटिनो को खुद आगे आकर उन्हें वहां से हटने का इशारा करना पड़ा। अंत में गियानी इन्फेंटिनो ट्रंप के पास आए और उन्हें वहां से हटाया।

फोन कॉल से बवाल

आपको बता दें, ट्रंप से नाराजगी की वजह एक और भी थी। दरअसल, ग्रुप स्टेज के एक मैच के दौरान अमेरिका का मुकाबला बोस्निया और हर्जेगोविना से था। इस मैच में अमेरिकी स्ट्राइकर फोलारिन बालोगुन को रेफरी ने रेड कार्ड दिखा दिया था। इस फैसले से नाराज होकर राष्ट्रपति ट्रंप ने सीधे फीफा प्रमुख जियानी इन्फेंटिनो को फोन लगा दिया था। ट्रंप ने इन्फेंटिनो से बालोगुन को दिए गए रेड कार्ड के फैसले का दोबारा रिव्यू करने को कहा था। किसी देश के राष्ट्राध्यक्ष के खेल के नियमों और फैसलों में सीधे दखल देने की इस कोशिश की दुनिया भर के फुटबॉल विशेषज्ञों और फैन्स ने तीखी आलोचना की थी। ऐसे में इस विवाद की गूंज फाइनल की अवॉर्ड सेरेमनी में भी साफ दिखाई दी। यही वजह थी कि फाइनल के दिन स्टेडियम में मौजूद फुटबॉल लवर्स उनके खिलाफ हूटिंग कर रहे थे।

खबर संक्षेप

बर्नहैम बने ब्रिटेन के नए प्रधानमंत्री

लंदन। ब्रिटेन में सोमवार को एंडी बर्नहैम ने नए प्रधानमंत्री के रूप में

कार्यभार संभाल लिया। वह पिछले 10 साल में ब्रिटेन के सातवें प्रधानमंत्री बने हैं। उन्होंने देश की राजनीतिक और प्रशासनिक व्यवस्था में बड़े बदलाव का वादा करते हुए कहा है कि उनकी सरकार लोगों की रोजमर्रा की समस्याओं, जैसे महंगाई और खराब सार्वजनिक सेवाओं पर सबसे ज्यादा ध्यान देगी। पूर्व प्रधानमंत्री कीर स्टार्मर ने 10 डाउनिंग स्ट्रीट के बाहर विदाई भाषण देने के बाद किंग चार्ल्स को अपना इस्तीफा सौंपा।
इसके बाद ग्रेटर मैनचेस्टर के पूर्व मेयर एंडी बर्नहैम ने किंग से मुलाकात की और औपचारिक रूप से प्रधानमंत्री पद की जिम्मेदारी संभाली। 56 वर्षीय बर्नहैम ऐसे समय सत्ता में आए हैं, जब ब्रिटेन कई चुनौतियों से जूझ रहा है। इनमें धीमी आर्थिक वृद्धि, खराब प्रदर्शन करने वाली सार्वजनिक सेवाएं और बुनियादी सुविधाओं की समस्याएं प्रमुख हैं। सरकार संभालने के साथ ही उन्हें अपनी नई कैबिनेट का भी गठन करना है।

उत्तराखंड : रोकी गई चारधाम यात्रा

देहरादून। उत्तराखंड में पिछले 24 घंटे के दौरान एक बच्चा उफनाई सरयू नदी में बहकर लापता हो गया

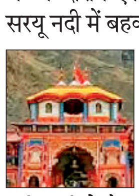

जबकि एक अन्य व्यक्ति की आकाशीय बिजली गिरने से मौत हो गई।
अधिकारियों ने यह जानकारी दी। उन्होंने बताया कि लगातार बारिश के कारण हुए भूस्खलन से चार राष्ट्रीय राजमार्गों सहित करीब 150 सड़कें अवरुद्ध हो गईं, जिसके मद्देनजर प्रशासन ने सोमवार को एहतियात के तौर पर चारधाम यात्रा अस्थायी रूप से रोक दी।
अधिकारियों ने बताया कि मौसम विभाग ने सोमवार के लिए देहरादून, टिहरी और हरिद्वार जिलों में भारी से बहुत भारी बारिश का 'रेड अलर्ट' तथा शेष जिलों के लिए 'ऑरेंज अलर्ट' जारी किया है। उन्होंने बताया कि प्रदेश में प्रशासन को चौबीसों घंटे सतर्क रहने के निर्देश दिए गए हैं। भारी बारिश की चेतावनी के मद्देनजर विद्यार्थियों की सुरक्षा के लिए प्रदेश के सभी जिलों में कक्षा एक से 12 तक के विद्यालयों में अवकाश घोषित किया गया है।

दिल्ली हाई कोर्ट ने पत्नी की याचिका पर सुनवाई करते हुए मांगा जवाब

वांगचुक केस में केंद्र और अस्पताल को जारी किया गया नोटिस, तलब की पूरी हेल्थ रिपोर्ट

एक्टिविस्ट सोनम वांगचुक को जंतर-मंतर से हटाकर अस्पताल में भर्ती कराने के मामले में सोमवार को दिल्ली हाईकोर्ट में सुनवाई शुरू हुई। वांगचुक की पत्नी गीतांजलि आंगमो की ओर से दाखिल याचिका में उन्हें दूसरे अस्पताल में ट्रांसफर करने की मांग की गई। वांगचुक की पत्नी की याचिका पर दिल्ली हाई कोर्ट ने केंद्र सरकार व सफदरजंग अस्पताल से जवाब मांगा।

एजेंसी ▶▶| नई दिल्ली

निजी अस्पताल में शिफ्ट करने की मांग को ठुकराने के एकल पीठ के निर्णय के खिलाफ यह सुनवाई चल रही है। दिल्ली हाईकोर्ट ने केंद्र सरकार व सफदरजंग अस्पताल से जवाब मांगने के अलावा, सफदरजंग अस्पताल, एम्स और प्राइवेट लैब में सैंपल की जांच के आधार पर तैयार सभी पैथोलाजिकल रिपोर्ट एक हलफनामे में दाखिल करने का और सफदरजंग अस्पताल के डायरेक्टर द्वारा उनकी पुष्टि करने का भी निर्देश दिया। अदालत ने यह भी कहा कि मामले में उसकी मदद के लिए एम्स के डायरेक्टर और अन्य सलाहकार व इलाज करने वाले डॉक्टर मंगलवार को होने वाली सुनवाई के दौरान मौजूद रहें।

सरकार का तर्क

केंद्र सरकार की ओर से पेश सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता ने कहा कि यह इच्छामृत्यु का मामला नहीं है। उन्होंने तर्क दिया कि व्यक्ति को विरोध-प्रदर्शन का अधिकार है, लेकिन अगर कोई कहे कि 'जब तक मेरी मांग पूरी नहीं होती, मैं आत्महत्या कर लूंगा', तो जनहित का सवाल उठ जाता है। एसजी ने कहा कि जब किसी व्यक्ति की सेहत बिगड़ने या जान जाने का असर कानून-व्यवस्था पर पड़ता है, तो राज्य का हित शामिल हो जाता है। उन्होंने प्राइवेट लैब रिपोर्ट और सफदरजंग अस्पताल के बुलेटिन का भी हवाला दिया।

अगली सुनवाई मंगलवार को दोपहर 12:30 बजे होगी।

वांगचुक की पत्नी के आरोप

वरिष्ठ अधिवक्ता अखिल सिब्बल ने सोनम वांगचुक की पत्नी की ओर से कहा कि पुलिस ने हाई कोर्ट के 16 जुलाई के आदेश का हवाला देकर उन्हें जबरन सफदरजंग अस्पताल ले जाया। उन्होंने आरोप लगाया कि कोई पूर्व सूचना या रिपोर्ट साझा किए बगैर पुलिस सोनम वांगचुक को अस्पताल लेकर गई थी। परिवार या सोनम वांगचुक से कोई बातचीत नहीं की गई। 18 जुलाई की सुबह पुलिस फोर्स के साथ जबरन उन्हें अस्पताल शिफ्ट किया गया था। पिछले 20 दिनों से उनकी देखभाल कर रहे निजी डॉक्टरों को भी उनसे मिलने नहीं दिया जा रहा है। रिपोर्ट डिजिटल या फिजिकल रूप में देने से इंकार कर दिया गया।

वांगचुक के समर्थन में देशभर में प्रदर्शन, मुंबई-पुणे में केस दर्ज

वांगचुक के समर्थन और प्रतियोगी परीक्षाओं में कथित अनियमितताओं के विरोध में देशभर में बड़े पैमाने पर प्रदर्शन हो रहे हैं। महाराष्ट्र, गुजरात, राजस्थान सहित कई राज्यों के कई शहरों में छात्रों और समर्थकों ने सड़कों पर उतरकर सोमवार को विरोध जताया। दिल्ली के जंतर-मंतर से अनशन पर बैठे सोनम वांगचुक और लद्दाख के सामाजिक कार्यकर्ता सोनम वांगचुक के समर्थन में मुंबई में हुए विरोध प्रदर्शन के बाद पुलिस ने दो अलग-अलग मामलों (मरीन ड्राइव, आजाद मैदान) में 20 से ज्यादा प्रदर्शनकारियों के खिलाफ केस दर्ज किया है।

एफटीआईआई छात्रों ने भी किया आंदोलन

पुणे के एफटीआईआई के छात्र भी सोनम वांगचुक के समर्थन में आंदोलन कर रहे हैं। छात्रों ने हाथ में तिरंगा लेकर मेन बिल्डिंग से मेन गेट तक मार्च निकाला। इस दौरान प्रदर्शनकारियों ने केंद्र सरकार और केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान के खिलाफ नारेबाजी की। वे कॉजपा के समर्थन वाली टी-शर्ट पहने हुए थे तथा वांगचुक और उनके अनशन के समर्थन में बैनर लेकर प्रदर्शन कर रहे थे।
गुजरात के कई शहरों में प्रदर्शन : वांगचुक, सीजेपी, पेपर लीक के मसले पर गुजरात के कई शहरों में प्रदर्शन किए गए। अहमदाबाद में पुलिस ने कुछ लोगों को लॉ गार्डन में इकट्ठा होने पर हिरासत में ले लिया। पुलिस द्वारा हिरासत में लिए जाने के दौरान एक प्रदर्शनकारी ने कहा, 'जहां बलात्कार के आरोपी खुलेआम घूम रहे हैं, वहीं हमारे जैसे छात्रों को जेल भेजा जा रहा है।'
सूरत, जूनागढ़ और भावनगर समेत अन्य शहरों में भी प्रदर्शन हुए।

आईआईटी मद्रास ने की घोषणा

अगले साल फरवरी महीने में होगी गेट-2027 परीक्षा

हरिभूमि न्यूज ▶▶| नई दिल्ली

भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान (आईआईटी-एम) मद्रास ने सोमवार को ग्रेजुएट एप्टीट्यूड टेस्ट इन इंजीनियरिंग (गेट) 2027 के लिए परीक्षा की तारीखों, संशोधित पाठ्यक्रम और नए प्रश्नपत्र की घोषणा कर दी है। अगले साल फरवरी महीने के छह दिनों में यह परीक्षा होगी। जिसमें 6, 7, 13, 14, 20 और 21 फरवरी की तारीख तय की गई है। जबकि इसके लिए रजिस्ट्रेशन की शुरुआत अगले महीने 14 अगस्त से हो जाएगी। आवेदन की अंतिम तारीख 21 अगस्त होगी। परीक्षा के संबंध में अधिक जानकारी प्राप्त करने के लिए अभ्यर्थी गेट के लिए बनाई गई वेबसाइट (HYPERLINK http://gate2027.iitm.ac.in <\\><\\><\\>/ngate2027.iitm.ac.in) पर जा सकते हैं।

1983 से देश में हुई परीक्षा की शुरुआत

गेट एक राष्ट्रीय स्तर की परीक्षा है। जिसके माध्यम से इंजीनियरिंग, प्रौद्योगिकी, विज्ञान, वास्तुकला, वाणिज्य, कला और मानविकी जैसे कई स्नातक विषयों में अभ्यर्थियों की विस्तृत और व्यापक समझ का मूल्यांकन किया जाता है। भारत में इस परीक्षा की शुरुआत वर्ष 1983 को हुई थी। अगले वर्ष इसका 45वां संस्करण होगा। गेट-27 परीक्षा, कंप्यूटर आधारित परीक्षा (सीबीटी) होगी। जिसे परीक्षा के प्रत्येक दिन पूर्वाह्न और अपराह्न जैसे दो सत्रों में आयोजित किया जाएगा। परीक्षा के लिए कुल 30 प्रश्नपत्र होंगे। तेजी से परिवर्तित होती शैक्षणिक और औद्योगिक जरूरतों के मद्देनजर पांच साल के बाद परीक्षा से जुड़े सभी प्रश्नपत्रों के पाठ्यक्रमों में बदलाव किया गया है।

पाक राजनेता ने खोली अपनी सेना की पोल

'कारगिल में भारत ने दफनाए थे हमारे जवानों के शव'

एजेंसी ▶▶| इस्लामाबाद

पाकिस्तान की सियासत और वहां के सैन्य प्रतिष्ठान में एक बहुत बड़ा भूचाल आ गया है। जमीयत उलेमा-ए-

इस्लाम के प्रमुख मौलाना फजलुर रहमान ने पाकिस्तान सेना पर अब तक का सबसे तीखा और सनसनीखेज हमला बोला है। उन्होंने सार्वजनिक मंच से 1999 के कारगिल युद्ध को लेकर वो सच उगल दिया है जिसे पाकिस्तानी सेना दशकों से छिपाती आई है। फजलुर रहमान ने सीधे तौर पर पाकिस्तानी सेना को आड़े हाथों लेते हुए कहा कि कारगिल की जंग में पाकिस्तान ने अपने ही मारे गए सैनिकों को पहचानने और उनके शव (जनाजे) लेने से साफ इंकार कर दिया था। और उन्हें 'हिंदुओं' (भारत) के रहमोकरम पर छोड़ दिया था।

भारत के स्टैंड की पुष्टि

पाकिस्तानी नेता का यह बयान भारत के उस स्टैंड की पुष्टि करता है, जिसे भारत पिछले 27 सालों से दुनिया के सामने रखता आया है कि कारगिल में मारे गए पाकिस्तानी सैनिकों का अंतिम संस्कार भारतीय सेना ने पूरे इस्लामिक रीति-रिवाजों के साथ किया था क्योंकि पाकिस्तान उन्हें अपना मानने से इंकार कर दिया था।

दान राशि की गिनती एसबीआई की देखरेख में तैनात की गई नई टीम

अयोध्या राम मंदिर में नई व्यवस्था

एजेंसी ▶▶| अयोध्या

राम मंदिर में चढ़ावे की चोरी का मामला सामने आने के बाद अब उत्तर प्रदेश के अयोध्या स्थित राम मंदिर के दान पात्रों में जमा नकद चढ़ावे की गिनती के लिए श्री राम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट ने नई टीम तैनात करते हुए भारतीय स्टेट बैंक (एसबीआई) की निगरानी में दो पालियों वाली व्यवस्था शुरू की है। सूत्रों ने बताया कि एक सप्ताह के परीक्षण के बाद रविवार से यह प्रक्रिया शुरू हुई, जिसके बाद ट्रस्ट ने औपचारिक रूप से दानराशि की गिनती की जिम्मेदारी एसबीआई को सौंप दी। सूत्रों के मुताबिक, प्रत्येक पाली में 10 से 12 लोगों की टीम तैनात की गई है। पहली पाली सुबह आठ बजे से दोपहर दो बजे तक और दूसरी पाली दोपहर दो बजे से रात आठ बजे तक काम करती है। सूत्रों ने बताया कि चढ़ावे की कथित चोरी के मामले में पूर्व प्रभारी सुभाष श्रीवास्तव के जेल भेजे जाने के बाद ट्रस्ट ने शोभनाथ मिश्रा को नकदी गिनती का नया प्रभारी नियुक्त किया है।

सूत्रों के मुताबिक, निगरानी व्यवस्था को मजबूत करने के लिए ट्रस्ट ने चार सुपरवाइजर तैनात किए हैं, जिनमें एक पूर्व सैनिक भी शामिल है। ट्रस्ट के सुरक्षा प्रभारी और सेना के पूर्व अधिकारी कैप्टन केके तिवारी को गिनती प्रक्रिया की दैनिक जानकारी देने के लिए वरिष्ठ प्रभारी नियुक्त किया गया है।
सूत्रों के मुताबिक, पूर्व रक्षाकर्मी एस.पी. दुबे और शेषमणि तिवारी को भी नकदी गिनती प्रक्रिया की निगरानी के लिए ट्रस्ट के प्रतिनिधि के तौर पर नियुक्त किया गया है।

श्री कृष्ण जन्मस्थान पर गिनती में होंगे दुकानदार शामिल

मथुरा। मथुरा में श्री कृष्ण जन्मस्थान सेवा संस्थान के सचिव कपिल शर्मा ने सोमवार को बताया कि अब श्री कृष्ण जन्मस्थान पर दान-पात्रों को खोलने और उनमें जमा दान की गिनती के समय दुकानदारों को भी पर्यवेक्षक के तौर पर शामिल किया जायेगा। उन्होंने कहा, 'हम गिनती की प्रक्रिया को और पारदर्शी बनाने के लिए स्वतंत्र पर्यवेक्षक को शामिल करना चाहते हैं। इस नयी व्यवस्था के तहत, महीने में एक बार गिनती की प्रक्रिया के दौरान एक या दो दुकानदार मौजूद रहेंगे। शर्मा ने कहा, 'संस्थान छह महीने तक सीसीटीवी रिकॉर्डिंग भी सुरक्षित रखेगा। हम अपने आधारभूत ढांचा को और बेहतर बना रहे हैं और अब ज्यादा आधुनिक फीचर वाले कैमरे लगा रहे हैं।'

प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना (PMFBY)
UNI : IRDAN126RP0001V01201617
www.pmfby.gov.in

''किसान भाई-बहनों के लिए आवश्यक सूचना'' खरीफ-2026 फसल बीमा कराओ सुरक्षा कवच पाओ

भारत सरकार की इस योजना को छत्तीसगढ़ सरकार के सहयोग से भारतीय कृषि बीमा कंपनी® (AIC) द्वारा खरीफ 2026 में छत्तीसगढ़ के 10 जिलों (धमतरी, जशपुर, कोरबा, नारायणपुर, राजनांदगाव, खैरागढ़-छुईखदान-गंडई, कोंडागाव, महासमुंद, रायगढ़, सुरजपुर) में संचालित की जा रही है।

अधिसूचित फसलें खरीफ : ग्राम स्तर पर - धान सिंचित, धान असिंचित, मक्का, सोयाबीन
राजस्व निरीक्षक मंडल स्तर पर - मूंगफली, तुअर (अरहर), मूंग, उड़द, कोदो, कुटकी एवं रागी (मड़वा)

योजना की विशेषताएँ
- आवरण किये जाने वाले किसान : अधिसूचित क्षेत्र में अधिसूचित फसल उगाने वाले सभी किसान - ऋणी एवं अऋणी किसान।
- ऋणी किसान : ऋणी कृषक जो योजना में शामिल नहीं होना चाहते, उन्हे भारत सरकार द्वारा जारी चयन प्रपत्र (Opting-out form) के अनुसार हस्ताक्षरित घोषणा पत्र खरीफ मौसम के लिये पूरे वर्ष के दौरान किसी भी समय लेकिन किसानों के नामांकन के लिए तय की गई तिथि खरीफ के लिए 31 जुलाई 2026 से कम से कम 7 दिन पहले तक, संबंधित वित्तीय संस्थान में अनिवार्य रूप से जमा करना होगा, अन्यथा संबंधित बैंक द्वारा संबंधित मौसम के लिए स्वीकृत/नवीनीकृत की गई अल्पकालीन कृषि ऋण को अनिवार्य रूप से बीमाकृत किया जायेगा।
- अऋणी किसान : अऋणी किसान इस योजना के तहत निकटतम बैंक शाखा/समिति, CSC, डॉकघर और राष्ट्रीय फसल बीमा पोर्टल (NCIP) के माध्यम से अपना नामांकन करा सकते हैं। साथ ही अऋणी किसान को प्रस्ताव पत्र के साथ निम्न दस्तावेज प्रस्तुत करना होगा :-
- जरूरी दस्तावेज : 1) नवीनतम आधार कार्ड की कॉपी, 2) नवीनतम भूमि प्रमाण पत्र (बी-1, पी-2) की कॉपी, 3) बैंक पासबुक के पहले पन्ने की कॉपी जिस पर एकाउंट नंबर/आईएफएससी कोड/बैंक का पता साफ दिख रहा हो, 4) फसल बुवाई प्रमाण-पत्र अथवा प्रस्तावित फसल बोने के आशय का स्वघोषणा पत्र, 5) किसान का वैध मोबाईल नंबर, 6) बटाईदार/कास्तकार/साझेदार किसानों के लिए- फसल साझा/कास्तकार का घोषणा पत्र, 7) के सी सी (KCC)/ कृषि ऋण न लेने के संबंध में स्व-घोषणा पत्र।
- बीमित फसलों में परिवर्तन : ऋणी किसान अपने बीमित फसलों में परिवर्तन करा सकते हैं इसके लिये खरीफ मौसम में नामांकन की अंतिम तिथि 31 जुलाई 2026 से दो कार्य दिवस पूर्व इस बात की सूचना संबंधित बैंक शाखा में दे सकते हैं।

आधार अनिवार्य : किसान भाइयों से अनुरोध है की वो अपना आधार खरीफ के लिए 31.07.2026 से पूर्व, बैंक में अपडेट करालें। फसल बीमा पोर्टल पर बिना आधार प्रमाणीकरण के बीमा मान्य नहीं होगा।

आवरित जोखिम

अधिसूचित क्षेत्र आधार पर	व्यक्तिगत खेत आधार पर
क) बुवाई/रोपाई नहीं होने पर : प्रतिकूल मौसम अवस्थाओं के कारण अधिसूचित क्षेत्र के 75% क्षेत्र में बुवाई न होने पर बीमित राशि का अधिकतम 25% तक क्षतिपूर्ति। केवल धान (सिंचित, असिंचित) एवं चना फसल के लिए लागू है।	क) स्थानीय आपदाएं : ओलावृष्टि, जलप्लावन (धान सिंचित एवं असिंचित फसलो में जलप्लावन से होने वाली क्षति इस घटक में शामिल नहीं है), बादल फटना और प्राकृतिक आकाशीय बिजली के कारण खड़ी फसल का नुकसान होना।
ख) फसल कटनी प्रयोग आधार पर : प्रत्येक अधिसूचित ग्राम में 04 एवं राजस्व निरीक्षक मंडल में 10 फसल कटनी प्रयोग द्वारा व्यापक आधार पर आई प्राकृतिक आपदाओं के कारण उपज में होने वाले नुकसान का आंकलन।	ख) फसल कटाई के उपरान्त नुकसान : खेत में काटकर व फैलाकर/छोटे गठरो में बांधकर सुखाने हेतु रखी गयी फसलों को फसल कटाई के पश्चात् केवल 14 दिनों के अधिकतम अवधि में- ओलावृष्टि, चक्रवात, चक्रवाती बारिश और बेमौसमी बारिश से हानि होने की स्थिति में।
अधिसूचित क्षेत्र आधार पर- फसल कटाई प्रयोग से क्षति निर्धारण :- किसान के द्वारा प्रीमियम राशि देय मात्र से दावा राशि की पात्रता नही बनती है और न ही अकाल, सुखा अनावारी रिपोर्ट के आधार पर निर्धारण किया जाता है। जबकि योजनांतर्गत बीमा दावा का निर्धारण बीमित ग्राम, राजस्व निरीक्षक मंडल एवं फसल में ग्रामीण कृषि विस्तार एवं पटवारी अधिकारी के द्वारा आयोजित ग्राम स्तर पर 4 एवं राजस्व मंडल स्तर पर 10 फसल कटाई प्रयोग से प्राप्त वास्तविक उपज का थ्रेशहोल्ड उपज से तुलना उपरांत बीमा कंपनी द्वारा देय होता है। जितना प्रतिशत उपज में कमी आती है, उनके मान से दावा राशि प्रदान किया जाता है।	स्थानीय आपदाएँ एवं फसल कटाई उपरान्त नुकसान होने पर 72 घंटो के भीतर अपनी फसल के नुकसान की सूचना यहाँ दें :- राष्ट्रीयकृत बैंक शाखा/क्षेत्रिय ग्रामीण बैंक/जिला सहकारी बैंक/प्राथमिक सहकारी समितियाँ। लोक सेवा केन्द्र (CSC)। भारत सरकार की क्रॉप इंश्योरेंस ऐप। जिला/तहसील स्तर के कृषि/राजस्व कार्यालय। भारत सरकार के टोल फ्री नम्बर (14447)। नोट :- हानि का मूल्यांकन व्यक्तिगत खेत सर्वे या सेम्पल सर्वे द्वारा किया जाएगा।

शिकायत के मामले में शिकायत निवारण के लिए ए.आई.सी. के वेबसाइट: https://www.aicofindia.com/grievance-redressal के माध्यम से शिकायत ऑनलाइन पंजीकृत की जा सकती है।

फसल बीमा माह 1-31 जुलाई, 2026

खरीफ	
1. किसान द्वारा देय प्रीमियम दर (बीमित राशि का)	2%
2. बैंक/प्राथमिक कृषि सेवा सहकारी समिति/लोक सेवा केन्द्र/ऑनलाईन पंजीकरण/बीमा अभिकर्ता/डॉक विभाग इत्यादि द्वारा सभी ऋणी कृषकों तथा अऋणी कृषकों (प्रस्ताव पत्र के साथ) बीमा कराने/प्रीमियम जमा/खाते से प्रीमियम कटौती / बीमा कराने की अंतिम तिथि	31/07/2026

- किसान भाईयों से आग्रह है कि फसल बीमा की खरीफ मौसम के लिए अंतिम तिथि 31-07-2026 से पूर्व निकटतम राष्ट्रीयकृत बैंक शाखा/क्षेत्रीय ग्रामीण बैंक/जिला सहकारी बैंक/प्राथमिक सहकारी समितियाँ/लोक सेवा केन्द्र (CSC)/भारत सरकार की बीमा पोर्टल/डॉक विभाग के माध्यम से फसल का बीमा करा सकते हैं।
- योजना के संबंध में अधिक जानकारी के लिए राज्य सरकार की अधिसूचना देखे एवं उद्यानिकी/कृषि/राजस्व अधिकारी/बैंक/CSC एवं ए.आई.सी क्षेत्रीय/जिला/तहसील कार्यालय से संपर्क करें

HO/26-27/1A/12

भारतीय कृषि बीमा कंपनी® | AGRICULTURE INSURANCE COMPANY OF INDIA LTD.
क्षेत्रीय कार्यालय: एल.आई.सी. इनवेस्टमेंट बिल्डिंग, फेस-2, द्वितीय तल, पंडरी, रायपुर- 492004 (छ.ग.)
फोन/फैक्स:0771-4306605 ई-मेल: ro.raipur@aicofindia.com Website : www.aicofindia.com
पंजीकृत कार्यालय: प्लेट बी और सी, 5वीं मंज़िल, ब्लॉक 1, ईस्ट किदवई नगर, नई दिल्ली-110023.
सीआईएन: U74999DL2002PLC118123, आईआरडीएआई पंजीकरण सं. 126
aicofindialtd aicofindia aicofindia aicofindialtd aicofindialtd
कृषि रक्षक पोर्टल हेल्पलाइन 14447
बीमा आग्रह की विषय वस्तु है।
फसल हो या कृषि संपदा। बीमा सुरक्षा हमारा वादा ।।
विज्ञापन मात्र (नियम एवं शर्तें लागू)

पुलिस विभाग में बड़ी सर्जरी, 129 राज्य पुलिस सेवा के अफसरों का स्थानांतरण

रायपुर। राज्य शासन के गृह विभाग ने पुलिस महकमें में बड़ा फेरबदल करते हुए 129 पुलिस अरफसरों का तबादला आदेश जारी किया है। जारी आदेश के मुताबित जिन पुलिस अफसरों का स्थानांतरण किया गया है, उनमें 37 एएसपी तथा 92 डीएसपी स्तर के पुलिस अफसर हैं। जिन पुलिस अफसरों का तबादला किया गया है, उनमे मुख्यमंत्री सुरक्षा से लेकर ज्यादातर जिलों के एएसपी से लेकर डीएसपी स्तर के पुलिस अफसरों का तबादला किया गया है। जो ताबादला आदेश जारी किया गया है, उममें रायपुर उत्तर में एडीसीपी के पद पर पदस्थ आकाश मरकाम का ताबाला तीसरी वाहिनी छत्तीसगढ़ सशस्त्र बल अमलेश्वर किया गया है। इसी तरह से चौथी वाहिनी माना बटालियन के अधीक्षक ओम प्रकाश शर्मा का स्थानांतरण मुख्यमंत्री सुरक्षा में किया गया है। संभावना व्यक्त की जा रही है, आने वाले दिनों में गृह विभाग कुछ और राजपत्रित पुलिस अधिकारियों के स्थानांतरण लिस्ट जारी कर सकता है। जारी तबादला सूची में रायपुर, दुर्ग, बिलासपुर सहित कई अन्य बड़े जिलों के पुलिस अफसर स्थानांतरण से बच गए हैं।

हाईकोर्ट ने मांगी जिला कोर्ट की डिक्री, याचिकाकर्ता पेश नहीं कर पाया, 5 हजार की पेनाल्टी

बिलासपुर। बिना पर्याप्त दस्तावेज और ठोस आधार के याचिका दायर करने पर चीफ जस्टिस रमेश सिन्हा और जस्टिस रवींद्र कुमार अग्रवाल की डिवीजन बेंच ने याचिकाकर्ता पर पांच हजार रुपए का जुर्माना किया है। कोर्ट ने कहा है कि केवल मौखिक दावों के आधार पर अदालत का बहुमूल्य समय बर्बाद नहीं किया जा सकता।

दुर्ग के पुलगांव निवासी तरुण पुरी, उनके पिता रेवाराम पुरी, मां ज्योति पुरी तथा मध्य प्रदेश के शहडोल निवासी रिश्तेदार नलिनी संत ने हाईकोर्ट में याचिका दायर की थी। उनके खिलाफ छत्तीसगढ़ बिलासपुर के महिला थाने में तरुण की पत्नी सुषमा उर्फ बुलबुल पुरी की शिकायत पर बीएनएस की धारा 85, 296, 115(2) और 3(5) के तहत अपराध दर्ज किया गया था। पुलिस जांच पूरी कर 16 फरवरी 2026 को जिला कोर्ट बिलासपुर में चार्जशीट पेश कर चुकी थी। याचिकाकर्ताओं ने एफआईआर, चार्जशीट और पूरी आपराधिक कार्यवाही निरस्त करने की मांग की थी। सुनवाई के दौरान याचिकाकर्ताओं के अधिवक्ता ने दलील दी कि पति को हिंदू विवाह अधिनियम की धारा 9 के तहत वैवाहिक अधिकारों की पुनर्स्थापना संबंधी मुकदमे में एकतरफा डिक्री मिल चुकी है, जिससे पत्नी की शिकायत झूठी साबित होती है।

■ बिना पर्याप्त दस्तावेज और ठोस आधार के याचिका दायर करने पर कोर्ट नाराज

तभी वापस मिलेंगे पुराने दस्तावेज

डिवीजन बेंच ने लेकिन जब उस डिक्री की प्रति मांगी तो अधिवक्ता उसे प्रस्तुत नहीं कर सके। याचिका में उस आदेश का कोई उल्लेख भी नहीं था। हाईकोर्ट ने कहा कि याचिका अस्पष्ट, अधूरी होने के साथ ही आवश्यक दस्तावेज भी नहीं है। केवल मौखिक दलीलों के आधार पर न्यायालय का समय नष्ट करना उचित नहीं है। इस पर याचिकाकर्ता के अधिवक्ता ने गलती स्वीकार करते हुए याचिका वापस लेने और सभी आवश्यक दस्तावेजों के साथ नई याचिका दायर करने की अनुमति मांगी। डिवीजन बेंच ने याचिका वापस लेने की अनुमति देते हुए उसे खारिज कर दिया। साथ ही निर्देश दिया कि याचिकाकर्ता एक सप्ताह के भीतर हाईकोर्ट रजिस्ट्री में 5 हजार रुपए जमा करेगा, जिसके बाद ही उसे पुराने दस्तावेज वापस मिलेंगे और वह नई याचिका दायर करने का अधिकार प्राप्त करेगा।

शिक्षकों को दी जाएगी मास्टर ट्रेनिंग ताकि छूट सके बच्चों का रटना

रायपुर। नेशनल काउंसिल ऑफ एजूकेशनल रिसर्च एंड ट्रेनिंग अर्थात एनसीईआरटी ने वर्तमान सत्र में 9वीं क्लास की नई किताब जारी की है। छात्रों को नई किताब पढ़ाने से पहले टीचर्स की 'मास्टर क्लास' लगाई जा रही है।

कार्यालय कलेक्टर, जिला रायगढ़ एवं पदेन उप सचिव, छत्तीसगढ़ शासन, राजस्व एवं आपदा प्रबंधन विभाग

अधिसूचना

क्रमांक / भू-अर्जन /2026 रायगढ़ दिनांक / /2026

भू-अर्जन प्र. क्र. 202511042900023/अ-82/2025-26 चूंकि राज्य शासन को यह समाधान हो गया है कि नीचे दी गई अनुसूची में वर्णित भूमि की बी.ई.एफ.आई यार्ड (ई.ई. एण्ड डब्ल्यू ई.) लेवल क्रासिंग 298 पर रेलवे ओव्हर ब्रिज एवं अण्डर ब्रिज में भूमि अधिग्रहण एवं युटिलिटी शिर्पिटग कार्य सार्वजनिक प्रयोजन के लिए आवश्यकता है। अत भूमि अर्जन पुनर्वासन तथा पुनर्व्यवस्थापन में उचित प्रतिकर और पारदर्शिता का अधिकार अधिनियम 2013 (जिसे एतद पश्चात अधिनियम 2013 कहा जायेगा) की धारा 19 के तहत यह घोषित किया जाता है, कि इस भूमि का उक्त प्रयोजन के लिए आवश्यकता है:-

अनुसूची

भूमि का वर्णन -1. जिला-रायगढ़, 2. तहसील-खरसिया
3. ग्राम-भूपदेवपुर 4. भूमि का क्षेत्रफल - 0.216 हे.

ख.नं.	रकबा (हे.में)	ख.नं.	रकबा (हे.में)
10/1	0.007	8/1	0.004
8/3	0.006	12/4	0.002
12/2	0.003	10/4	0.011
80/2	0.010	6/4	0.036
10/2	0.006	12/5	0.004
8/2	0.004	9/2	0.030
12/3	0.003	12/1	0.024
85	0.050	80/3	0.006
10/3	0.010		
योग - कुल खसरा नंबर 17 कुल रकबा 0.216 हे.			

2. भूमि का नक्शा (प्लान) का निरीक्षण अनुविभागीय अधिकारी (रा.) खरसिया, जिला रायगढ़ के कार्यालय में किया जा सकता है। 3. उक्त भूमि अर्जन में किसी भी व्यक्ति का विस्थापन निहित नहीं है। अथवा

उक्त योजना के लिए अनुमोदित पुनर्वास योजना के अनुसार प्रस्तावित भू-अर्जन से प्रभावित 00 व्यक्तियों का पुनर्वासित किया जाना प्रस्तावित है। पुनर्वास तथा पुनर्व्यवस्थापन हेतु ग्राम भूपदेवपुर, तहसील खरसिया, जिला रायगढ़ की भूमि कुल खसरा नंबर 17 कुल रकबा 0.216 हे. का चयन किया गया है। पुनर्वास योजना का अवलोकन प्रशासक/अनुविभागीय अधिकारी (राजस्व) खरसिया के कार्यालय में किया जा सकता है।

छत्तीसगढ़ के राज्यपाल के नाम से
तथा आदेशानुसार
(मयंक चतुर्वेदी)
कलेक्टर, जिला रायगढ़ एवं पदेन उप सचिव
छ.ग.शासन राजस्व एवं आपदा प्रबंधन विभाग

अनुविभागीय अधिकारी (रा.)
खरसिया (छत्तीसगढ़)

जी-262702242/1

छत्तीसगढ़ राज्य हाथकरघा विकास एवं विपणन सहकारी संघ मर्यादित, रायपुर

रुचि की अभिव्यक्ति
(Expression of Interest) आमंत्रण की सूचना

छत्तीसगढ़ राज्य हाथकरघा विकास एवं विपणन सहकारी संघ मर्यादित, रायपुर द्वारा अपने रायपुर स्थित गोदाम, बिलासा एम्पोरियम, एवं आमगाँव, राजनांदगाँव स्थित कंबल प्रोसेसिंग यूनिट में उपलब्ध स्टॉक (चादर, कंबल, दरी, कोसा ड्रेस मटेरियल आदि) को विपणन एवं विक्रय हेतु इच्छुक एवं अनुभवी एजेंसी/ संस्थाओं/ फर्मों/ कंपनियों से फ्रेंचाईजी आधार पर दिनांक 21.08.2026 तक रुचि की अभिव्यक्ति (EOI) आमंत्रित की जाती है।

उक्त EOI का विस्तृत प्रारूप ग्रामोद्योग विभाग की वेबसाईट www.ruralindustries.cg.gov.in पर दिनांक 22.07.2026 से उपलब्ध है तथा हाथकरघा संघ के बी-26, सेक्टर-07, न्यू राजेन्द्र नगर, रायपुर (छ.ग.) 492001 स्थित कार्यालय से प्राप्त किया जा सकता है।

इच्छुक एवं अनुभवी संस्था निर्धारित प्रारूप मे अपना आवेदन तथा प्रस्ताव दिनांक 21.08.2026 शाम 5:00 बजे तक प्रबंध संचालक, छत्तीसगढ़ राज्य हाथकरघा विकास एवं विपणन सहकारी संघ मर्यादित, रायपुर के नाम से बंद लिफ़ाफ़े मे जमा कर सकते है।

(प्रबंध संचालक महोदय द्वारा अनुमोदित)

सचिव
छत्तीसगढ़ राज्य हाथकरघा विकास
एवं विपणन सहकारी संघ मर्यादित, रायपुर

संवाद - 48502

बैज बोले- यूसीसी से आदिवासियों का होगा नुकसान

रायपुर। प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष दीपक बैज ने कहा कि अगर छत्तीसगढ़ में यूसीसी लागू होता है, तो सबसे बड़ा नुकसान छत्तीसगढ़ के आदिवासियों को होगा। यूसीसी छत्तीसगढ़ के आदिवासियों के खिलाफ है। राज्य में केवल आदिवासी ही ऐसे हैं, जिन्हें प्रदेश में निवासरत अन्य लोगों की अपेक्षा विशेष संवैधानिक संरक्षण मिला हुआ है। इसके अलावा कोई भी वर्ग छत्तीसगढ़ में नहीं है जिसके लिए विशेष नागरिक प्रावधान लागू है। छत्तीसगढ़ में 32 प्रतिशत से अधिक आबादी आदिवासियों की है, संरक्षित जनजातियां हैं, जिन्हें संविधान में कुछ विशेष अधिकार मिले हैं। उनकी रक्षा के लिए पेसा कानून लागू है और 5 अनुसूची लागू है और भाजपा यूसीसी लाकर आदिवासियों के हितों में डकैती डालने की कोशिश में है।श्री बैज ने कहा कि जब से बस्तर में नक्सलवाद खत्म होने की घोषणा हुई है उसके बाद से ही भाजपा के समर्थित उद्योगपति बस्तर में आदिवासियों की जमीन पर नजरे गड़ाए हुए हैं। बस्तर में भाजपा के समर्थित उद्योगपतियों की नजर लग चुकी है और वह आदिवासियों की जमीन हड़पना चाहते हैं।

न्यायालय तहसीलदार भटगॉव जिला सारंगढ़ - बिलाईगढ़ (छ.ग.)

// ईश्तहार

रा.प्र.क्र- 202605321300012 वर्ष 2025-26
ग्राम धारासींव, प.ह.नं. 12

एतद् द्वारा सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि माननीय न्यायालय कलेक्टर सारंगढ़-बिलाईगढ़ के मामला क्रमांक 202605321300012 वर्ष 2025-26 में उल्लेखित आवेदक महाप्रबंधक, जिला व्यापार एवं उद्योग केन्द्र, सारंगढ़-बिलाईगढ़ (छ.ग.) द्वारा ग्राम-धारासींव, तहसील भटगाव में स्थित शासकीय भूमि खसरा नंबर 2008/1/क कुल रकबा 83.5520 हे. में से 30.000 हे. को नवीन औद्योगिक क्षेत्र की स्थापना हेतु उद्योग विभाग को हस्तांतरण किए जाने का निवेदन किया गया है। तथा भूमि का आधिपत्य प्राप्त करने के लिए महाप्रबंधक, जिला व्यापार एवं उद्योग केन्द्र, सारंगढ़-बिलाईगढ़ (छ.ग.) को अधिकृत किया गया है। जिसमें प्रकरण में जांच कर प्रतिवेदन पेश करने हेतु प्रकरण न्यायालय अनुविभागीय अधिकारी (रा.) बिलाईगढ़ से प्राप्त हुआ है। जो इस न्यायालय में विचाराधीन है।

अत: उक्त संबंध में जिस किसी भी व्यक्ति को दावा/आपत्ति हो तो वे स्वत: उपस्थित होकर अथवा अभिभाषक के माध्यम से इस न्यायालय में पेशी दिनांक 23/07/2026 तक दावा/आपत्ति पेश कर सकता है। नियत दिनांक के पश्चात दावा / आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जावेगा।

आज दिनांक 13.7.2026 को मेरे हस्ताक्षर एवं न्यायालय की शील मुद्रा के साथ जारी किया गया।

तहसीलदार
भटगांव

जी. 262702219/1

तय समय में पैसे नहीं लौटा सका व्यापम, अब जारी हुआ विशेष लिंक

रायपुर। छत्तीसगढ़ व्यावसायिक परीक्षा मंडल ने उन अभ्यर्थियों के लिए विशेष लिंक जारी किया है, जिन्हें पैसे नहीं लौटाए जा सके हैं। पूर्ववर्ती सरकार द्वारा व्यापम और पीएससी की सभी परीक्षाओं को निशुल्क किया गया था। वर्तमान सरकार ने इसमें बदलाव किया। नए नियमों में सभी परीक्षाओं के शुल्क लिए जाते हैं। जो अभ्यर्थी परीक्षा में शामिल होते हैं, परीक्षा शुल्क के रूप में दी गई उनकी राशि लौटा दी जाती है।

कार्यालय कलेक्टर, जिला सुकमा (छ.ग.) (आदिवासी विकास शाखा)

Phone Fax No-07864-284666
Email actwd.cgsukma@gmall.com

विज्ञापन

क्रमांक/आ.वि./छा.आ./स्व. तन-स्व. मन/2026-27/713
सुकमा, दिनांक 16.07.2026

कार्यालय कलेक्टर, (आदिवासी विकास शाखा) सुकमा की ओर से विभागीय छात्रावास एवं आश्रम शालाओं में शिक्षा सत्र 2026-27 में प्रवेशित एवं अध्ययनरत विद्यार्थियों के नियमित स्वास्थ्य परीक्षण हेतु अनुसूचित जाति एवं अनुसूचित जनजाति "स्वस्थ्य तन-स्वस्थ्य मन" (स्वास्थ्य सुरक्षा) योजना के तहत योग्य एम.बी.बी.एस., बी.ए.एम.एस., बी.एच.एम.एस. उपाधि प्राप्त निजि प्रेक्टिसनर चिकित्सकों से आवेदन पत्र आमंत्रित किये जाते है। कार्यालय में आवेदन प्रस्तुत करने की अंतिम तिथि 30.07.2026 होगी। इसके पश्चात प्राप्त आवेदन पत्रों पर विचार नही किया जायेगा। चिकित्सकों का चयन योजना हेतु गठित, चिकित्सक चयन समिति द्वारा अभिलेखों के परीक्षण पश्चात किया जायेगा। योजनान्तर्गत 50 सीटर छात्रावास/आश्रम के लिए प्रति भ्रमण 750/- रूपये एवं 100 सीटर छात्रावास/आश्रम शालाओं के लिए प्रति भ्रमण 1200/- रूपये का मानदेय देय होगा। योजना से संबंधित अन्य जानकारी एवं शर्ते कार्यालयीन अवधि में कार्यालय में देखी जा सकती है।

सहायक आयुक्त
आदिवासी विकास सुकमा

जी. 262702215/2

राशिफल

मेष — मन प्रसन्न रहेगा, परन्तु बातचीत में सन्तुलित रहें। शैक्षिक कार्यों में व्यवधान रहेंगे। सन्तान की ओर से सुखद समाचार मिल सकते हैं। तरक्की के योग हैं।

वृष — मन थोड़ा परेशान हो सकता है। माता के स्वास्थ्य में सुधार होगा। पारिवारिक जीवन सुखमय रहेगा। कारोबार के लिए विदेश जाना हो सकता है।

मिथुन — आत्मविश्वास भरपूर रहेगा। कारोबारी कार्यों में सफलता मिलेगी, परन्तु परिश्रम भी अधिक रहेगा। लाभ के अवसर मिलेंगे। सेहत का ध्यान रखें।

कर्क — वाणी में मधुरता रहेगी। किसी राजनेता से भेंट हो सकती है। नौकरी में कार्यक्षेत्र में परिवर्तन हो सकता है। कार्यभार में वृद्धि हो सकती है।

सिंह — आत्मविश्वास भी बहुत रहेगा। परिवार में धार्मिक कार्य होंगे। मीठे खानपान में रुचि बढ़ेगी। खर्च बढ़ेंगे। तरक्की का मार्ग प्रशस्त होगा।

कन्या — किसी धार्मिक स्थान की यात्रा पर जा सकते हैं। नौकरी में कार्यक्षेत्र में वृद्धि हो सकती है। भाइयों से मनमुटाव की स्थिति बन सकती हैं।

तुला — मन में उतार-चढ़ाव रहेंगे। कारोबार में सुधार होगा। कारोबार के विस्तार के लिए पिता से आर्थिक सहयोग मिल सकता है। शैक्षिक कार्यों में सफलता के योग हैं।

वृश्चिक — किसी मित्र से कारोबार का प्रस्ताव मिल सकता है। कारोबार से लाभ के अवसर भी मिल सकते हैं। यात्रा के सुखद परिणाम मिलेंगे।

धनु — आत्मविश्वास से लबरेज तो रहेंगे, परन्तु मन अशान्त भी हो सकता है। कारोबार की स्थिति सन्तोषजनक रहेगी, परन्तु परिश्रम अधिक रहेगा।

मकर — संयत रहें। व्यर्थ के क्रोध एवं वाद-विवाद से बचें। परिवार की समस्याएं परेशान कर सकती हैं। शैक्षिक कार्यों के लिए विदेश जा सकते हैं।

कुंभ — आत्मविश्वास भरपूर रहेगा, परन्तु मन में उतार-चढ़ाव भी रहेंगे। परिवार का साथ मिलेगा। सेहत का ध्यान रखें। व्यर्थ की चिंता परेशान करेंगी।

मीन — मन में उतार-चढ़ाव रहेंगे, परन्तु आत्मविश्वास भरपूर रहेगा। शैक्षिक कार्यों के सुखद परिणाम मिलेंगे। खर्च अधिक रहेगा। मित्रों से भेंट होगी।

छग पर्यटन विकास को मिलेगी नई गति संचालक मंडल बैठक में बनी रणनीति

रायपुर। छत्तीसगढ़ पर्यटन मंडल के संचालक मंडल की 38वीं बैठक सोमवार को रायपुर स्थित छत्तीसगढ़ टूरिज्म बोर्ड मुख्यालय में हुई। बैठक में पर्यटन क्षेत्र के समग्र विकास, वर्तमान योजनाओं की प्रगति, नई पर्यटन पहलों तथा आगामी गतिविधियों के प्रभावी क्रियान्वयन को लेकर विस्तृत चर्चा की गई। बैठक में लिए गए निर्णय प्रदेश के पर्यटन क्षेत्र को नई दिशा देने वाला महत्वपूर्ण कदम है। बैठक की अध्यक्षता छत्तीसगढ़ टूरिज्म बोर्ड के अध्यक्ष नीलू शर्मा ने की। इस अवसर पर पर्यटन विभाग के सचिव डॉ. एस. भारतीदासन छत्तीसगढ़ टूरिज्म बोर्ड के प्रबंध संचालक विवेक आचार्य , अवर सचिव श्रीमती रुचि शर्मा, उपमहाप्रबंधक पूनम शर्मा, संस्कृति विभाग के संचालक संजय कन्नौजे विभिन्न विभागों के शासकीय सदस्य तथा पर्यटन मंडल के विभिन्न शाखा प्रमुख अधिकारी उपस्थित रहे।

कार्यालय प्राचार्य आदर्श औद्योगिक प्रशिक्षण संस्था जिला-दुर्ग, भिलाई (छ.ग.)

Industrial Training Institute

Phone No. 0788 2281128, E-Mail itibhi@rediffmail.com

औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान, भिलाई में शैक्षणिक सत्र 2026-27 एवं 2026-28 हेतु द्वितीय चरण पंजीकरण प्रवेश प्रक्रिया प्रारंभ हो चुकी है। इच्छुक अभ्यर्थी 17-07-2026 से 24-07-2026 तक ऑनलाइन आवेदन कर सकते हैं। प्रवेश हेतु आवेदन cgiti.admissions.nic.in पर जाकर किया जा सकता है। इस वर्ष संस्थान में कुल 996 सीटें मे से 525 सीटें विभिन्न व्यवसायों में शेष उपलब्ध हैं, जिनमें निम्नलिखित व्यवसाय सम्मिलित हैं:-

S.No	Trade	Total Seats	Total Vacant
1	ADDITIVE MANUFACTURING TECH-NICIAN (3d PRINTING)	20	17
2	ASSISTANT TECHNICIAN DRY WALL AND FALL CEILING	24	20
3	COPA	48	10
4	DIESEL MECHANIC	48	14
5	DRAFTSMAN CIVIL	24	10
6	DRAFTSMAN MECHANICAL	24	15
7	DRIVER CUM MECHANIC	40	32
8	ELECTRICIAN	80	32
9	ELECTRONICS MECHANIC	24	9
10	FITTER	60	16
11	FOUNDRYMAN	24	15
12	INSTRUMENT MECHANIC	24	16
13	MACHINIST	40	16
14	MACHINIST GRINDER	20	13
15	MANUFACTURING PROCESS AUTOMATIONCONTROL AND	20	17
16	MASON	24	18
17	MEV	24	13
18	MMV	24	14
19	RAC	24	12
20	STENO ENGLISH	48	27
21	STENO HINDI	48	20
22	TRACTOR MECHANIC	40	22
23	TURNER	40	18
24	WELDER	140	88
25	WELDER (WELDING & INSPECTION)	20	11
26	WIREMAN	20	10
27	WOOD WORK TECHNICIAN	24	20
	TOTAL	996	525

प्रवेश से संबंधित अधिक जानकारी संस्थान की आधिकारिक वेबसाइट पर या सीधे आईटीआई भिलाई से प्राप्त की जा सकती है।

प्राचार्य
आदर्श औद्योगिक प्रशिक्षण संस्था
जिला-दुर्ग, भिलाई (छ.ग.)

जी.262702226/2

कार्यालय कृषि उपज मंडी समिति मुंगेली, जिला-मुंगेली (छ.ग.)

क्रमांक/मंडी/से.शॉ.नि.सू./2026-27/272 मुंगेली, दिनांक 20/07/2026

सेण्ड्रीशॉप एवं शॉपकम गोदाम नीलामी सूचना

एतद् द्वारा इच्छुक व्यवसायियों को सूचित किया जाता है कि कृषि उपज मंडी समिति मुंगेली के मूलमंडी प्रांगण मुंगेली में निर्मित सण्ड्रीशाप एवं शॉपकम गोदाम की नीलामी दिनांक 06-08-2026 दिन-गुरूवार को समय दोपहर 12:00 बजे कृषि उपज मण्डी समिति मुंगेली के मण्डी प्रांगण में रखा गया है। सेण्ड्रीशाप एवं शॉपकम विवरण निम्नानुसार है-

क्र.	सेण्ड्रीशाप एवं शॉपकम क्रमांक	सेण्ड्रीशाप एवं शॉपकम संख्या	प्रीमियम की न्यूनतम राशि (प्रति नग) राशि रू.मे	धरोहर की राशि (प्रति नग) राशि रू. में	मासिक किराया (प्रति नग) राशि रू.मे	आरक्षण/ रिमार्क
1	सेण्ड्रीशॉप क्रमांक G 01	01 नग	न्यूनतम 93600.00	37500.00	2810.00	इच्छुक व्यक्ति/व्यवसायियो के लिये
2	सेण्ड्रीशॉप क्रमांक G 02	01 नग	न्यूनतम 93600.00	37500.00	2810.00	इच्छुक व्यक्ति/व्यवसायियो के लिये
3	सेण्ड्रीशॉप क्रमांक G 03	01 नग	न्यूनतम 93600.00	37500.00	2810.00	इच्छुक व्यक्ति/व्यवसायियो के लिये
4	शॉपकम गोदाम क्रमांक F 01	01 नग	न्यूनतम 93600.00	37500.00	2810.00	इच्छुक व्यक्ति/व्यवसायियो के लिये
5	शॉपकम गोदाम क्रमांक F 02	01 नग	न्यूनतम 93600.00	37500.00	2810.00	एग्री बिजनेस (कृषि एवं उद्यानिकी आदानों का बिजनेस) व्यवसाय हेतु कृषि स्नातको को "पहले आओ पहले पाओ" के आधार पर
6	शॉपकम गोदाम क्रमांक F 03	01 नग	न्यूनतम 93600.00	37500.00	2810.00	गौ-उत्पाद (दुग्ध, घी,, पंचगव्य, कीटनाशक) व्यवसाय हेतु कृषि स्नातकों को "पहले आओ पहले पाओ" के आधार पर

शर्तें:-

1. आरक्षित शॉपकम गोदाम को "पहले आओ पहले पाओ" के आधार आबंटित किया जायेगा। आवेदनकर्ता के पास एग्री बिजनेस/गौ-उत्पाद/जैविक उत्पाद/परम्परागत रूप से उत्पादित धान की सुगंधित किस्म एवं लघु धान्य फसलों के व्यवसाय का जीवित एवं वैध पंजीयन होना अनिवार्य है, साथ ही उपरोक्त व्यवसाय का 02 वर्ष का अनुभव तथा संबंधित विभाग में जमा किये गये वार्षिक रिटर्न की कॉपी जमा करनी होगी। आवेदनकर्ता को शपथ पत्र भी देना होगा कि वह उपरोक्त व्यवसाय ही करेगा। इंदिरा गांधी कृषि विश्वविद्यालय के अंतर्गत शासकीय/निजी एवं मान्यता प्राप्त महाविद्यालयों के कृषि स्नातक को एवं मैनेज (राष्ट्रीय कृषि विस्तार प्रबंध संस्थान) के अंतर्गत एग्री क्लीनिक एवं एग्रीबिजनेस प्रमाण पत्र धारी को प्राथमिकता दी जाएगी। आरक्षित शॉपकम गोदाम के किरायेदार से किसी भी प्रकार का आवेदन शुल्क या प्रीमियम राशि नहीं ली जावेगी, केवल निर्धारित किराया लिया जायेगा। (सूचना जारी होने के दिनांक से)
2. मूलमंडी प्रांगण मुंगेली में नवनिर्मित शॉपकम गोदाम F01, F02 तथा F03 एवं सेण्ट्रीशॉप कमांक G01, G02 तथा G03 कुल 06 नग हेतु धरोहर राशि पृथक-पृथक है। एक व्यक्ति को एक ही दुकान आबंटित किया जायेगा, एक दुकान पर अंतिम बोली आने पर दूसरे दुकान के लिये बोली नहीं लगा सकेगा। प्रत्येक नीलामी बोली में 1000 रू. अंतर होगा।
3. अमानत राशि राष्ट्रीयकृत बैंक या मान्यता प्राप्त अन्य बैंक का डिमांड ड्राफ्ट जो कि सचिव, कृषि उपज मण्डी समिति मुंगेली जिला मुंगेली के नाम देय हो, जमा कर नीलामी बोली में भाग ले सकते है। धरोहर राशि नगद स्वीकार नहीं की जायेगी। डिमांड ड्राप्ट के साथ एक नग पासपोर्ट साईज की फोटो, आधार कार्ड एवं पेनकार्ड की छायाप्रति जमा करना अनिवार्य है ।
4. इच्छुक व्यक्ति/व्यवसायी मूलमंडी प्रांगण मुंगेली दुकान के लिये निर्धारित अमानत राशि दिनांक 31.07.2026 दिन- शुक्रवार तक कार्यालय कृषि उपज मंडी समिति मुंगेली में कार्यालयीन समय सायं 5.30 बजे तक जमा कर नीलामी की कार्यवाही में भाग ले सकते है।

उपरोक्त सेण्ड्रीशॉप एवं शॉपकम गोदाम नीलामी सूचना की सामान्य शर्ते एवं अन्य जानकारियां कार्यालयीन अवधि में कार्यालय से प्राप्त/देखे जा सकते हैं।

(वीणा ठाकुर)
भारसाधक अधिकारी
कृषि उपज मण्डी समिति मुंगेली
जिला मुंगेली (छ.ग.)

(ब्रम्हाराम मेरावी)
सचिव
कृषि उपज मण्डी समिति मुंगेली
जिला मुंगेली (छ.ग.)

संवाद-48499

शब्द पहेली - 6293

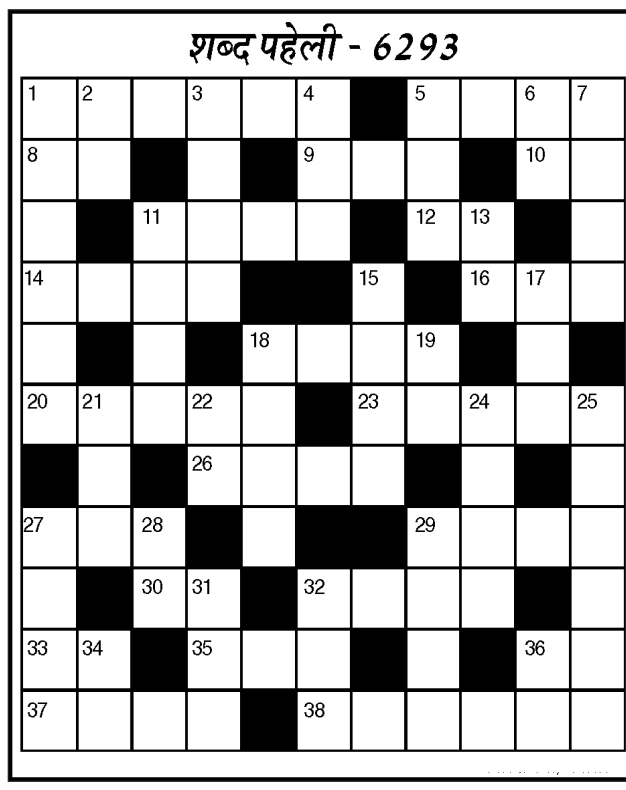

बाएँ से दाएँ
1.हलचल,कोलाहल-3,3
5.मानवीयता-4
8.शरीर, बदन-2
9.ऊंचाई-3
10.तीर, बाण-2
11.मनमोहक-4
12.रग, नाड़ी-2
14.दुत्कारना-4
16.चतुर, फुर्तीला-3
18.साझेदार-4
20.रमण लायक-3,2
23.भारी, वजन वाला-5
26.असावधानी-4
27.दाल पीसना-3
29.निश्चित-4
30.कविता-2
32.शरीर व इच्छा-2,2
33.भारत के झंडे का एक एक रंग-2
35.सलाम करना-3
36.रास्ता-2
37.राह पर चलनेवाले-4
38.जहाज चलाने की प्रक्रिया-3,3

ऊपर से नीचे
1.पैतृक संपत्ति का वारिस-6
2.गाय के स्तन-2
3.प्रसन्न होने का भाव-4
4.लगन, जिज्ञासा-3
5.खदान,खान (अंग्रेजी में-3)
6.अधीन, काबू-2
7.डामर, टार-4
11.पूर्वरक्षण, रिजर्वेशन-4
13.सच्चाई-2
15.दुश्मनी,शत्रुता-4
17.घूंघट, बुरखा-3
18.भाग्य का लेखा-जोखा-4
19.धूल, रेत-2
21.भवन, प्रसाद-3
22.जोड़, कुल-2
24.लावण्ययुक्त-4
25.जीवन निर्वाह का ढंग,-3,3
27.विजयादशमी-4
28.मोड़, छोर-2
29.मृत्यु का देवता, यम-4
31.बुरी आदत-3
32.सभ्य व्यवहार-3
34.मार्ग-2
36.गोंद, वार्निश-2

शब्द पहेली- 6292 का हल

ह	ल	च	ल	■	टा	■	द	वा	खा	ना
■	क्ष्य	■	व	■	ल	क	वा	■	र	ज
ज	■	■	कु	सु	म	■	त	■	■	नी
ब	द	मा	श	■	टो	ना	■	शौ	त	न
र	■	हि	■	फा	ल	■	प्रा	■	न	■
न	ग	र	वा	सी	■	ग	ण	ना	य	क
■	र	■	द	■	मा	ली	■	पा	■	ल
अ	ल	ग	■	म	न	■	चौ	की	दा	र
प	■	■	चि	■	सि	स	की	■	■	व
रा	ज	■	क	न	क	■	दा	■	मे	■
ध	ड़	क	न	■	ता	■	री	मा	ला	गू

सूडोकु नवताल - 6303

★☆☆☆☆ सरल

		6	4		5	8		
9				1				7
6	5			4			7	1
	4						2	
1	2			6			9	8
3				8				9
		8	6		9	5		

MANGAL SENACHA, BANGALORE

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते .
- पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकु नवताल 630 का हल

2	4	5	6	9	8	1	7	3
1	7	6	4	3	5	8	2	9
3	8	9	1	2	7	6	5	4
9	1	7	3	6	2	4	8	5
5	6	3	8	7	4	9	1	2
4	2	8	5	1	9	3	6	7
7	3	1	9	5	6	2	4	8
8	9	2	7	4	1	5	3	6
6	5	4	2	8	3	7	9	1

खबर संक्षेप

अल्ट्राटेक सीमेंट का पहली तिमाही लाभ 17 फीसदी बढ़ा

नई दिल्ली। सीमेंट बनाने वाली देश की प्रमुख कंपनी अल्ट्राटेक सीमेंट का एकीकृत शुद्ध लाभ चालू वित्त वर्ष की अप्रैल-जून तिमाही में 17.23 प्रतिशत बढ़कर 2,603.72 करोड़ रुपये रहा है। कंपनी ने शेयर बाजार को यह जानकारी दी। इससे पिछले वित्त वर्ष 2025-26 की इसी तिमाही में कंपनी ने 2,220.91 करोड़ रुपये का शुद्ध लाभ कमाया था।

केनरा एचएसबीसी लाइफ इंश्योरेंस के लाभ में वृद्धि

नई दिल्ली। केनरा एचएसबीसी लाइफ इंश्योरेंस कंपनी का चालू वित्त वर्ष 2026-27 की अप्रैल-जून तिमाही में शुद्ध लाभ 20 प्रतिशत बढ़कर 28 करोड़ रुपये हो गया। मुख्य रूप से प्रीमियम संग्रह में वृद्धि के कारण लाभ बढ़ा है। कंपनी ने वित्त वर्ष 2025-26 की समान तिमाही में 23 करोड़ रुपये का शुद्ध लाभ कमाया था।

आईओबी का लाभ 49 फीसदी बढ़कर 1659 करोड़ रुपए

नई दिल्ली। सार्वजनिक क्षेत्र के इंडिय ओवरसीज बैंक का शुद्ध लाभ चालू वित्त वर्ष की अप्रैल-जून तिमाही में 49.3 प्रतिशत बढ़कर 1,659 करोड़ रुपये रहा। मुख्य रूप से संपत्ति की गुणवत्ता में सुधार से बैंक का लाभ बढ़ा है। पिछले साल 2025-26 की इसी तिमाही में बैंक को 1,111 करोड़ रुपये का शुद्ध लाभ हुआ था।

इंडो एमआईएम का आईपीओ 23 जुलाई को खुलेगा

नई दिल्ली। इंजीनियरिंग कलपुर्जे बनाने वाली कंपनी इंडो एमआईएम लिमिटेड ने अपने 3,812 करोड़ रुपये के आरंभिक सार्वजनिक निर्गम (आईपीओ) के लिए 461-485 रुपये प्रति शेयर का मूल्य दायरा तय किया है। मूल्य दायरे के ऊपरी स्तर पर कंपनी का मूल्यांकन करीब 24,000 करोड़ रुपये आंका गया है।

श्याम मेटालिक्स के लाभ में 21 फीसदी का इजाफा

नई दिल्ली। श्याम मेटालिक्स एंड एनर्जी लिमिटेड का चालू वित्त वर्ष 2026-27 की अप्रैल-जून तिमाही का एकीकृत शुद्ध लाभ 20.6 प्रतिशत बढ़कर 350.73 करोड़ रुपये हो गया। कंपनी ने वित्त वर्ष 2025-26 की समान तिमाही में 290.67 करोड़ रुपये का एकीकृत शुद्ध लाभ कमाया था।

लोहिया कॉर्प का आईपीओ 23 जुलाई को खुलेगा

नई दिल्ली। औद्योगिक मशीनरी विनिर्माता लोहिया कॉर्प लिमिटेड ने अपने 1,102 करोड़ रुपये के आरंभिक सार्वजनिक निर्गम (आईपीओ) के लिए 404-425 रुपये प्रति शेयर का मूल्य दायरा तय किया है। मूल्य दायरे के ऊपरी स्तर पर कंपनी का मूल्यांकन लगभग 4,500 करोड़ रुपये आंका गया है। कंपनी ने सोमवार को बयान में कहा कि उसका 1,102 करोड़ रुपये का आईपीओ 23 जुलाई को खुलेगा और 27 जुलाई को बंद होगा।

निवेशकों को झटका, इक्विटी पर एलटीसीजी टैक्स खत्म नहीं करेगी सरकार

एजेंसी ▶▶| नई दिल्ली

पिछले कुछ दिनों से खबरें सामने आ रही थीं कि सरकार जल्दी ही शेयर बाजार में लिस्टेड इक्विटी पर लगने वाला एलटीसीजी टैक्स को हटाने जा रही है। लेकिन अब खुद सरकार की तरफ से ही इस खबर को पूरी तरह से गलत बता दिया गया है।

- पिछले कुछ दिनों से निवेशकों की एलटीसीजी टैक्स हटाने की मांग थी

हाल ही में केंद्र सरकार के एक मंत्री ने बताया है कि सरकार किसी भी टैक्स को हटाने की कोई प्लानिंग नहीं कर रही है। दरअसल सोमवार को लोकसभा में केंद्र सरकार के एक मंत्री ने साफ कर दिया कि लिस्टेड शेयरों पर लगने वाले लॉन्ग टर्म कैपिटल गेन (एलटीसीजी) टैक्स को हटाने की फिलहाल कोई प्लानिंग नहीं है। वित्त राज्य मंत्री पंकज चौधरी ने कहा कि सरकार के पास रिटेल और घरेलू निवेशकों के लिए इस टैक्स को खत्म करने का कोई प्रस्ताव ऐसा नहीं है जिस पर कोई सोच- विचार किया जा रहा हो।

निवेशकों ने की थी टैक्स हटाने की मांग

पिछले कुछ दिनों में कई निवेशकों और मार्केट एक्सपर्ट्स ने एलटीसीजी टैक्स हटाने की मांग की थी। उनका कहना है कि ये टैक्स लंबी अवधि के निवेश को निराश करता है और निवेशकों का मुनाफा कम कर देता है। कुछ लोगों ने ये भी मांग की है कि घरेलू निवेशकों को भी वही टैक्स रिलीफ मिले, जो हाल ही में सरकारी बॉन्ड में निवेश करने वाले कुछ विदेशी पोर्टफोलियो निवेशकों (एफपीआई) को दी गई है।

सरकार की किसी भी टैक्स को हटाने की कोई प्लानिंग नहीं है

क्यों नहीं हटाया जा रहा टैक्स?

बता दें कि ऐसा कोई कदम नहीं उठाने के पीछे सरकार की एक बड़ी वजह इस टैक्स से होने वाली बढ़ती आय है। संसद में शेयर किए गए आंकड़ों के मुताबिक शेयरों पर एलटीसीजी टैक्स से सरकार की कमाई साल 2025-26 में करीब 78 प्रतिशत बढ़कर 1.29 लाख करोड़ रुपए हो गई, जबकि पिछले साल ये 72,249 करोड़ रुपए थी। इससे साफ है कि ये टैक्स सरकार के राजस्व का एक महत्वपूर्ण स्रोत बनता जा रहा है। ऐसे में सरकार इस टैक्स को हटाकर खुद का नुकसान तो बिलकुल भी नहीं करना चाहेगी।

मई में एफएम ने दिया था जवाब

मई में, केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने कहा था कि सरकार स्टॉक मार्केट निवेशकों की टैक्स सिस्टम से जुड़ी चिंताओं को सुनने के लिए तैयार है, जिसमें एलटीसीजी और शॉर्ट-टर्म कैपिटल गेन्स (एसटीसीजी) टैक्स से जुड़े मुद्दे भी शामिल हैं। स्टॉक मार्केट में शामिल लोगों की ओर से एलटीसीजी और एसटीसीजी टैक्स की समीक्षा की मांग के बारे में पूछे गए सवालों का जवाब देते हुए सीतारमण ने कहा कि इस खास मुद्दे पर, और किसी भी मुद्दे पर, हम हमेशा लोगों की बात सुनने के लिए तैयार रहते हैं। हम निश्चित रूप से उनके सुझावों पर विचार करेंगे।

पूर्व मुख्य आर्थिक सलाहकार ने कहा, संरचनात्मक सुधारों में तेजी लानी होगी

भारत संरचनात्मक सुधारों से आठ से नौ प्रतिशत वृद्धि हासिल कर सकता है: सुब्रमण्यम

एजेंसी ▶▶| नई दिल्ली

पूर्व मुख्य आर्थिक सलाहकार कृष्णमूर्ति वी. सुब्रमण्यम ने सोमवार को कहा कि भारत कारोबार करने और वित्तपोषण की लागत कम करने के लिए संरचनात्मक सुधारों में तेजी लाकर आठ से नौ प्रतिशत की आर्थिक वृद्धि दर हासिल कर सकता है। उन्होंने भूमि, श्रम और पूंजी जैसे कारक बाजारों में सुधारों के साथ-साथ न्यायिक और नौकरशाही सुधार लागू करने की वकालत की।

सुब्रमण्यम ने कहा, ''वृहद आर्थिक स्थिरता ने भारत को सात प्रतिशत वृद्धि तक पहुंचाया। संस्थागत सुधार भारत को नौ प्रतिशत वृद्धि तक ले जा सकते हैं।

उन्होंने कहा, ''जब निजी निवेश का सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) में हिस्सा 30 प्रतिशत से अधिक था, तब भारत ने आठ प्रतिशत से अधिक की वृद्धि हासिल की थी। अभी यह लगभग 22-23 प्रतिशत है, यानी लक्ष्य से सात से आठ प्रतिशत कम।''

एनपीए कई दशकों से निचले स्तर पर

सुब्रमण्यम ने कहा, ''तब हम सात प्रतिशत से नौ प्रतिशत वृद्धि की छलांग लगाएंगे।'' उन्होंने कहा कि पिछले पांच वर्षों के सार्वजनिक पूंजीगत व्यय ने वह बुनियादी ढांचा तैयार किया है, जिसके बाद निजी निवेश आता है। साथ ही, सकल गैर-निष्पादित आस्तियां (एनपीए) कई दशक के निचले स्तर के करीब होने से बैंकिंग प्रणाली भी इसे समर्थन देने के लिए तैयार है।

सुब्रमण्यम ने नौकरशाही सुधार लागू करने की वकालत की

आर्थिक स्थिरता ने भारत को सात प्रतिशत वृद्धि तक पहुंचाया

संस्थागत सुधार भारत को नौ प्रतिशत वृद्धि तक ले जा सकते हैं

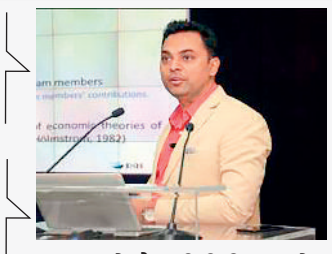

एफडीआई में तेज गिरावट रही : एफडीआ और पोर्टफोलियो निवेश में तेज गिरावट पर सुब्रमण्यम ने कहा कि अमेरिकी फेडरल रिजर्व की आक्रामक मौद्रिक सख्ती से सभी उभरते बाजारों से पूंजी डॉलर परिसंपत्तियों की ओर चली गई।

भारत को चैटजीपीटी बनाने की जरूरत नहीं

सुब्रमण्यम ने कहा, ''भारत को अगला चैटजीपीटी बनाने की जरूरत नहीं है। भारत को स्वास्थ्य, शिक्षा, विनिर्माण, एमएसएमई और सबसे महत्वपूर्ण सार्वजनिक प्रशासन एवं नियमन में एआई का दुनिया का सबसे प्रभावी उपयोगकर्ता बनना चाहिए। एआई का तेज और व्यापक इस्तेमाल ही उत्पादकता वृद्धि तय करेगा। भारत को यही दौड़ जीतनी है।''

एडीबी ने भारत की जीडीपी वृद्धि का अनुमान घटाया

इस महीने की शुरुआत में एशियाई विकास बैंक (एडीबी) ने पश्चिम एशिया संकट से ऊर्जा कीमतों में बढ़ोतरी की आशंका के चलते चालू वित्त वर्ष के लिए भारत की जीडीपी वृद्धि का अनुमान 6.9 प्रतिशत से घटाकर 6.6 प्रतिशत कर दिया था। कृत्रिम मेधा (एआई) के बारे में सुब्रमण्यम ने ओपन-सोर्स फ्रंटियर मॉडल को रणनीतिक दृष्टि से महत्वपूर्ण बदलाव बताया।

सुब्रमण्यम भारत के 17वें आर्थिक सलाहकार रहे

2018 से 2021 तक भारत के 17वें मुख्य आर्थिक सलाहकार रहे और बाद में अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष (आईएमएफ) में कार्यकारी निदेशक रहे सुब्रमण्यम हाल में शिकागो विश्वविद्यालय के 85 वर्षीय इतिहास में 'एलुमनाई अवॉर्ड फॉर प्रोफेशनल अचीवमेंट' पाने वाले पहले भारतीय अर्थशास्त्री बने हैं। यह सम्मान पहले कम से कम 12 नोबेल पुरस्कार विजेताओं और अन्य प्रतिष्ठित वैश्विक हस्तियों को दिया जा चुका है।

भारत की आर्थिक बुनियाद मजबूत है

प्रख्यात अर्थशास्त्री ने कहा कि भारत की व्यापक आर्थिक बुनियाद मजबूत है और कच्चे तेल की कीमतों में गिरावट से निकट अवधि में अर्थव्यवस्था को सहारा मिलेगा। उन्होंने कहा, ..हमें सात प्रतिशत से नौ प्रतिशत वृद्धि तक पहुंचाने वाली अगली लहर भूमि, श्रम और पूंजी जैसे कारक बाजारों के साथ न्यायिक और नौकरशाही सुधारों की होगी, जो कारोबार करने और वित्तपोषण की लागत कम करें।''

कच्चा तेल 90 डॉलर पार करने के बाद फिसला

एजेंसी ▶▶| नई दिल्ली

- ईरान के विदेश मंत्री के बयान से कच्चे तेल में आई गिरावट
- यूएस ने युद्ध रोकने ईरान को दिए कई प्रपोजल

कच्चे तेल की कीमतें आज 20 जुलाई की सुबह 90 डॉलर प्रति बैरल के पार पहुंच गई थीं, लेकिन दोपहर करीब 1:40 बजे इनमें अचानक गिरावट देखने को मिली है। अब कच्चे तेल का भाव 88 डॉलर प्रति बैरल पर आ गया है। ऐसे में सवाल उठ रहा है कि आखिर क्रूड ऑयल की कीमतें अचानक क्यों फिसल गईं।

असल में, ब्लूमबर्ग की रिपोर्ट के अनुसार, ईरान के विदेश मंत्री का बयान आया है कि यूएस युद्ध रोकने के लिए कई प्रपोजल मिले हैं। ईरान ने ये भी कहा है कि एमयूओ तभी सार्थक होगा जब पक्ष प्रतिबद्ध होंगे। साथ ही, यूएस वॉर क्राइन रोकने की भी ईरान हर कोशिश करेगा। ईरान के इस बयान के बाद ही कच्चे तेल में गिरावट आई है। इसी बीच बाजार में भी रिकवरी का मूड नजर आया है। मिडकैप और स्मॉलकैप में भी अच्छा रिकवरी देखी जा रही है। बता दें कि अमेरिका और ईरान के बीच बढ़ते तनाव की वजह से आज कच्चे तेल की कीमतों में 2 प्रतिशत से ज्यादा की तेजी देखने को मिली थी। ब्रेंट क्रूड 90 डॉलर प्रति बैरल के पार पहुंच गया था। सोमवार सुबह अमेरिका ने लगातार नौवें दिन हमले किए, जबकि ईरान भी मिडिल ईस्ट में अमेरिका के सहयोगी देशों से जुड़े ठिकानों पर जवाबी कार्रवाई करते हुए नजर आया।

ब्याज दरों पर असर

पिछले हफ्ते के आखिर में 4 प्रतिशत से ज्यादा की तेजी के बाद सोमवार को भी ब्रेंट क्रूड और अमेरिकी बेंचमार्क डब्ल्यूटीआई की कीमतों में बढ़त देखने को मिली। ब्रेंट क्रूड 91 डॉलर प्रति बैरल के ऊपर पहुंच गया, जो 11 जून के बाद इसका सबसे हाई लेवल था। कच्चे तेल की कीमतों में तेज उछाल से अब महंगाई बढ़ने की चिंता फिर से बढ़ गई है। इससे दुनियाभर के सेंट्रल बैंक के लिए ब्याज दरें घटाना मुश्किल हो सकता है।

बैंकिंग शेयरों में बिकवाली से सेंसेक्स 443 अंक टूटा

एजेंसी ▶▶| मुंबई

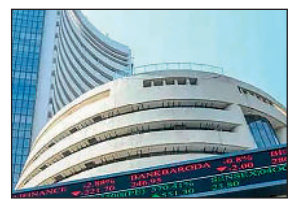

- एचडीएफसी और एक्सिस बैंक में भारी बिकवाली
- खाड़ी युद्ध में तनाव बढ़ने से भी बाजार प्रभावित

स्थानीय शेयर बाजार में सोमवार को गिरावट आई और दोनों मानक सूचकांक नुकसान में रहे। मार्जिन संबंधी दबाव को लेकर एचडीएफसी और एक्सिस बैंक जैसे प्रमुख बैंकों के शेयरों में बिकवाली के साथ अमेरिका और ईरान के बीच तनाव बढ़ने से बीएसई सेंसेक्स 443 अंक टूटा जबकि एनएसई निफ्टी 96 अंक के नुकसान में रहा।

तीस शेयरों पर आधारित बीएसई सेंसेक्स 442.93 अंक टूटकर 77,708.52 अंक पर बंद हुआ। कारोबार के दौरान, एक समय यह 783.16 अंक टूटकर 77,368.29 अंक पर आ गया था। निफ्टी 95.80 अंक टूटकर 24,238.50 अंक पर बंद हुआ। सेंसेक्स में शामिल शेयरों में, एक्सिस बैंक सबसे अधिक नुकसान में रहा। बीते शनिवार को तिमाही नतीजों के बाद इसमें 5.48 प्रतिशत की गिरावट आई। वहीं एचडीएफसी बैंक में 5.12 प्रतिशत की गिरावट आई। एचडीएफसी बैंक ने खासकर शुद्ध ब्याज मार्जिन के मोर्चे पर निराश किया है।''

इन शेयरों में रही घट-बढ़

मारुति, कोटक महिंद्रा बैंक, इन्फोसिस, टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज, महिंद्रा एंड महिंद्रा और भारत इलेक्ट्रॉनिक्स में भी प्रमुख रूप से गिरावट रही। दूसरी तरफ, लाभ में रहने वाले शेयरों में ट्रेंट, पावर ग्रिड, एनटीपीसी और भारती एयरटेल शामिल हैं।

निवेशकों ने सतर्क रुख अपनाया

ऑनलाइन ट्रेडिंग कंपनी एनरिच मनी के मुख्य कार्यपालक अधिकारी (सीईओ) पोनमुडी आर ने कहा, ''भारतीय शेयर बाजार गिरावट के साथ बंद हुए। इसका कारण यह है कि पश्चिम एशिया में बढ़ते तनाव और वैश्विक स्तर पर प्रौद्योगिकी शेयरों की अगुवाई में बिकवाली के बीच निवेशकों ने सतर्क रुख अपनाया।

सोना 1,400 रुपए चढ़ा, चांदी में 1,000 रुपए की गिरावट

एजेंसी ▶▶| नई दिल्ली

- सोना बढ़कर 1.47 लाख रुपए प्रति दस ग्राम पहुंचा
- चांदी टूटकर 2,21,500 रुपये प्रति किलोग्राम रह गई

मजबूत वैश्विक रुझानों के बीच राष्ट्रीय राजधानी में सोमवार को सोने की कीमतों में 1,400 रुपये की तेजी आई और यह करीब 1.47 लाख रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर पहुंच गया। 99.9 प्रतिशत शुद्धता वाला सोना 1,400 रुपये बढ़कर 1,46,900 रुपये प्रति 10 ग्राम (सभी कर सहित) पर पहुंच गया जबकि शुक्रवार को यह 1,45,500 रुपये प्रति 10 ग्राम पर बंद हुआ था।

हालांकि, चांदी की कीमतों में लगातार छठे कारोबारी सत्र में गिरावट जारी रही। चांदी 1,000 रुपये टूटकर 2,21,500 रुपये प्रति किलोग्राम (सभी कर सहित) रह गई। पिछले सत्र में यह 2,22,500 रुपये प्रति किलोग्राम पर बंद हुई थी। चांदी में 10 जुलाई के बाद से अब तक कुल 15,500 रुपये यानी करीब 6.5 प्रतिशत की गिरावट आ चुकी है। सर्राफा कारोबारियों ने कहा कि पिछले सप्ताह की तेज गिरावट के बाद सोने में निचले स्तर पर खरीदारी देखने को मिली, जिससे इसकी कीमतों को सहारा मिला। वहीं, चांदी में बिकवाली का दबाव बना रहा, क्योंकि निवेशक भू-राजनीतिक जोखिमों और अमेरिकी फेडरल रिजर्व द्वारा ब्याज दरों को ऊंचे स्तर पर बनाए रखने की संभावनाओं का आकलन कर रहे हैं।

वैश्विक बाजार में सराफा रहा तेज

अंतरराष्ट्रीय बाजार में हाजिर सोना मामूली बढ़त के साथ करीब 4,020 डॉलर प्रति औंस पर कारोबार कर रहा था, जबकि चांदी करीब दो प्रतिशत चढ़कर 57 डॉलर प्रति औंस के आसपास पहुंच गई। कोटक सिक्योरिटीज की सहायक उपाध्यक्ष (जिंस अनुसंधान) कायनात चैनवाला ने कहा कि अमेरिका-ईरान तनाव के बीच मध्यस्थता के प्रयास जारी रहने से बाजार पर असर पड़ा है।

एब्सोल्यूट, जिंदल सुप्रीम को निर्गम लाने की मंजूरी

नई दिल्ली। बाजार नियामक सेबी ने एब्सोल्यूट प्रोजेक्ट्स (इंडिया) लिमिटेड और जिंदल सुप्रीम (इंडिया) लिमिटेड को आरंभिक सार्वजनिक निर्गम (आईपीओ) के जरिये धन जुटाने की मंजूरी दे दी है। भारतीय प्रतिभूति एवं विनिमय बोर्ड (सेबी) की तरफ से सोमवार को जारी अद्यतन सूचना के मुताबिक, दोनों कंपनियों को 17 जुलाई को नियामकीय टिप्पणी मिली है, जो आईपीओ लाने की मंजूरी है। दोनों कंपनियों ने अप्रैल-मई के दौरान आईपीओ की मंजूरी के लिए दस्तावेज दाखिल किए थे। बिजली पारेषण और वितरण अवसंरचना परियोजनाओं के क्रियान्वयन से जुड़ी एब्सोल्यूट प्रोजेक्ट्स का आईपीओ पूरी तरह दो करोड़ नए इक्विटी शेयरों का निर्गम होगा।

जून में नौ बुनियादी उद्योगों की वृद्धि दर बढ़कर पांच प्रतिशत पर

एजेंसी ▶▶| नई दिल्ली

- सीमेंट, बिजली और लौह अयस्क उत्पादन में रही बढ़ोतरी

देश के नौ प्रमुख बुनियादी क्षेत्रों की उत्पादन वृद्धि जून महीने में बढ़कर पांच महीने के उच्च स्तर पांच प्रतिशत पर पहुंच गई। यह तेजी मुख्य रूप से सीमेंट, बिजली और लौह अयस्क के उत्पादन में बढ़ोतरी से आई। सोमवार को जारी आधिकारिक आंकड़ों में यह जानकारी दी गई।

जून, 2025 में इन क्षेत्रों की वृद्धि दर 1.1 प्रतिशत थी, जबकि मई, 2026 में यह 3.2 प्रतिशत रही थी। सरकार ने इस बार नए आधार वर्ष 2022-23 के साथ आंकड़े जारी किए हैं, जो 2011-12 के पुराने आधार वर्ष की जगह लेता है। संशोधित श्रृंखला में लौह अयस्क को भी जोड़ा गया है, जिससे बुनियादी उद्योगों की संख्या आठ से बढ़कर नौ हो गई है। आधिकारिक आंकड़ों के मुताबिक, जून में कच्चे तेल, प्राकृतिक गैस, रिफाइनरी उत्पाद और उर्वरक के उत्पादन में गिरावट दर्ज की गई।

एलएंडटी को धातु एवं खनन क्षेत्र में मिला बड़ा ठेका

नई दिल्ली। अवसंरचना क्षेत्र की प्रमुख कंपनी लार्सन एंड टुब्रो (एलएंडटी) को सार्वजनिक क्षेत्र की कंपनियों समेत देश की प्रमुख धातु एवं खनन कंपनियों से कई ठेके मिले हैं। कंपनी ने सोमवार को बयान में कहा कि उसकी धातु एवं खनिज (एमएंडएम) कारोबार इकाई को मिले इन बड़े ठेकों का मूल्य 10,000 करोड़ रुपये से 15,000 करोड़ रुपये के बीच है। बयान के अनुसार, कंपनी को पहला ठेका सार्वजनिक क्षेत्र की देश की सबसे बड़ी लौह अयस्क उत्पादक कंपनी से मिला है। यह लौह अयस्क उत्पादक कंपनी वर्ष 2030 तक अपनी लौह अयस्क उत्पादन क्षमता बढ़ाकर 10 करोड़ टन प्रतिवर्ष (एमटीपीए) करने के लिए विस्तार कर रही है।

न्यू जर्सी और टेक्सास में काम करने वाले कर्मचारियों को किया प्रभावित

सैमसंग में बड़ी छंटनी की खबर! सैकड़ों कर्मचारियों की नौकरी गई

एजेंसी ▶▶| नई दिल्ली

- न्यू जर्सी में करीब 739 पद प्रभावित हुए, टेक्सास में 100 पद गए

दुनिया की दिग्गज टेक कंपनी सैमसंग इलेक्ट्रॉनिक्स ने अमेरिका में अपने कंज्यूमर इलेक्ट्रॉनिक्स बिजनेस से जुड़े कई कर्मचारियों की छंटनी कर दी है। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, कंपनी ने मुख्य रूप से न्यू जर्सी और टेक्सास में काम करने वाले कर्मचारियों को प्रभावित किया है।

यह कदम ऐसे समय उठाया गया है, जब सैमसंग अपने अमेरिकी मुख्यालय को न्यू जर्सी से टेक्सास शिफ्ट कर रही है। इस बदलाव के तहत कई कर्मचारियों को नई जगह पर काम करने का विकल्प दिया गया है, जबकि जो कर्मचारी स्थानांतरण के लिए तैयार नहीं थे या जिनकी भूमिका अब जरूरी नहीं रही, उन्हें नौकरी छोड़नी पड़ी। रॉयटर्स की रिपोर्ट के अनुसार, सैमसंग के न्यू जर्सी स्थित कार्यालय में करीब 739 पद प्रभावित हुए हैं।

मुख्यालय को स्थानांतरित करने के उद्देश्य से छंटनी

सैमसंग ने अपने बयान में कहा कि मुख्यालय को टेक्सास स्थानांतरित करने का उद्देश्य अलग-अलग टीमों को एक जगह लाकर बेहतर सहयोग बढ़ाना और तेजी से विकसित हो रहे एआई तथा टेक्नोलॉजी इकोसिस्टम का लाभ उठाना है। कंपनी का कहना है कि फिलहाल उसके कंज्यूमर प्रोडक्ट बिजनेस में किसी तरह का वैश्विक स्तर का बड़े पैमाने पर पुनर्गठन नहीं किया जा रहा है।

मोबाइल कारोबार पहली बार घाटे में जा सकता है : दूसरी ओर मोबाइल फोन, टीवी और होम अप्लायंसेज जैसे कंज्यूमर इलेक्ट्रॉनिक्स बिजनेस पर दबाव बढ़ गया है। एआई चिप्स की लागत बढ़ने से इन उत्पादों की लागत भी बढ़ी है, जबकि एप्पल, टीसीएल और हाइसेंस जैसी कंपनियों से कड़ी प्रतिस्पर्धा का सामना करना पड़ रहा है। रिपोर्ट्स के मुताबिक, सैमसंग का मोबाइल कारोबार पहली बार घाटे में जा सकता है।

मोबाइल डिविजन के कर्मचारी शामिल

कंपनी का कहना है कि इनमें से अधिकांश कर्मचारियों को टेक्सास में स्थानांतरित होने का प्रस्ताव दिया गया है। वहीं, टेक्सास के प्लानो कार्यालय में भी लगभग 100 कर्मचारियों, जिनमें मोबाइल डिवीजन के कर्मचारी भी शामिल हैं, को नौकरी से निकाल दिया गया है।

चिप प्लांट से कमाया रिकॉर्ड मुनाफा

दरअसल, सैमसंग इस समय दो अलग-अलग परिस्थितियों का सामना कर रही है। एक ओर कंपनी का चिप बिजनेस आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस की बढ़ती मांग की वजह से रिकॉर्ड मुनाफा कमा रहा है। कंपनी ने हाल ही में नए चिप प्लांट लगाने के लिए अरबों डॉलर के निवेश की भी घोषणा की है।

कई वैश्विक कंपनियां कर चुकी है छंटनी

टेक इंडस्ट्री में यह पहली बड़ी छंटनी नहीं है। पिछले कुछ महीनों में माइक्रोसॉफ्ट, अमेजन, मेटा, टेस्ला और ओराकेल जैसी कई वैश्विक कंपनियां भी कर्मचारियों की संख्या कम कर चुकी हैं। अधिकांश कंपनियां रेगुलर कारोबार से निवेश हटाकर एआई इंफ्रास्ट्रक्चर और नई तकनीकों पर ज्यादा खर्च कर रही हैं। सैमसंग भी इसी रणनीति पर आगे बढ़ती दिख रही है।

इलेवन समूह 4,700 करोड़ रुपए का करेगा निवेश

नई दिल्ली। स्वास्थ्य, बिजली समेत विभिन्न कारोबार क्षेत्रों से जुड़े समूह 'इलेवन' ने सोमवार को कहा कि वह हरियाणा के गुरुग्राम और नूंह जिलों में नवीकरणीय ऊर्जा पर आधारित बिजली वितरण नेटवर्क बनाने के लिए 4,700 करोड़ रुपये से अधिक का निवेश करने की योजना बना रहा है। पहले चरण के लिए वित्त पोषण व्यवस्था की जा चुकी है। इसमें इक्विटी और कर्ज का मिश्रण होगा। 'इलेवन', गुरुग्राम में नया, नवीकरणीय ऊर्जा आधारित बिजली वितरण नेटवर्क बनाने के लिए 4,700 करोड़ रुपये से अधिक का निवेश करेगा।

दिल्ली में भारत व्यापार महोत्सव 12 अगस्त से, छत्तीसगढ़ से बिजनेस डेलीगेट का पंजीयन शुरू

पहले दिन बड़ी संख्या में व्यापारिक संगठनों और व्यापारियों ने कराया पंजीयन

रायपुर। कैट और आईटीपीओ द्वारा 12से 15 अगस्त तक नई दिल्ली में भारत व्यापार महोत्सव का आयोजन किया जा रहा है। इस महोत्सव में छत्तीसगढ़ की प्रभावी सहभागिता सुनिश्चित करने सोमवार को पंडरी स्थित कैट के प्रदेश कार्यालय में बैठक आयोजित हुई। बैठक की अध्यक्षता कैट के राष्ट्रीय वाइस चेयरमैन अमर पारवानी ने की। इस अवसर पर प्रदेश के व्यापारियों के लिए बिजनेस डेलीगेट रजिस्ट्रेशन का शुभारंभ किया गया। रजिस्ट्रेशन प्रारंभ होने पर प्रदेश के विभिन्न व्यापारिक संगठनों एवं व्यापारियों ने बड़ी संख्या में पंजीयन कराया।

कैट छत्तीसगढ़ इकाई के चेयमैन विक्रम सिंहदेव, प्रदेश अध्यक्ष परमानंद जैन ने संयुक्त रूप से बताया कि भारत मंडपम नई दिल्ली में आयोजित होने वाले चार दिवसीय भारत व्यापार महोत्सव को लेकर छत्तीसगढ़ में खासा उत्साह व्यापारी जगत में देखा जा रहा है। इस आयोजन में ऐतिहासिक सहभागिता के उद्देश्य से प्रदेश के प्रमुख पदाधिकारियों एवं व्यापारिक संगठनों की महत्वपूर्ण बैठक रखी गई। कैट के नेशनल वाइस चेयरमैन अमर पारवानी ने इस मौके पर कहा कि भारत व्यापार महोत्सव केवल एक प्रदर्शनी नहीं, बल्कि भारत के व्यापार, उद्योग, नवाचार और उद्यमिता का राष्ट्रीय संगम है। यहां देश-विदेश के उद्योगपति, निर्माता, वितरक, आयातक-निर्यातक, स्टार्टअप, निवेशक एवं व्यापारिक संस्थाएं एक मंच पर आएंगी, जिससे व्यापार विस्तार के नए अवसर उपलब्ध होंगे। महोत्सव में शामिल होने वाले व्यापारियों को कई तरह से लाभ होंगे, जिनमें राष्ट्रीय एवं अंतर्राष्ट्रीय स्तर की बिजनेस नेटवर्किंग का अवसर, स्टार्ट अप, नवाचार और डिजिटल बिजनेस मॉडल से जुड़ने का मौका मिलेगा।

प्रदेश अध्यक्ष परमानंद जैन ने भारत व्यापार महोत्सव को छत्तीसगढ़ के व्यापारियों, उद्यमियों, एमएसएमई, निर्माताओं एवं स्टार्टअप्स के लिए राष्ट्रीय स्तर पर अपनी पहचान बनाने का सुनहरा अवसर बताया है। उन्होंने सभी व्यापारिक संगठनों, उद्योगों एवं व्यापारियों से अधिक संख्या में पंजीयन कर इस महाआयोजन का हिस्सा बनने का आग्रह किया।

बैठक में महोत्सव के प्रचार-प्रसार, जिलावार सहभागिता, व्यापारिक प्रतिनिधिमंडलों के गठन पर विस्तृत कार्ययोजना पर भी चर्चा की गई।

बैठक में सुरिन्दर सिंह, जीवत बजाज, अवनीत सिंह, विजय पटेल,,भरत जैन, राकेश ओचवानी, दीपक विधानी, राजेन्द्र खटवानी, सतीश श्रीवास्तव, तेजश मुखर्जी, जयराम कुकरेजा, निलेश मुंदड़ा, देवराज गुरनानी, नवीन शर्मा सहित अन्य पदाधिकारी एवं व्यापारी उपस्थित रहे।

सीजीएमसी में पांच साल बाद चुनाव की सुगबुगाहट पोस्टल बैलेट के बजाए ऑनलाइन मतदान पर जोर

हरिभूमि न्यूज ⏭ रायपुर

छत्तीसगढ़ मेडिकल काउंसिल में पांच साल बाद पांच सदस्यों के चुनाव की सुगबुगाहट बढ़ गई है। सीजीएमसी ने सभी सदस्यों को अपना पता अपडेट कराने का मौका दिया है, जिससे सही ठिकाने पर पोस्टल बैलेट भेजा जा सके। चुनाव का शेड्यूल अभी तय नहीं है, मगर प्रक्रिया ऑनलाइन कराने, प्रति हजार एक सदस्य निर्वाचित करने और पता अपडेट कराने की तारीख बढ़ाने की मांग उठने लगी है।

छत्तीसगढ़ मेडिकल काउंसिल का काम चिकित्सा व्यवस्था और स्वास्थ्य सेवाओं की गुणवत्ता को सुनिश्चित करना है। काउंसिल चिकित्सा से जुड़ी शिकायतों के समाधान काम भी करती है। वर्तमान में सीजीएमसी के पास करीब 18 हजार डाक्टर पंजीकृत हैं। काउंसिल में पांच सदस्यों का चयन निर्वाचन प्रक्रिया से किया जाता है। पिछली बार वर्ष 2019 में सदस्यों का चुनाव हुआ था और पांच साल बाद इसकी पुनः तैयारी की जा रही है। सीजीएमसी ने निर्वाचन प्रक्रिया का हवाला देकर सदस्यों को अपना पता अपडेट करने का मौका दिया है। तर्क दिया गया है कि उनके पते पर पोस्टल बैलेट भेजा जाएगा, जिसके माध्यम से उन्हें सदस्यों का चुनाव करना होगा। चुनाव पर फिलहाल कोई शेड्यूल जारी नहीं किया गया है, मगर चिकित्सकों के बीच इसकी सुगबुगाहट शुरू हो गई है। चिकित्सकों ने तर्क दिया है कि पोस्टल बैलेट की वजह से कई लोग मतदान से चूक जाते हैं, इसलिए प्रक्रिया को ऑनलाइन माध्यम से पूरा किया जाना चाहिए। साथ ही सदस्यों की संख्या पांच से बढ़ाकर प्रति हजार डाक्टरों के पीछे एक सदस्य के हिसाब से तय की जानी चाहिए। एक महत्वपूर्ण मांग में सदस्यों का पता संशोधन कराने की अंतिम तारीख को कम से कम दो महीने बढ़ाया जाना चाहिए।

प्रथम पृष्ठ का शेष

दिल्ली में हिंसक...

दोगुनी कर दी गई है।

और कानून-व्यवस्था बनाए रखने के लिए अर्द्धसैनिक बलों की अतिरिक्त कंपनियों तथा आस-पास के जिलों के पुलिस कर्मियों को तैनात किया गया है। उन्होंने कहा कि हालात को देखते हुए पहले से तैयार रखी गए अर्द्धसैनिक बलों की कई कंपनियों को भी तैनात किया गया। सुरक्षा व्यवस्था को मजबूत करने के लिए दिल्ली पुलिस के जवानों को आस-पास के जिलों से लाकर अहम चौराहों, संवेदनशील जगहों और सरकारी इमारतों के आस-पास तैनात किया गया है। पुलिस के एक अधिकारी ने बताया कि संयुक्त पुलिस आयुक्त और अन्य वरिष्ठ अधिकारी हालात पर नजर रख रहे हैं और कई वरिष्ठ अधिकारी सुरक्षा इंतजामों की देखरेख के लिए सड़कों पर मौजूद हैं। अधिकारी ने कहा, आवाजाही को नियंत्रित करने और प्रदर्शनकारियों को उच्च सुरक्षा वाले क्षेत्र में घुसने से रोकने के लिए अहम जगहों पर बहुस्तरीय अवरोध लगाए गए हैं। उन्होंने कहा, हमारा मुख्य मकसद कानून-व्यवस्था बनाए रखना है। सभी वरिष्ठ अधिकारी हालात पर लगातार नजर रखने के लिए सड़कों पर मौजूद हैं। अतिरिक्त पुलिस बल तैनात किया गया है और जरूरत पड़ने पर अर्द्धसैनिक बल की अतिरिक्त कंपनियों को भी बुलाया गया है। अधिकारी ने बताया कि उन्होंने नयी दिल्ली में कई जगहों पर अवरोधक लगाए हैं, जिनमें कॉन्स्टिट्यूशन क्लब, भारतीय प्रेस क्लब, संसद के पास का क्षेत्र, संसद मार्ग, शंकर रोड, जंतर-मंतर और दिल्ली में प्रवेश के कई अन्य रास्ते शामिल हैं। सूत्र ने कहा, किसी भी कीमत पर कानून-व्यवस्था तोड़ने की इजाजत नहीं दी जाएगी।

बैरिकेड फांदकर पहुंचे आतिशी, सिसोदिया-

छात्रों के प्रदर्शन में शामिल होने आम आदमी पार्टी के तीन नेता धरना स्थल पहुंचे। पूर्व सीएम आतिशी, मनीष सिसोदिया और संजय सिंह बैरिकेड फांदकर प्रदर्शनस्थल पहुंचे। आम आदमी पार्टी शुरू से छात्रों की मांगों का समर्थन कर रही है। टीएमसी सांसद महुआ मोइत्रा ने कहा कि वे भी लोकसभा पहुंचने से पहले जंतर-मंतर पहुंच गई थीं।

डिंपल की अगुवाई में मार्च-

प्रदर्शन के बीच समाजवादी पार्टी के सांसदों ने छात्रों के समर्थन में डिंपल यादव की अगुवाई में मार्च किया। डिंपल यादव के साथ प्रिया सरोज, इकरा हसन और सपा के अन्य सांसद हाथों में तख्तियां लेकर जंतर-मंतर के लिए निकले। सपा सांसदों ने नीट है या चीट है जैसे नारे लगाए।

हाईकोर्ट ने पूछा-...

1174 बच्चों का चयन किया गया है। वहीं, शेष रिक्त सीटों को भरने के लिए विभाग व्यापक प्रचार-प्रसार और अभिभावकों की सहायता करेगा। सरकार की ओर से कहा गया कि आरटीई के तहत अगस्त तक बच्चों के एडमिशन की प्रक्रिया चलेगी। इस पर कोर्ट ने सवाल किया कि अप्रैल में सत्र शुरू हो गया है। ऐसे में यह गरीब बच्चे पढ़ाई कब शुरू करेंगे और इनका कोर्स कैसे पूरा होगा। क्या राज्य सरकार इनके लिए कोई अलग से व्यवस्था करने वाली है।

हाईकोर्ट के पूर्व आदेश के अनुपालन में स्कूल शिक्षा विभाग की ओर से हलफनामा प्रस्तुत कर आरटीई सीटों की स्थिति, प्रतिपूर्ति और प्रवेश प्रक्रिया की ताजा जानकारी दी गई। हलफनामे में कहा गया कि विभाग न्यायालय के सभी आदेशों का पालन करने के लिए प्रतिबद्ध है और अनुपालन सुनिश्चित करने के लिए आवश्यक सभी कदम उठाए जा रहे हैं। सरकार ने बताया कि 6 जुलाई 2026 को प्रदेश के सभी 33 जिलों में आरटीई के तहत बची हुई सीटों के लिए दूसरी लाटरी आयोजित की गई। लाटरी के लिए 9984 सीटें उपलब्ध थीं। इनके लिए 12,934 आवेदन प्राप्त हुए। लाटरी के बाद 1174 बच्चों का चयन किया गया। चयनित बच्चों का प्रवेश 8 जुलाई से 17 जुलाई 2026 तक कराया गया। सरकार ने यह भी कहा कि बची हुई सीटों को भरने के लिए अभिभावकों को हरसंभव सहायता दी जाएगी और प्रक्रिया अगस्त तक चलेगी।

339.73 करोड़ रुपए की प्रतिपूर्ति राशि जारी-

राज्य सरकार ने हलफनामे में बताया कि निजी गैर-अनुदान प्राप्त स्कूलों को आरटीई के तहत प्रवेश देने के एवज में प्रतिपूर्ति के लिए 339 करोड़ 73 लाख 36 हजार रुपए की राशि स्वीकृत कर दी गई है। यह राशि वर्ष 2024-25 और 2025-26 के लिए स्वीकृत की गई है और इसे लोक शिक्षण संचालनालय के खाते में स्थानांतरित भी कर दिया गया है। सरकार ने यह भी स्पष्ट किया कि निजी स्कूल संचालकों द्वारा प्रतिपूर्ति राशि बढ़ाने की मांग को 10 जून 2026 के आदेश से अस्वीकार कर दिया गया है। सरकार का कहना है कि वर्तमान प्रतिपूर्ति राशि पर्याप्त है और इसमें वृद्धि की आवश्यकता नहीं है।-

पुलिस हेडक्वार्टर में...

अधिकारियों के साथ पुलिस मुख्यालय पहुंचे। साहा ने सोशल मीडिया मंच फेसबुक पर एक पोस्ट में कहा, मैं त्रिपुरा के पुलिस महानिदेशक अनुराग धनखड़ के दुखद निधन से बेहद स्तब्ध और दुखी हूं। उनका शव आज आधिकारिक कक्ष के शौचालय में फंदे से लटका हुआ मिला। उन्होंने बताया कि 1994 बैच के भारतीय पुलिस सेवा (आईपीएस) अधिकारी को तुरंत अगरतला स्थित जीबीपी अस्पताल ले जाया गया, जहां चिकित्सकों ने जांच के बाद उन्हें 'अस्पताल पहुंचने से पहले ही मृत' घोषित कर दिया। मुख्यमंत्री ने कहा, इस अत्यंत दुख की घड़ी में मैं शोक संतप्त परिवार के प्रति अपनी गहरी संवेदना व्यक्त करता हूं। दिवंगत आत्मा को शांति मिले और ईश्वर परिवार को इस अपूरणीय क्षति को सहन करने की शक्ति और साहस प्रदान करें।

घटना की जांच की मांग-

इस बीच, त्रिपुरा विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष जितेंद्र चौधरी ने इस घटना की निष्पक्ष जांच के लिए त्रिपुरा उच्च न्यायालय की निगरानी में विशेष जांच दल गठित करने की मांग की। चौधरी ने यहां एक रैली को संबोधित करते हुए कहा, डीजीपी कई कारणों से दबाव में थे। हम मांग करते हैं कि इस दुर्भाग्यपूर्ण घटना की जांच के लिए त्रिपुरा उच्च न्यायालय की निगरानी में एसआईटी गठित की जाए और इसके लिए कैबिनेट की विशेष बैठक बुलाई जाए। धनखड़ (60) अपने पद से 11 महीने बाद सेवानिवृत्त होने वाले थे। धनखड़ को पिछले वर्ष मई में राज्य का पुलिस प्रमुख नियुक्त किया गया था।

बांधों ने बांधी आस,...

रफ्तार तेज होने के साथ ही राज्य के बड़े, मध्यम और लघु जलाशयों में जलभराव की स्थिति पिछले वर्ष की तुलना में बेहतर दिखाई दे रही है। 20 जुलाई के दैनिक टैंक गेज रिपोर्ट के अनुसार अधिकांश प्रमुख जलाशयों में पिछले वर्ष की इसी तारीख की तुलना में अधिक पानी संग्रहित है। हालांकि कुछ बड़े बांधों में जलस्तर अभी भी सामान्य क्षमता से काफी नीचे है, जिससे यह स्पष्ट है कि आगामी दिनों की वर्षा राज्य की सिंचाई और पेयजल व्यवस्था के लिए निर्णायक रहेगी।

बड़े बांधों में सुधार, लेकिन तस्वीर पूरी तरह एक जैसी नहीं-

राज्य के सबसे बड़े जलाशय मिनीमाता बांगो में इस वर्ष 2,016.91 मिलियन घन मीटर (69.69 प्रतिशत) पानी संग्रहित है, जबकि पिछले वर्ष इसी तारीख को यह 1,560.08 मिलियन घन मीटर (53.91 प्रतिशत) था। यानी एक वर्ष में लगभग 438 मिलियन घन मीटर अधिक जल संग्रहित हुआ है। रविशंकर सागर (गंगरेल) में भी जलभराव बढ़कर 47.16 प्रतिशत पहुंच गया है, जो पिछले वर्ष 53.46 प्रतिशत से थोड़ा कम है, लेकिन 2024 की तुलना में कहीं अधिक है। दूसरी ओर दूधावा जलाशय में उल्लेखनीय सुधार दर्ज किया गया है। यहां जलभराव 71.83 प्रतिशत तक पहुंच गया है, जबकि पिछले वर्ष इसी दिन यह केवल 21.87 प्रतिशत था।खारंग जलाशय पूरी क्षमता तक भर चुका है। इसमें 100 प्रतिशत जल संग्रहण दर्ज किया गया है, जबकि पिछले वर्ष इसी दिन यह 87.25 प्रतिशत था। इसी प्रकार सिकासार में भी जलभराव लगभग पिछले वर्ष के बराबर, 64 प्रतिशत से अधिक बना हुआ है।

कस्तूरबा छात्रावास में...

फूड पॉइजनिंग का माना जा रहा है। हालांकि स्वास्थ्य विभाग ने अभी इसकी आधिकारिक पुष्टि नहीं की है। चिकित्सकों के अनुसार सभी छात्राओं की हालत फिलहाल सामान्य और नियंत्रण में है। अस्पताल में भर्ती छात्राओं की भी लगातार निगरानी की जा रही है।

स्वास्थ्य अमला पहुंचा छात्रावास-

घटना की जानकारी मिलते ही स्वास्थ्य विभाग की टीम छात्रावास पहुंची, छात्राओं की जांच की। विभाग द्वारा यह पता लगाने का प्रयास किया जा रहा है कि छात्राओं की तबीयत किस कारण बिगड़ी। इसके लिए छात्रावास में परोसे गए भोजन और पेयजल के नमूने जांच के लिए भेजने की तैयारी की जा रही है। जांच रिपोर्ट आने के बाद ही बीमारी के वास्तविक कारणों का पता चल सकेगा।

आने वाला समय...

इसकी शुरुआत हो चुकी है। उन्होंने विद्यालय में पहली बार प्रवेश लेने वाले बच्चों का तिलक लगाकर एवं मुंह मीठा कराकर आत्मीय स्वागत किया। उन्होंने कक्षा पहली, छठवीं एवं नवमी के चयनित विद्यार्थियों को पुस्तकों एवं गणवेश का वितरण किया तथा कक्षा नवमी की पात्र छात्राओं को साइकिल प्रदान की। मुख्यमंत्री ने सभी बच्चों को शुभकामनाएं देते हुए कहा कि वे मन लगाकर अध्ययन करें और अपने ज्ञान, प्रतिभा एवं संस्कारों से समाज और प्रदेश का नाम रोशन करें। विष्णुदेव साय ने कहा कि राज्य में 15 मेडिकल कॉलेज संचालित हैं तथा 24 नालंदा परिसर विकसित किए जा चुके हैं। दिल्ली में अध्ययनरत विद्यार्थियों के लिए 200 सीट क्षमता वाले छात्रावास की व्यवस्था की गई है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में लागू राष्ट्रीय शिक्षा नीति-2020 के माध्यम से पढ़ाई के साथ संस्कार, कौशल और रोजगारोन्मुखी शिक्षा पर विशेष जोर दिया जा रहा है। इस अवसर पर स्कूल शिक्षा मंत्री गजेन्द्र यादव, दुर्ग ग्रामीण विधायक ललित चन्द्राकर, साजा विधायक ईश्वर साहू, छत्तीसगढ़ खादी एवं ग्रामोद्योग बोर्ड के अध्यक्ष राकेश पाण्डेय, तेलघानी विकास बोर्ड के अध्यक्ष जितेन्द्र साहू, स्कूल शिक्षा सचिव डॉ. कमलप्रीत सिंह, दुर्ग आयुक्त सत्यनारायण राठौर, पुलिस महानिरीक्षक अभिषेक शांडिल्य, आयुक्त समग्र शिक्षा किरण कौशल, कलेक्टर अभिजीत सिंह सहित अन्य मौजूद थे।

स्कूली बच्चों के साथ न्योता भोज -

मुख्यमंत्री साय ने कार्यक्रम के दौरान स्कूली बच्चों के साथ न्योता भोज भी किया। उन्होंने शिक्षा विभाग के जेडी, डीईओ एवं बीईओ कार्यालयों के स्थान पर आधुनिक कॉम्पोजिट कार्यालय भवन के निर्माण, दुर्ग शहर में सर्वसुविधायुक्त ऑडिटोरियम, खेल प्रतिभाओं के लिए फुटबॉल मैदान सह एथलेटिक्स ट्रैक तथा नीट एवं जेईई की तैयारी करने वाले छात्र-छात्राओं के लिए 100-100 सीटर छात्र एवं छात्रा छात्रावास की स्थापना की घोषणा की। मुख्यमंत्री ने विद्यालय की खगोल विज्ञान प्रयोगशाला का अवलोकन भी किया।

Skin Care डॉ. नरेन्द्र अग्रवाल
चर्म एवं गुप्त रोग विशेषज्ञ
सुविधाएं • लेजर हेयर रिमूवल • कैमिकल पीलिंग • हाइड्रोफेशियल • रेडियोफ्रिक्वेंसी • कार्बन फेशियल • एलर्जी टेस्ट
रविवार अवकाश
क्लीनिक : छत्तीसगढ़ कॉलेज के सामने, सिविल लाईन, बैरनबाजार, रायपुर (छ.ग.) समय : सुबह 10:00 से 2:00 बजे तक
सिटी कोतवाली के पास, छोटापारा रोड, रायपुर (छ.ग.) शाम 5:00 से 8:30 बजे तक, फोन : 0771-2546760, 9300323131

अष्टविनायक हॉस्पिटल
बच्चों एवं महिलाओं का अस्पताल
» प्रसूति » नवजात » शिशु रोग » बांझपन » सोनोग्राफी » आयुष्मान कार्ड » बच्चों एवं बड़ों के आपरेशन » अनुभवी डॉक्टर्स प्रतिदिन
आमा सिवनी, विधानसभा रोड, रायपुर (छ.ग.), 9826182221 9301744425

डायबिटिज मधुमेह का सर्वोत्तम इलाज - अब दिल्ली, मुंबई, चेन्नई क्यू जाना
मधुमीत डायबिटिज हॉस्पिटल
डॉ राका शिवहरे MBBS, MD FNIC FIPA
भर्ती सुविधा उपलब्ध
Ecg, Echo, Tmt, Doppler, Carotid, Doppler, Insulin, Pump, Cgms, Homa IR
शिव मंदिर चौक, अवंति विहार, रायपुर, फोन : 0771- 4060929, मो. 7389485756

असली केंदवा मलहम
दद्दन पर केंदवा मलहम लिखा देखें। रजि.नं. 573034बी देखकर खरीदें। ओरिजनल का होलोग्राम (हरि) देखकर खरीदें।
दाद, खाज, खुजली, केंदवा के लिये। HMS देखकर खरीदें
बाल्य रोगों व चुरना, दस्त (कृमि) के लिए विशेष लाभकारी
सुखौना टेबलेट
20 वर्षों से प्रसिद्ध 94060-21769

epaper- www.haribhoomi.com
हरिभूमि Classified
Email- hbclassified375@gmail.com
आवश्यकता आपकी सुविधा हमारी
Contact For Advertisement Booking
Ring Road No.-2, Gourav Path, Bilaspur
Mo.- 9826782100

आवश्यकता है

आवश्यकता है-कानूनी पुस्तकों की मार्केटिंग एवं दुकान में कार्य हेतु लड़के, लड़कियां चाहिए टाइपिस्ट को प्राथमिकता वेतन 7000 से 10000+ कमीशन पता- आदर्श लॉ हाउस, डीपी कॉलेज के सामने, बिलासपुर 9827079947 (41463)

आवश्यकता है-तिफरा स्थित डॉक्टर दंपत्ति के घर की देखभाल और घरेलू कामकाज हेतु लड़की/ महिला की अतिशीघ्र आवश्यकता है। 24घंटे वालों को प्राथमिकता। सम्पर्क करें- 7693965549, 70249 75770, 7000087824, 8770661585 (41456)

आवश्यकता है- Optometrist/ Ophthalmic Assistant की आवश्यकता है एल.वी. प्रसाद हैदराबाद, सदगुरु नेत्र चिकित्सालय चित्रकूट, शंकर नेत्रालय हैदराबाद वालों को प्राथमिकता सम्पूर्ण बायो डाटा के साथ सम्पर्क करें- आशीर्वाद लेजर फेको आई हॉस्पिटल आई.जी. ऑफिस रोड, नेहरू चौक, बिलासपुर (छ.ग.) (41444)

आवश्यकता है-उस्लापुर रोड, हाफा हेतु सुरक्षा गार्ड की आवश्यकता है उम्र 30 वर्ष से 50 वर्ष तक, वेतन 10000 एवं 3 फोटो आधार कार्ड सहित तत्काल सम्पर्क करें-8109314893, 99266 83722 (41462)

आवश्यकता है-प्रो. सोलर एनर्जी कम्पनी में सोलर पैनल के प्रचार प्रसार करने के लिए लड़कों की आवश्यकता है सैलरी 10000+ पेट्रोल+ कमीशन लोकेशन- बिलासपुर, तखतपुर सम्पर्क करें- 9893674156 (41457)

आवश्यकता है- बिलासपुर लॉज में मैनेजर 1पद आयु 30वर्ष से ऊपर वेतन 10000 से ऊपर योग्यता, समय अनुसार, अनुभवी बिजली मिस्त्री की तत्काल आवश्यकता है सम्पर्क करें- 9406390898, 98279 40898 (41440)

आवश्यकता है-गनियारी (कोटा रोड) स्थित 1 एकड़ में खेत की देख रेख हेतु आदमी की आवश्यकता है रहने की भी व्यवस्था है सम्पर्क करें- ध्रुव अग्रवाल बिलासपुर 7987165126, 9424143077 (41450)

आवश्यकता है-सिद्धि विनायक सिक्योरिटी सर्विसेज राजेन्द्र नगर, बिलासपुर में सुरक्षा टीम सुरक्षागार्ड सुपरवाईजर फील्ड ऑफिसर, ऑफिस कार्य- कम्प्यूटर ई-टेंडरिंग, इंग्लिश में दक्ष कुशल स्टाफ अनुभवी माली चाहिए सम्पर्क करें- 9111175190 9098318675 (41464)

आवश्यकता है- प्रतिष्ठित साड़ी शॉप में अनुभवी सेल्समैन- 6 (लड़के) हेल्पर- 4 (लड़के/ लड़की) रिसेप्शनिस्ट-2 (लड़की), 2 फ्लोर मैनेजर (लड़के) चाहिए वेतन योग्यतानुसार। पता- वसंत साड़ी सेन्टर, सदर बाजार, बिलासपुर 9755498703, 79870 65573 (41453)

आवश्यकता है-सुरक्षा गार्ड- 17000 सुपरवाइजर- 18000 फील्ड अधिकारी- 16000 कंप्यूटर ऑपरेटर- 15000 वेतन योग्यतानुसार मेस सुविधा आवास भोजन फ्री संपर्क- अलर्ट एसजीएस प्राइवेट लिमिटेड, कार्यालय 06 जे.शुक्ला कॉम्प्लेक्स पचपेड़ी नाका रायपुर 7746000016, 77470 00016, 7747000019, 7746000019 (891)

आवश्यकता है-कक्षा नर्सरी के दो बच्चों को घर में आकर ट्यूशन पढ़ाने के लिए एक युवती/महिला की आवश्यकता है वेतन 6000 से 10000 रुपए तक। सम्पर्क करें - 8817395214 (41455)

आवश्यकता है-वेल्डर, हेल्पर की। फायर फाइटिंग प्रोजेक्ट के एमएस पाईप लाइन के कार्य हेतु वेल्डर, हेल्पर की आवश्यकता है अनुभवी को प्राथमिकता सम्पर्क करें- एमएस सर्विसेस बिलासपुर 93993 43522, 9039524801 (41454)

आवश्यकता है-शीघ्र आवश्यकता है जो बाहर रह कर कार्य कर सके इंदौर में ऑफिस कार्य हेतु लड़के आयु 18 से 30वर्ष वेतन 12000+ कमीशन+ बोनस के साथ 20000 रहना फ्री+ गाड़ी किराया+ कोई शुल्क नहीं लगेगा सम्पर्क करें- 9630922589, 98930 29618 (530)

Advertisement Booking Time 10.30 AM To 4.00 PM

आवश्यकता है-ब्रिलियंट पब्लिक स्कूल मिशन हॉस्पिटल रोड बिलासपुर में कार्य करने हेतु ड्राइवर, प्यून, आया की शीघ्र आवश्यकता है। सम्पर्क करें- 62616 13256 (41451)

बेचना

बेचना है-भारत माला प्रोजेक्ट के पास नेशनल हाईवे 130A रोड से लगा 150 का फ्रंट, बाऊंड्री वाल से घिरा लिमतरा, खैरा रोड पर स्थित (एक एकड़ जमीन) शीघ्र बेचना सम्पर्क 83490 54531 (41420)

बेचना है-10×10= 100 फुट दुकान छत नहीं मेन रोड बाजार के पास सिन्धी कालोनी में प्राइम लोकेशन में मेंस वेयर के लिये उपयुक्त दुकान बेचना है सम्पर्क करें- 9131242092, 98279 38236 (41445)

आपके सपनों का आशियाना जल्द होगा आपका... पढ़ते रहे हरिभूमि क्लासिफाइड सब कुछ है यहां

शैक्षणिक

प्रवेश प्रारम्भ-फेल विद्यार्थी समय बचाए पत्राचार, ओपन, प्राईवेट, द्वारा 10वी, 12वी पास करे B.Ed, B.A, B.Com B.Sc,Bca,Mca Bba, Llb, M.A, M.Com M.Sc, Mba, Msw, B.Lib, M.Lib, Dca, Pgdca, Polytechnic, B.tech M.tech अपनी अधूरी पढ़ाई एक साल में पूरी करे सभी कोर्सेस मान्यता प्राप्त युनिवर्सिटी द्वारा सम्पर्क करें-Bharti Education Academy Sec.-6, Bhilai 98261 96515, 9826896515 (4157)

छोटा विज्ञापन बड़ा लाभ

शैक्षणिक

फाइनेन्स - विनायिका फाइनेन्स कम्पनी समस्त प्रकार के लोन कृषि, बिजनेस, समूह लोन, पर्सनल, लेबर कार्ड, डेयरी फार्म, होम लोन, आधार कार्ड पर 40000 से 50लाख तक 2% ब्याज, 30% छूट सम्पर्क करें- 7489545029 (4401)

फाइनेन्स-राज्य ग्रामीण बैंकों द्वारा विभिन्न प्रकार के लोन उपलब्ध बिजनेस, कृषि, होम एवं प्रॉपर्टी लोन 1% वार्षिक ब्याज एवं 40% सब्सिडी के साथ प्राप्त करें डाउन सिबिल स्कोर वालों के लिए भी सुविधा सम्पर्क करें-7988465321,79884 65321 (048)

सूचना

पाठकों से अनुरोध है कि वे समाचार पत्र में प्रकाशित किसी भी विज्ञापन के संबंध में किसी भी प्रकार का कदम उठाने (पैसे भेजने, कोई भी खर्च उठाने, चिकित्सकीय सलाह, विवाह संबंधित) या किसी भी वादे-दावे पर अमल करने से पहले अच्छी तरह से जांच पड़ताल कर लें। पाठक पूर्ण जानकारी लेवें व स्वविवेक से निर्णय लेकर ही लेन देन करें। किसी भी उत्पाद या सेवाओं के संबंध में किए किसी भी विज्ञापनदाता के किसी प्रकार के दावों की हरिभूमि (प्रेस प्रबंधक व कर्मचारी) की कोई जिम्मेदारी नहीं होगी। प्रकाशक, संपादक कर्मचारी और हरिभूमि के स्वामी किसी विज्ञापन के संबंध में उठाए किसी कदम के नतीजे और विज्ञापन दाताओं के अपने वायदों पर खरा न उतरने के लिए जिम्मेदार नहीं होंगे।

हरिभूमि में लघु विज्ञापन देने हेतु सम्पर्क करें

- जिला कार्यालय कोरबा:- बी.ब्लॉक, कॉमर्शियल काम्पलेक्स, ट्रांसपोर्ट नगर, जिला कोरबा (छ.ग.) मो. 9644018888, 7581808267
- जिला कार्यालय मुंगेली:- थाना के सामने गली, गोल बाजार, जिला- मुंगेली (छ.ग.) मो. 9303508230
- शिवम एड एजेंसी & पब्लिसिटी:-मो. 9993567380, 8770837744
- एड प्रयास:- मो. 9826701269, 9926003943
- श्यामनानी एडवरटाईजर्स:- मो. 9827168452, 9300625174
- रिद्धीसिद्धी एडवरटाइजर्स & पब्लिसिटी:-मो. 9826129386, 8319503386
- जे.जे. एडवरटाइजर्स:- मो. 9300659628
- रौनक पब्लिसिटी:- मो. 9300328290, 9981658490
- भार्गव एडवरटाइजर्स:- मो. 9827167997
- श्रीसिद्धि विनायक एडवरटाइजर्स:- मो. 9826705603
- एम.जी.आर. एडवरटाइजर्स:- मो. 9827180896, 9131155033
- श्री श्याम पब्लिसिटी:- मो. 9425540759
- अमित पब्लिकेशन:- मो. 9826304304, 9827124304
- विप्रा विज्ञापन सेवा:- मो. 9302462506
- माधवास & कम्पनी:- मो. 9977185123
- बालाजी एडवरटाइजर्स:- मो. 9827466133, 9907047586
- हिबिस्कस मार्केटिंग एण्ड एडवर्टाइजमेंट:- मो. 8109229025

लगातार दूसरी बार एमबाप्पे के नाम गोल्डन बूट, रौड्री सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी

स्पेन के गोलकीपर युनाइ सिमोन ने जीता 'गोल्डन ग्लव' पुरस्कार

एजेंसी ▶▶| ईस्ट रदरफोर्ड

फ्रांस के कीलियन एमबाप्पे लगातार दो विश्व कप में 'गोल्डन बूट' जीतने वाले दुनिया के पहले फुटबॉलर बन गए और टूर्नामेंट के सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी का 'गोल्डन बॉल' पुरस्कार लियोनेल मेस्सी को नहीं बल्कि स्पेन के कप्तान रौड्री को मिला।

स्पेन ने अर्जेंटीना का लगातार दूसरा विश्व कप जीतने का सपना तोड़ा और उसके कप्तान रौड्री ने मेस्सी को व्यक्तिगत पुरस्कार से भी वंचित कर दिया। सर्वश्रेष्ठ गोलकीपर का 'गोल्डन ग्लव' पुरस्कार टूर्नामेंट में महज एक गोल गंवाने वाले स्पेन के युनाइ सिमोन ने जीता जबकि स्पेन के ही पाउ कुबारासी ने अपनी ही टीम के लामिन यमाल को पछाड़कर सर्वश्रेष्ठ युवा खिलाड़ी का पुरस्कार हासिल किया। फाइनल में अर्जेंटीना को स्पेन ने एक गोल से हरा दिया और लियोनेल मेस्सी एक भी गोल नहीं कर सके।

स्पेन कप्तान रौड्री

स्पेन के कप्तान रौड्री ने जीता गोल्डन बॉल का खिताब

मेस्सी को रिकॉर्ड तीसरी बार 'गोल्डन बॉल' मिलने की उम्मीद थी, जो दो बार यह पुरस्कार जीत चुके हैं। 39 वर्ष की उम्र में लगातार दूसरी बार अर्जेंटीना को फाइनल तक ले जाने के कारण उनका दावा मजबूत भी था लेकिन स्पेन को 2010 के बाद दूसरा खिताब दिलाने वाले कप्तान रौड्री को चुना गया। मैनचेस्टर सिटी के मिडफील्डर रौड्री ने टूर्नामेंट में कोई गोल नहीं किया लेकिन मिडफील्ड में पासिंग और गेंद पर नियंत्रण के कारण स्पेन की जीत के सूत्रधार रहे। वह युएफा चैंपियंस लीग, बलोन डिओर और विश्व कप जीतने वाले 11वें पुरुष खिलाड़ी बने।

वर्ल्ड कप के बेहतरीन रिकॉर्ड

1. हैट्रिक मारने वाले सबसे उम्रदराज खिलाड़ी मेसी
2. नॉकआउट में सबसे ज्यादा गोल करने वाले खिलाड़ी बने एम्बाप्पे
3. लगातार सबसे ज्यादा मैच जीतने वाली टीम बनी स्पेन
4. स्पेन, एक सीजन में सबसे कम गोल खाने वाली टीम
5. एम्बाप्पे के वर्ल्ड कप इतिहास में सबसे ज्यादा व्यक्तिगत गोल
6. 6 विश्व कप में गोल करने वाले इकलौते खिलाड़ी बने रोनाल्डो
7. ग्रुप स्टेज में सबसे ज्यादा हुए 215 गोल
8. स्पेन टीम के लुइस डे ला फुएंते सबसे उम्रदराज मैनेजर
9. एक संस्करण में हुए सबसे ज्यादा 308 गोल
10. एम्बाप्पे बने लगातार दो गोल्डन बूट जीतने वाले इकलौते खिलाड़ी
11. 78 वर्षीय कोच डिक ऐडवोकाट बने सबसे उम्रदराज कोच
12. मेसी और रोनाल्डो बने सबसे ज्यादा विश्व कप खेलने वाले खिलाड़ी
13. केप वर्डे बना विश्व कप खेलने वाला सबसे छोटा देश

आखिरी मैच में बेनूर रहे मेस्सी

मेटलाइफ स्टेडियम में बैठे उनके समर्थकों के अलावा दुनिया के कोने-कोने में देर रात टीवी के आगे नजरें गड़ाए बैठे करोड़ों प्रशंसकों की जुबां पर एक ही नाम था ..लियोनेल मेस्सी लेकिन विश्व कप में सुनहरे सफर के आखिरी पड़ाव पर उनका चहेता यह सितारा बेनूर हो गया। खेल के 106वें मिनट में फेरान टोरेस के गोल के दम पर स्पेन ने अर्जेंटीना को हराकर खिताब जीता। दक्षिण अमेरिकी धुरंधर से छिनकर यूरोपीय दिग्गज ने विश्व फुटबॉल की बादशाहत पर कब्जा कर लिया। मेस्सी लगातार दूसरी बार चैंपियन नहीं बन सके। आखिरी सीटी बजने पर उनकी आंखों में नमी और चेहरे पर निराशा को सभी ने देखा। एक तरफ स्पेन के खिलाड़ी जश्न मना रहे थे तो दूसरी तरफ मेस्सी और उनकी टीम स्टेडियम के दक्षिणी छोर पर अर्जेंटीना के समर्थकों को धन्यवाद दे रही थी और शायद माफी भी मांग रही थी।

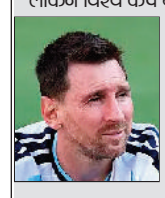

अर्जेंटीना के गोलकीपर मार्टिनेज ने बनाया रिकॉर्ड

अर्जेंटीना के गोलकीपर एमिलियानो मार्टिनेज ने अपने साथियों की अधीरता के विपरीत बेहद धैर्य से काम लिया और यही वजह थी कि वह स्पेन के खिलाफ विश्व कप के फाइनल में 11 बचाव करने में सफल रहे, जो टूर्नामेंट के खिताबी मुकाबले का नया रिकॉर्ड है। लेकिन आखिर में एक मौके पर उनकी भी नहीं चल पाई और स्पेन ने इस मौके का फायदा उठाकर दूसरी बार चैंपियन बनने का गौरव हासिल किया। लेकिन अगर 2022 विश्व कप विजेता गोलकीपर मार्टिनेज ने प्रभावशाली प्रदर्शन नहीं किया होता तो हार का अंतर इससे ज्यादा होता। उन्होंने अपने लंबे कद का अच्छा इस्तेमाल करके रिकॉर्ड 11 बचाव किए। स्पेन लगातार हमला करता रहा, लगातार शॉट मारता रहा और आखिरकार एक गोल करके बढ़त बना ली, जिससे स्टेडियम में जोरदार जश्न का माहौल छा गया। स्पेन के प्रशंसक नाचने लगे, एक-दूसरे को गले लगाने लगे और ताजपोशी से पहले झंडा लहराने लगे।

फीफा प्रमुख इन्फेंटिनो ने तय की 60 हजार मील की दूरी

न्यूयॉर्क। विश्व फुटबॉल की सर्वोच्च संस्था फीफा के अध्यक्ष जियानी इन्फेंटिनो ने समाप्त हुए विश्व कप के दौरान लगभग 60 हजार मील की दूरी तय की और इस दौरान लगभग 115 घंटे विमान में बिताए। इन्फेंटिनो ने अमेरिका, मैक्सिको और कनाडा में खेले गए विश्व कप के दौरान तीन देशों के 16 शहरों का दौरा किया। उनकी यह यात्रा आखिर में अर्जेंटीना और स्पेन के बीच न्यू जर्सी में खेले गए फाइनल मुकाबले के साथ समाप्त हुई। इन्फेंटिनो ने टूर्नामेंट के दौरान विश्व कप के 44 मैच देखे। उन्होंने विश्व कप के सभी 16 स्टेडियमों में कम से कम एक मैच जरूर देखा। मियामी के हार्ड रॉक स्टेडियम में उन्होंने सर्वाधिक पांच मैच देखे। फीफा प्रमुख ने 13 दिन दो-दो मैच देखे और वह भी ऐसे स्टेडियमों में, जो सैकड़ों मील दूर स्थित थे। इस बीच उनके विमान ने 21 हवाई अड्डों से उड़ान भरी या उनमें उतरा। सेमीफाइनल तक उनके विमान ने 23 बार अंतर्राष्ट्रीय सीमा पार की। इन्फेंटिनो ने इस दौरान केवल मैच देखने के लिए एक शहर से दूसरे शहर जाने में 59,281 मील (95,403 किलोमीटर) की दूरी तय की। इनमें से 26 जून को 5,772 मील (9,289 किलोमीटर) तय की गई दूरी भी शामिल है। इसकी शुरुआत मियामी से डलास की सुबह की उड़ान से हुई। वहां से विमान सिएटल गया जहां इन्फेंटिनो ने मिस्र और ईरान का मैच देखा। उनका विमान उसी रात सिएटल से रवाना हुआ और अगली सुबह मियामी पहुंचा। इन्फेंटिनो ने वहां कोलंबिया और पुर्तगाल का मैच देखा।

नाथन स्मिथ ने जीता प्लेयर ऑफ द मंथ का खिताब

शुभमन गिल और ऑलराउंडर मोसाद्देक को पीछे छोड़ा

एजेंसी ▶▶| दुबई

न्यूजीलैंड के तेज गेंदबाज नाथन स्मिथ के लिए 'आईसीसी मेंस प्लेयर ऑफ द मंथ' चुने गए हैं, जिन्होंने इंग्लैंड के खिलाफ 2-1 से टेस्ट सीरीज जीत में अहम भूमिका निभाई थी। कीवी खिलाड़ी ने भारतीय कप्तान शुभमन गिल और बांग्लादेशी ऑलराउंडर मोसाद्देक हुसैन जैसे दावेदारों को पीछे छोड़ते हुए यह प्रतिष्ठित सम्मान हासिल किया है। 27 वर्षीय स्मिथ ने इंग्लैंड में खेली गई 3 मुकाबलों की टेस्ट सीरीज में 23 की औसत से सर्वाधिक 16 विकेट चटकाए थे।

जीत में योगदान देना बहुत संतोषजनक रहा : स्मिथ

नाथन स्मिथ ने कहा, यह वाकई बहुत खास है। टीम के लिए इंग्लैंड का दौरा शानदार रहा और यह बहुत अच्छी बात है। मैं आमतौर पर व्यक्तिगत अवॉर्ड के लिए नहीं खेलता, लेकिन यह पहचान मिलना अच्छा लगता है और इससे भी जरूरी बात यह है कि मैंने सीरीज जीतने में योगदान दिया। व्यक्तिगत रूप से, जीत में योगदान देना बहुत संतोषजनक रहा।

डैनी वायट-हॉज ने जीता विमेंस 'प्लेयर ऑफ द मंथ' अवॉर्ड

इंग्लैंड की ओपनर डैनी वायट-हॉज को जून के लिए 'आईसीसी विमेंस प्लेयर ऑफ द मंथ' अवॉर्ड का विजेता चुना गया है, जिन्होंने 'आईसीसी विमेंस टी20 वर्ल्ड कप' में शानदार प्रदर्शन किया था। डैनी ने स्कॉटलैंड की कप्तान कैथरीन ब्राइस और भारत की लेफ्ट-आर्म स्पिनर श्रीचरणी को पछाड़कर यह अवॉर्ड अपने नाम किया है। इससे पहले नवंबर 2024 में भी डैनी इस खिताब को अपने नाम कर चुकी थीं।

दलीप ट्रॉफी : गायकवाड़ संभालेंगे वेस्ट जोन की कमान

एजेंसी ▶▶| नई दिल्ली

भारतीय ओपनर ऋतुराज गायकवाड़ को आगामी दलीप ट्रॉफी के लिए वेस्ट जोन टीम का कप्तान नियुक्त किया गया है, जबकि अनुभवी बाएं हाथ के स्पिन ऑलराउंडर शम्स मुलानी को उप-कप्तानी सौंपी गई है। यह टीम जोनल सिलेक्शन कमिटी की बैठक के बाद घोषित की गई। दलीप ट्रॉफी टूर्नामेंट 23 अगस्त से 10 सितंबर तक बेंगलुरु में बीसीसीआई सेंटर ऑफ एक्सीलेंस (सीओई) ग्राउंड्स पर खेला जाएगा। पिछले साल, भारत के सीम-बॉलिंग ऑलराउंडर शार्दुल ठाकुर ने वेस्ट जोन की कमान संभाली थी। टीम सेमीफाइनल तक तो पहुंची, लेकिन इससे आगे नहीं बढ़ सकी, क्योंकि सेंट्रल जोन ने पहली पारी में बढ़त हासिल कर ली थी। अब, आगामी टूर्नामेंट के लिए कप्तानी की जिम्मा गायकवाड़ को सौंप दिया गया है।

टूर्नामेंट 23 अगस्त से 10 सितंबर तक बेंगलुरु में खेला जाएगा

देसाई और पटेल स्पेशलिस्ट विकेटकीपर

वेस्ट जोन के खेमे में हार्विक देसाई और उर्विल पटेल के रूप में दो स्पेशलिस्ट विकेटकीपर को शामिल किया गया है। गायकवाड़ के अलावा, पृथ्वी शॉ और खान बंधु (सरफराज और मुशीर) भी टीम में हैं। स्पिन बॉलिंग की जिम्मेदारी उप-कप्तान मुलानी, ऑफ-स्पिन ऑलराउंडर तनुष कोटियान और बाएं हाथ के स्पिनर सिद्धार्थ देसाई को सौंपी गई है। तेज गेंदबाजी विभाग में ठाकुर के साथ-साथ तुषार देशपांडे, मुकेश चौधरी और ऑलराउंडर अतीत सेठ शामिल हैं।

वनडे सीरीज : न्यूजीलैंड की वेस्टइंडीज पर रोमांचक जीत, श्रृंखला की अपने नाम

एजेंसी ▶▶| ब्रिजटाउन

मार्क चैपमैन ने 80 रन बनाए और मिचेल सैंटनर ने निचले क्रम के बल्लेबाजों के साथ अच्छा तालमेल बिठाया, जिससे न्यूजीलैंड ने चौथे एकदिवसीय अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट मैच में वेस्टइंडीज पर 1 विकेट से रोमांचक जीत दर्ज करके पांच मैचों की श्रृंखला में 3-1 की अजेय बढ़त हासिल कर ली। न्यूजीलैंड को जब तीन रन की जरूरत थी और एक विकेट हाथ में था, तभी सैंटनर को जीवनदान मिला। अंतिम बल्लेबाज जेडन लेनोक्स विकेटकीपर के हाथों कैच आउट और एलबीडब्ल्यू के लिए 'रिव्यू' से बचे। इसके बाद न्यूजीलैंड ने 35 गेंदें शेष रहते वेस्टइंडीज के 188 (सभी आउट) के स्कोर को 9 विकेट खोकर पार कर दिया। न्यूजीलैंड के कप्तान सैंटनर ने 45वें ओवर की पहली गेंद पर विजयी रन बनाया। वह 34 रन बनाकर नाबाद रहे, जिससे वेस्टइंडीज की सीरीज बराबर करने की उम्मीदों पर पानी फिर गया।

नहीं चल पाए वेस्टइंडीज के बल्लेबाज

वेस्टइंडीज के बल्लेबाज हालांकि फिर से नहीं चल पाए। एक समय उसका स्कोर छह पर विकेट पर 81 रन था। इसके बाद आमिर जांगू और गुडाकेश मोती के बीच सातवें विकेट के लिए 81 रन की साझेदारी की। जांगू ने 71 गेंदों में अपना अर्धशतक पूरा करते हुए 51 रन बनाए जबकि मोती ने 41 रन का योगदान दिया। मोती ने बाद में 47 रन देकर 5 विकेट भी लिए।

रोहित ने हमें संन्यास के बारे में कुछ नहीं बताया : शुभमन

एजेंसी ▶▶| लंदन

भारतीय कप्तान शुभमन गिल ने कहा कि सीनियर बल्लेबाज रोहित शर्मा ने अपने अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट करियर को लेकर उनसे कोई बात नहीं की है, जिनके संन्यास को लेकर पिछले कुछ दिनों से अटकलों का बाजार गर्म था। गिल से पूछा गया कि क्या रोहित ने उन्हें अपने भविष्य को लेकर कुछ संकेत दिया है। गिल ने कहा, 'हमें उनसे बात करने का मौका ही नहीं मिला। उन्होंने (रोहित ने) हमें कुछ नहीं बताया। मुझे लगता है कि सारी बातें मीडिया में आ चुकी हैं। लेकिन इस बारे में कोई चर्चा नहीं हुई है।' गिल ने कहा, 'रोहित भाई ने बड़े ही शानदार तरीके से पारी को संवारा। मैं नॉन-स्ट्राइकर छोर से उनकी बल्लेबाजी देख रहा था।

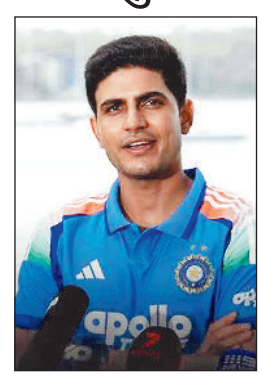

रहमारी बातचीत मुख्य रूप से इसी बात पर केंद्रित थी कि अगर हम विकेट बचाकर रखते हैं तो हमारे पास लक्ष्य तक पहुंचने का मौका रहेगा।' उन्होंने कहा, 'पावरप्ले में हम इस बात पर चर्चा कर रहे थे कि शॉट मारें या नहीं। नई गेंद के सामने बल्लेबाजी करना इतना आसान नहीं होता।

सिंधू के कंधों पर भारतीय चुनौती, सात्विक-चिराग बाहर

एजेंसी ▶▶| चांग्झू

स्टार शटलर पीवी सिंधू मंगलवार से शुरू हो रहे चीन ओपन सुपर 1000 बैडमिंटन टूर्नामेंट में भारतीय चुनौती की अगुआई करेंगी लेकिन पुरुष युगल की शीर्ष जोड़ी सात्विकसाईराज रंकीरेड्डी और चिराग शेट्टी कंधे की चोट से उबर रहे सात्विक के कारण इस प्रतियोगिता में हिस्सा नहीं लेगी। भारतीय टीम बीडब्ल्यूएफ विश्व टूर पर पिछले सप्ताह के शानदार प्रदर्शन की लय को बरकरार रखने की कोशिश करेगी। सिंधू लगभग दो वर्ष बाद जापान ओपन का खिताब जीतकर बेहतरीन लय में चीन पहुंची हैं।

सिंधू और उन्नति में होगा मुकाबला

सिंधू अपने अभियान की शुरुआत हमवतन उन्नति हुड्डा के खिलाफ करेंगी। दूसरे दौर में उनका सामना चीन की चौथी वरीयता प्राप्त चेन यू फेई से हो सकता है। महिला एकल में भारत की अन्य खिलाड़ी देविका सिहाग अपने अभियान की शुरुआत थाईलैंड की बुसानन ओंगबामरुंगफान के खिलाफ करेंगी। रोहन कपूर और रुत्विका शिवानी गड्डे की जोड़ी का सामना पहले दौर में शीर्ष वरीय चीन के फेंग यान झे और हुआंग डोंग पिंग से होगा। पुरुष युगल में हरिहरन अम्साकरुणन और एम.आर. अर्जुन की जोड़ी अपने पहले मुकाबले में चीन की चौथी वरीयता प्राप्त लियांग वेई केंग और वांग चांग की जोड़ी से भिड़ेगी।

जापान के युशी तनाका से भिड़ेंगे लक्ष्य

पुरुष एकल में भारत की चुनौती का जिम्मा लक्ष्य सेन, आयुष शेट्टी और अनुभवी एचएस प्रणय संभालेंगे। लक्ष्य सेन शुरुआती दौर में जापान के युशी तनाका से भिड़ेंगे। आयुष शेट्टी का सामना इंडोनेशिया के अल्वी फरहान से होगा, प्रणय पहले दौर में मलेशिया के लिओंग जुन हाओ से खेलेंगे।

कार्यालय नगर पंचायत सरसींवा, जिला-सारंगढ़-बिलाईगढ़ (छ.ग.)

क्रमांक / 429/ लो.नि.वि./ न.पं./2026-27 सरसींवा, दिनांक : 20/7/2026

-: ई-प्रोक्योरमेंट निविदा सूचना :-
(1st call)

नगर पंचायत सरसीवां द्वारा एकीकृत पंजीयन प्रणाली अंतर्गत समक्ष श्रेणी में पंजीकृत ठेकेदारों से निम्नलिखित निर्माण कार्य हेतु ऑनलाईन के माध्यम से ई निविदा आमंत्रित की जाती है-

S.No.	Stage	Start	
		Date	Time
1	Bid Start Date	20/07/2026	17:30
2	Bid Due Date	12/08/2026	17:30
3	Physical Submission	18/08/2026	15:00
4	Bid Open Date (Scheduled)	19/08/2026	12:00

क्र.	सिस्टम टेण्डर क्रमांक	कार्य का विवरण	अनुमानित लागत राशि (रू.लाख में)	अमानत राशि	निविदा प्रपत्र शुल्क	कार्य की समय सीमा	निविदा डाउनलोड करने की अंतिम तिथि
1	195726	Construction work of aspirational toilet at ward number 11	28.20	21150/	1500/-	06 माह	12.08.2026

उपरोक्त निविदा की सामान्य शर्तें, धरोहर राशि, विस्तृत निविदा विज्ञप्ति, निविदा दस्तावेज व अन्य जानकारी ई-प्रोक्योरमेंट वेब पोर्टल http//eproc.cgstate.gov.in अथवा विभागीय वेबसाईट http//uad.cg.gov.in से भी डाउनलोड की जा सकती है।

मुख्य नगरपालिका अधिकारी
नगर पंचायत सरसींवा
जिला-सारंगढ़-बिलाईगढ़ (छ.ग.)

आम सूचना

ICICI Bank

पंजीकृत कार्यालय: आईसीआईसीआई बैंक टावर, चकली सर्कल के पास, ओल्ड पादरा रोड, वडोदरा- 390007;
कॉर्पोरेट कार्यालय: आईसीआईसीआई बैंक टावर्स, बांद्रा-कुर्ला कॉम्प्लेक्स, मुंबई - 400051।

स्वर्ण नीलामी एवं आमंत्रण सूचना

निम्नलिखित ऋणधारक (ओं) को आईसीआईसीआई बैंक लिमिटेड से लिए गए सोने के आभूषणों के बदले ऋण की बकाया राशि का भुगतान करने के लिए नोटिस जारी किया गया था। भुगतान में विफलता के कारण, गिरवी रखे गए सोने के आभूषणों की नीलामी 20 अगस्त, 2026 को आयोजित की जाएगी। यदि ऋणधारक की मृत्यु हो गई है, तो सभी नियम और शर्तें उनके संबंधित वैध उत्तराधिकारी (ओं) पर लागू होंगी।

ऋण खाता संख्या	ऋणधारक का नाम	नीलामी शाखा का पता
शाखा का नाम: अंबिकापुर - खरसिया रोड		आईसीआईसीआई बैंक लिमिटेड, बसंत मल्टीप्लेक्स, खरसिया रोड, अंबिकापुर, छत्तीसगढ़ - 497001
544957000020	डबलू राम कुजूर	
शाखा का नाम: भिलाई		आईसीआईसीआई बैंक लिमिटेड, 35,36,37 कॉमर्शियल सह आवासीय परिसर, नेहरू नगर पूर्व, भिलाई - 490020
01865700097	स्वाति स्वर्णकार	
01865700098	स्वाति स्वर्णकार	
शाखा का नाम: कटघोरा		आईसीआईसीआई बैंक लिमिटेड, प्रेमलता गर्ग कॉम्प्लेक्स, दुकान नंबर 223, वार्ड नंबर 3, मेन रोड, कटघोरा, जिला कोरबा, छत्तीसगढ़ - 495445
328857000099	अमन राय	
शाखा का नाम: नारायणपुर		आईसीआईसीआई बैंक लिमिटेड, खसरा नंबर 405/3, मेन रोड, भक्करुपारा, नारायणपुर - 494661, छत्तीसगढ़
783557000099	वर्षा यादव	
शाखा का नाम: पाली, छत्तीसगढ़		आईसीआईसीआई बैंक लिमिटेड, वी वी प्लाजा, नगर पंचायत के सामने, एनएच-111 मेन रोड पाली - 495449
280457000055	अनिता	
शाखा का नाम: रायपुर		आईसीआईसीआई बैंक लिमिटेड, प्लॉट नंबर 2/12, 14/21, 15/8, पीडब्ल्यूडी सर्किट हाउस के पास, यूनिसेफ कार्यालय के पास, सिविल लाइन, रायपुर 492001, छत्तीसगढ़
016157000389	प्रज्ञा पाठक	
016157000521	सुमन मिश्रा	
016157000534	सुमन मिश्रा	

नीलामी उपरोक्त तालिका में उल्लिखित पते और तिथि पर आयोजित की जाएगी। समय: दोपहर 3:00 बजे से शाम 6:00 बजे तक। कृपया ध्यान दें कि आईसीआईसीआई बैंक बिना किसी पूर्व सूचना के नीलामी की तिथि/स्थान/तरीके में परिवर्तन करने का अधिकार सुरक्षित रखता है। इच्छुक पक्ष नीलामी के विस्तृत नियम और शर्तों के लिए उपर्युक्त शाखाओं में जा सकते हैं।

दिनांक: 21.07.2026 भवदीय, हस्ताक्षर/- अधिकृत हस्ताक्षरकर्ता
स्थान: रायपुर, दुर्ग, कोरबा, सूरजपुर, नारायणपुर. कृते/- आईसीआईसीआई बैंक लिमिटेड

दुनिया का इकलौता आइलैंड, जिसका हर छह महीने में बदल जाता है देश

मैड्रिड/पेरिस। दुनिया भर में दो देशों के बीच सीमाओं और जमीनी हिस्सों को लेकर जंग, तनाव और खून-खराबे की खबरें तो आम हैं। भारत-पाकिस्तान से लेकर दुनिया के कई देशों के बीच सीमा विवाद दशकों से चल रहे हैं। लेकिन, क्या आप कल्पना कर सकते हैं कि इस दुनिया में एक ऐसा भी आइलैंड है, जिसे लेकर दो शक्तिशाली देशों के बीच कोई विवाद नहीं है, बल्कि दोनों देश बेहद प्यार और मर्जी से हर छह महीने में इसे एक-दूसरे को सौंप देते हैं? सुनकर हैरानी होगी, लेकिन फीजंट आइलैंड को लेकर ऐसा ही होता आ रहा है। यह दुनिया का इकलौता ऐसा अनोखा टापू है, जो साल के छह महीने फ्रांस के हिस्से में रहता है और बाकी के छह महीने स्पेन का हिस्सा बन जाता है।

क्या होता है कंडोमिनियम?

कंडोमिनियम एक ऐसा इलाका होता है जहां दो या दो से अधिक देश बिना अपनी राष्ट्रीय सीमाएं तय किए, बराबर का अधिकार और संप्रभुता रखते हैं, जैसे कि अंटार्कटिका। लेकिन, फीजंट आइलैंड की बात सबसे जुदा है, क्योंकि यहां दोनों देश एक साथ शासन नहीं करते, बल्कि बारी-बारी से शासन संभालते हैं। 1 फरवरी से 31 जुलाई तक यह टापू आधिकारिक तौर पर स्पेन के नियंत्रण में रहता है और फिर 1 अगस्त से 31 जनवरी तक इस पर फ्रांस का झंडा लहराता है। फिलहाल स्पेन के नियंत्रण वाला यह आइलैंड आने वाले 1 अगस्त को अपना देश बदलकर फ्रांस के पास चला जाएगा। हर छह महीने में दोनों देशों के बड़े अधिकारी इस टापू पर एक छोटी सी सीक्रेट मीटिंग और पारंपरिक समारोह करते हैं, जहां दस्तावेजों का आदान-प्रदान होता है और टापू की चाबी दूसरे देश को सौंप दी जाती है।

बिदासोआ नदी के बीचों-बीच है स्थित

बता दें कि यह छोटा सा आइलैंड अटलांटिक महासागर में गिरने वाली बिदासोआ नदी के बीचों-बीच स्थित है, जो फ्रांस और स्पेन के बीच एक प्राकृतिक सीमा बनाती है। इतिहास के पन्नों को पलटें तो साल 1659 में इसी टापू पर फ्रांस और स्पेन के प्रतिनिधियों ने मुलाकात की थी और ट्रीटी ऑफ द पाइरेनीज नाम की एक ऐतिहासिक संधि पर दस्तखत किए थे, जिसने दोनों देशों के बीच चले आ रहे तीस साल के लंबे युद्ध को हमेशा के लिए खत्म कर दिया था। इस संधि के तहत तय हुआ कि सीमा नदी के बिल्कुल बीच से गुजरेगी। नियम के मुताबिक तो इस 1.6 एकड़ के छोटे से टापू के दो टुकड़े होने चाहिए थे, जिसमें आधा फ्रांस का और आधा स्पेन का हक होता। लेकिन, दोनों देशों ने एक अनोखा और शांतिपूर्ण रास्ता चुना और इस आइलैंड को एक 'कंडोमिनियम' (सह-प्रभुत्व वाला क्षेत्र) घोषित कर दिया।

वीरान टापू पर आम पर्यटकों और इंसानों के जाने पर पाबंदी

इस संधि से पहले भी यह टापू दोनों देशों के राजाओं के लिए एक बेहद सुरक्षित और तटस्थ जगह हुआ करता था, जहां कैदियों की अदला-बदली और शाही शादियों के लिए मुलाकातों का आयोजन होता था। इसी टापू पर फ्रांस के राजा लुई XIII ने अपनी स्पेनिश दुल्हन एना ऑफ ऑस्ट्रिया से मुलाकात की थी, जबकि इसी समय उनके भाई फिलिप IV ने अपनी फ्रांसीसी दुल्हन एलिजाबेथ से पहली बार आंखें चार की थीं। आज के समय में इस वीरान टापू पर आम पर्यटकों और इंसानों के जाने पर पूरी तरह से पाबंदी लगी हुई है। हालांकि, स्पेन के इरुन शहर से इसकी दूरी महज 100 फीट और फ्रांस के हेंडाये इलाके से केवल 150 फीट है, जिससे लोग नदी के किनारे खड़े होकर इस ऐतिहासिक और चमत्कारी 'पिंग-पॉन्ग' टापू का दीदार आसानी से कर सकते हैं।

भारत की जादुई ट्रेन

88 स्टॉपेज और 9 राज्यों का तय करती है सफर

नई दिल्ली। भारत में रोजाना चलने वाली सबसे लंबी रेल यात्राओं में से एक मानी जाने वाली अवध-असम एक्सप्रेस अपने अनोखे सफर के लिए जानी जाती है। ट्रेन नंबर 15909/15910 के साथ चलने वाली यह एक्सप्रेस असम के डिब्रगढ़ से निकलकर राजस्थान के लालगढ़ तक जाती है। इस दौरान यह करीब 3100 किलोमीटर से भी ज्यादा दूरी तय करती है और पूरे रास्ते में 88 स्टेशनों पर रुकती है, जो इसे बाकी ट्रेनों से अलग बनाता है। यह लंबा सफर इतना बड़ा है कि ट्रेन को अपने अंतिम स्टेशन तक पहुंचने में करीब चार दिन लग जाते हैं। इसी वजह से इसके संचालन के लिए कुल सात ट्रेन सेट लगाए जाते हैं। दोनों दिशाओं में तीन-तीन ट्रेनें लगातार चलती हैं, जबकि एक सेट अतिरिक्त रखा जाता है, ताकि सेवा बिना रुके जारी रह सके। इस ट्रेन की खासियत सिर्फ दूरी या समय नहीं, बल्कि इसका रूट भी है। अवध-असम एक्सप्रेस कुल 9 राज्यों से होकर गुजरती है। असम, नागालैंड, पश्चिम बंगाल, बिहार, उत्तर प्रदेश, दिल्ली, हरियाणा, पंजाब और राजस्थान. इतने बड़े हिस्से को जोड़ने वाली यह ट्रेन देश के अलग-अलग संस्कृतियों और इलाकों को एक धागे में पिरोती है।

इस सबसे लंबे रूट ने बनाया नया रिकॉर्ड!

अवध-असम एक्सप्रेस को कहा जाता है 'जादुई ट्रेन'

इसके 88 स्टॉपेज भी इसे खास बनाते हैं। हर स्टेशन पर ट्रेन आमतौर पर 2 से 5 मिनट तक रुकती है। अगर कुल समय जोड़ा जाए, तो सफर के दौरान लगभग साढ़े चार घंटे से ज्यादा समय सिर्फ स्टेशनों पर रुकने में ही निकल जाता है। यही वजह है कि अवध-असम एक्सप्रेस को अक्सर 'जादुई ट्रेन' कहा जाता है। क्योंकि, इसका सफर सिर्फ दूरी तय करना नहीं, बल्कि पूरे भारत को एक साथ जोड़ने का अनुभव देता है।

ज्वालामुखी, बर्फ और रहस्य एक साथ आते हैं नजर

प्रकृति का अद्भुत करिश्मा है यह हेवन लेक

बीजिंग। दुनिया में ऐसी कई जगहें हैं जो अपनी खूबसूरती के साथ-साथ रहस्यों के लिए भी मशहूर हैं। इन्हीं में से एक है हेवन लेक, जिसे चीन में तियांची कहा जाता है। यह झील चीन और उत्तर कोरिया की सीमा पर स्थित है और अपनी प्राकृतिक सुंदरता के साथ वैज्ञानिकों और पर्यटकों, दोनों को अट्रैक्ट करती है। खास बात यह है कि यह कोई साधारण झील नहीं, बल्कि एक विशाल ज्वालामुखी के मुहाने पर बनी क्रेटर लेक है। हेवन लेक माउंट चांगबाईशान की चोटी पर करीब 7,200 फीट की ऊंचाई पर मौजूद है। यह ज्वालामुखी लाखों साल पहले हुए कई बड़े विस्फोटों के बाद बना था।

यूनेस्को के अनुसार, यह उत्तर-पूर्व एशिया की सबसे ऊंची और सबसे बड़ी क्रेटर लेक मानी जाती है। हाल ही में मार्च में प्रकाशित एक साइंटिफिक रिपोर्ट में यह भी बताया गया कि यह चीन की सबसे गहरी झील है। इसकी अधिकतम गहराई करीब 1,224 फीट दर्ज की गई है, जबकि इसका टोटल एरिया लगभग 9.2 वर्ग किलोमीटर है। इस झील की सबसे खास बात इसका प्राकृतिक नजारा है। चारों ओर फैली 16 पहाड़ियां इसे एक प्राकृतिक कटोरे जैसा रूप देती हैं। साल के अलग-अलग मौसमों में इसका रंग और आसपास का सीन बदलता रहता है। सर्दियों में यह इलाका बर्फ की सफेद चादर से ढक जाता है, जबकि गर्मियों में यहां हरियाली और साफ नीला पानी देखने वालों का मन मोह लेता है। हेवन लेक जिस जगह पर बनी है, वह एक काल्डेरा है। काल्डेरा उस बड़े गड्ढे को कहा जाता है जो किसी ज्वालामुखी के भीषण विस्फोट के बाद बनता है। माना जाता है कि माउंट चांगबाईशान में सबसे विनाशकारी विस्फोट वर्ष 946 ईस्वी में हुआ था। इस घटना को 'मिलेनियम इरप्शन' के नाम से जाना जाता है और इसे आधुनिक इतिहास के सबसे बड़े ज्वालामुखीय विस्फोटों में गिना जाता है।

रहस्यमयी कहानियों के कारण भी चर्चा में

हेवन लेक सिर्फ अपनी प्राकृतिक बनावट के कारण ही नहीं, बल्कि इससे जुड़ी रहस्यमयी कहानियों के कारण भी चर्चा में रहती है। साल 2000 के शुरुआती वर्षों में इस झील को लेकर कई चौंकाने वाले दावे सामने आए थे। कई लोगों ने दावा किया कि उन्होंने झील के भीतर एक विशाल और अजीब जीव देखा है। कुछ प्रत्यक्षदर्शियों का कहना था कि उस जीव का सिर घोड़े जैसा दिखाई देता था और उसका शरीर पानी में तेजी से तैरता था। इन दावों ने दुनिया भर के लोगों का ध्यान खींचा और झील को रहस्यमयी जगहों की सूची में शामिल कर दिया। हालांकि, वैज्ञानिक इन दावों से सहमत नहीं हैं। उनका कहना है कि इतनी ऊंचाई पर स्थित और बेहद ठंडे पानी वाली झील में किसी बड़े जीव का लंबे समय तक जीवित रह पाना लगभग असंभव है। अब तक ऐसा कोई वैज्ञानिक प्रमाण नहीं मिला है, जो इन रहस्यमयी जीवों की मौजूदगी की पुष्टि करता हो। इसलिए ज्यादातर विशेषज्ञ इन्हें लोककथाओं या लोगों की कल्पना का हिस्सा मानते हैं। यूनेस्को का कहना है कि माउंट चांगबाईशान दुनिया के सबसे अच्छी तरह सुरक्षित स्ट्रैटोवोल्केनो में से एक है।

सफेद चोटी वाला पहाड़

इस पर्वत का महत्व सिर्फ विज्ञान तक सीमित नहीं है। उत्तर कोरिया में इसे माउंट पेक्टू कहा जाता है, जिसका अर्थ है 'सफेद चोटी वाला पहाड़'। वहीं, चीन में इसे चांगबाईशान कहा जाता है, जिसका मतलब है 'हमेशा सफेद रहने वाला पहाड़'। दोनों देशों की संस्कृति और इतिहास में इस पर्वत का खास स्थान है। यही वजह है कि अतीत में इस इलाके को लेकर चीन, उत्तर कोरिया और दक्षिण कोरिया के बीच कई बार मतभेद भी सामने आए।

गर्भ में हो जाती है गड़बड़ी, कान की जगह सिर में उग आते हैं पैर

नई दिल्ली। सोशल मीडिया पर समय-समय पर गायों की विचित्र तस्वीरें वायरल हो जाती हैं। इन तस्वीरों में गाय के सिर पर कान की जगह एक्स्ट्रा पैर या अंग उगा नजर आता है। लोग इन्हें दिव्य शक्ति या चमत्कार मानकर पूजा-अर्चना शुरू कर देते हैं। कुछ इन्हें मंदिर में स्थापित भी कर देते हैं। लेकिन, वैज्ञानिक और पशु चिकित्सकों के अनुसार यह कोई चमत्कार नहीं बल्कि सेफेलोमेट्री नाम की बेहद दुर्लभ जन्मजात विकृति है।

सेफेलोमेट्री एक अत्यंत दुर्लभ आनुवंशिक कंडीशन है जिसमें पशु (खासकर गाय) के सिर पर अतिरिक्त अंग (ज्यादातर पैर) विकसित हो जाता है। यह गर्भावस्था के दौरान होता है जब जुड़वां भ्रूण पूरी तरह अलग नहीं हो पाते और एक आंशिक भ्रूण दूसरे में अवशोषित हो जाता है। परिणामस्वरूप एक्स्ट्रा अंग सिर या शरीर के किसी हिस्से पर उग आता है। यह कंडीशन लगभग दस लाख जन्मों में एक बार देखा जाता है।

पशु चिकित्सा जगत में इसे जन्मजात विकृतियां माना जाता है। गर्भ में भ्रूण का विकास बहुत जटिल प्रक्रिया है। कभी-कभी कोशिकाओं का विभाजन ठीक से नहीं होता। जुड़वां गर्भ के दौरान अगर एक भ्रूण का विकास रुक जाए और वह दूसरे भ्रूण में मिल जाए तो उसके कुछ अंग बाकी भ्रूण पर विकसित हो सकते हैं। सेफेलोमेट्री में ये एक्स्ट्रा पैर सिर पर उगते हैं। ज्यादातर मामलों में यह पैर पूरी तरह कार्यात्मक नहीं होता, सिर्फ आकार में दिखता है।

गायों के साथ होती है विचित्र घटना!

गाय पर क्या असर पड़ता है?

ज्यादातर मामलों में गाय सामान्य जीवन जी सकती है। अगर, एक्स्ट्रा पैर छोटा है और खाने-चरने में बाधा नहीं डालता तो कोई समस्या नहीं होती लेकिन अगर यह बड़ा हो या संक्रमण का खतरा हो तो पशु चिकित्सक सर्जरी का सुझाव देते हैं।

हरिभूमि कम्यूनिकेशन्स प्राईवेट लिमिटेड के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक प्रियंक सिंह परिहार द्वारा हरिभूमि पब्लिकेशन्स, रिंग रोड नं. 2, गौरवपथ, बिलासपुर (छत्तीसगढ़)-495001 से मुद्रित एवं हरिभूमि कार्यालय, रिंग रोड नं. 2, गौरव पथ, बिलासपुर (छत्तीसगढ़)-495001 से प्रकाशित। प्रधान संपादक : डॉ. हिमांशु द्विवेदी, स्थानीय संपादक: प्रवीण शुक्ला। RNI No. CHHHIN/2001/03764, फोन : 07752-401050, फैक्स : 07752-401052. e-mail : bilaspur@haribhoomi.com